{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 29 अगस्त 2026
भाद्रपद कृष्ण 01 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 335
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

PMG पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

PMG हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स -
निफ्टी -
सोना -
चांदी -
डॉलर -

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

एनटीए में तीन अधिकारियों की नियुक्ति

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी में दो डायरेक्टर और एक जॉइंट डायरेक्टर की नियुक्ति की है। एनटीए को नीट पेपर लीक और परीक्षा से जुड़ी अन्य समस्याओं को लेकर पहले आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। कार्मिक मंत्रालय की ओर से 27 अगस्त को जारी अलग-अलग आदेशों के मुताबिक, रवि कुमार सिंह, जो भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी हैं, और प्रसन्ना वेंकटेश वी, जो भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं, को एनटीए में डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। कार्मिक मंत्रालय के आदेश के अनुसार, 2016 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (कस्टम्स और इनडायरेक्ट टैक्सेस) अधिकारी अमित समदरिया को एनटीए में जॉइंट डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। तीनों आदेशों में कार्मिक मंत्रालय के एक सर्कुलर का जिक्र किया गया है, जिसमें कहा गया है कि नियुक्त अधिकारियों को आदेश जारी होने के तीन हफ्ते के अंदर अपना नया पद संभालना होगा।

भाजपा विधायक के घर पर ग्रेनेड धमाका

इम्फाल। मणिपुर के इम्फाल वेस्ट में एक बीजेपी विधायक के घर पर ग्रेनेड विस्फोट हुआ है। ये धमाका कोंथौजम विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी विधायक और राज्य सरकार के प्रवक्ता डॉ. सपम रंजन सिंह के घर पर हुआ। गनीमत ये रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और न ही किसी को चोट आई।सपम रंजन सिंह हमले से ठीक एक दिन पहले ही नई दिल्ली से लौटे थे। वो दिल्ली में मणिपुर के मौजूदा हालात को लेकर केंद्रीय नेताओं से मुलाकात करने गए थे। धमाके के बाद उन्होंने मीडिया को बताया कि शुक्रवार तड? करीब 1ः30 बजे उनके घर के ठीक पीछे परिसर के अंदर धमाका हुआ। हादसे के बाद दोपहर में मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह खुद विधायक सपम रंजन सिंह के आवास पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का मुआयना किया और सुरक्षा अधिकारियों से घटना की पूरी जानकारी ली।

लुधियाना में पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार

लुधियाना। लुधियाना में 22 साल के दुकानदार को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी बाजार में जूतों की दुकान चलाता था। पुलिस के मुताबिक, वह दुकान की आड़ में छिपकर शहर की सारी गतिविधियों की जानकारी पाकिस्तान भेजता था। दुकान के बाहर लगाए सीसीटीवी कैमरों की लाइव फीड तक पाकिस्तानी एजेंसियों को पहुंचाई जा रही थी। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के बाद उसे जाल बिछाकर पकड़ा गया। जांच में यह भी सामने आया कि वह अलग-अलग मोबाइल नंबरों से धमकियां देता था। पुलिस को आशंका है कि इस जासूसी के पीछे पाकिस्तानी एजेंसियों की लुधियाना में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश थी। वहीं, सैन्य गतिविधियों से जुड़ी जानकारी भी इस नेटवर्क तक पहुंचाई जा रही थी।

टीएमसी छात्र परिषद के स्थापना दिवस कार्यक्रम में बोलीं ममता

भाजपा ने चुनाव हाईजैक करने किया चुनाव आयोग का इस्तेमाल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने शुक्रवार को भाजपा और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला। तृणमूल छात्र परिषद के स्थापना दिवस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव को 'हाईजैक' करने के लिए चुनाव आयोग का इस्तेमाल किया। उन्होंने दावा किया कि वोटर लिस्ट से बड़ी संख्या में नाम हटाकर 'वोट लूटने' की कोशिश की गई और इसके लिए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR¤) का इस्तेमाल किया गया। ममता ने भाजपा पर पश्चिम बंगाल में विभाजनकारी राजनीति करने और पुलिस के जरिए लोगों में डर पैदा करने का भी आरोप लगाया। हालांकि, वोटर लिस्ट में बदलाव और SIR¤ को लेकर ममता बनर्जी के आरोप राजनीतिक दावे हैं। इन्हें चुनाव आयोग या भाजपा की ओर से स्वीकार किए गए तथ्य के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

एसआईआर को लेकर फिर तेज हुआ राजनीतिक विवाद

ममता बनर्जी ने एसआईआर को लेकर केंद्र और चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि इसका इस्तेमाल मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाने के लिए किया जा रहा है। एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण करना होता है। इसमें पात्र मतदाताओं के नाम सुनिश्चित करने और अपात्र या गलत प्रविष्टियों को हटाने की प्रक्रिया शामिल होती है। हालांकि, राजनीतिक दल इस प्रक्रिया को लेकर अलग-अलग दावे और आपत्तियां सामने रखते रहे हैं। ऐसे में मतदाता सूची में किसी नाम के जुडने या हटने के मामले में संबंधित चुनावी रिकॉर्ड और आधिकारिक प्रक्रिया को ही अंतिम आधार माना जाता है।

भाजपा ने पुलिस को राक्षसी संस्था बना दिया

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ममता ने राज्य में पुलिस के रवैये को लेकर भी भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में पुलिस का एक मानवीय चेहरा था, लेकिन भाजपा ने पुलिस को 'राक्षसी संस्था' में बदल दिया है। ममता ने कहा कि वह अपने समर्थकों के खिलाफ कथित पुलिस ज्यादती को रोकने के लिए संघर्ष करेंगी। उन्होंने इसे रक्षाबंधन के अवसर पर अपना संकल्प बताया। ममता का यह बयान ऐसे समय आया है, जब पश्चिम बंगाल में राजनीतिक दलों के बीच चुनावी तैयारियां और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दे लगातार राजनीतिक बहस का विषय बने हुए हैं।

बंगाल में डर और विभाजन की राजनीति

ममता बनर्जी ने भाजपा पर बंगाल में विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोगों को डराने के लिए पुलिस का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वह जल्द ही पूरे पश्चिम बंगाल का दौरा शुरू करेंगी। ममता के मुताबिक अगर उनकी सभाओं को अनुमति नहीं दी जाती है तो वह सड़कों पर उतरकर लोगों के बीच जाएंगी। उन्होंने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि वह देखना चाहती हैं कि विरोध का सामना करने के लिए उनके पास कितनी तैयारी है।

हॉकरों को हटाने पर भी सरकार को घेरा

ममता ने कोलकाता समेत राज्य में फुटपाथों से हॉकरों को हटाने की कार्रवाई को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उन्हें फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने पर आपत्ति नहीं है, लेकिन हॉकरों को वैकल्पिक जगह उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उनका तर्क था कि जिन लोगों की रोजी-रोटी फुटपाथ पर दुकान लगाने से चलती है, उन्हें अचानक हटाने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है। ममता ने मांग की कि यदि सरकार हॉकरों को दूसरी जगह उपलब्ध नहीं करा सकती, तो उन्हें हर महीने रूपये 25 हजार का मुआवजा दिया जाना चाहिए।

बिहार-उत्तराखंड में कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी, यूपी में कई नदियां उफान पर

नई दिल्ली। बिहार के खगड़िया और चंपारण समेत 20 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक 1 सितंबर तक बारिश का दौर जारी रह सकता है। वहीं नेपाल में आई बाढ़ से बिहार के आठ जिलों को हाई अलर्ट पर रखा है। गंगा और गंडक खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। कोसी और बागमती नदियां भी उफान पर हैं। यहां 50 हजार से ज्यादा घर पानी में डूब गए हैं।

उत्तराखंड के 11 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी है। गुरुवार को चमोली में लैंडस्लाइड से बद्रीनाथ हाईवे कुछ देर के लिए बाधित हुआ। हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर भारी बारिश का दौर शुरू हो सकता है। मौसम विभाग ने 31 अगस्त से 2 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। लैंडस्लाइड्स और भारी बारिश के चलते राज्य में 70 सड़कें बंद हैं।

वहीं यूपी में मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। महोबा में भारी बारिश के बाद नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे छोटे पुल जलमग्न हो गए। काली पहाड़ी गांव के पास एक इंजीनियर तेज बहाव में बह गया। आईएमडी ने ओडिशा के 19 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें कई स्थानों पर गरज और बिजली के साथ भारी बारिश का पूर्वानुमान है। क्योंझर और मयूरभंज को भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट पर रखा गया है।

उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। इसके प्रभाव में शनिवार को पश्चिम बंगाल-उत्तर ओडिशा तट के साथ एक नया कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिससे सभी राज्य में और अधिक बारिश हो सकती है। उत्तराखंड के 11 पहाड़ी जिलों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। वहीं, हरिद्वार और ऊधम सिंह नगर जिलों में भी कुछ स्थानों पर हल्की के साथ गरज और बौछारें पड़ सकती हैं।

नेपाल-चीन सीमा पर बनी खतरनाक झील से भारत तक बाढ़ का खतरा, अगले 72 घंटे अहम

नई दिल्ली। नेपाल में भोटेकोशी नदी की विनाशकारी बाढ़ के बाद अब एक और बड़े खतरे ने चिंता बढ़ा दी है। नेपाल-चीन सीमा के पास छोछेन खोला और पुरेपू त्सांगपो नदियों के संगम पर विशाल बैरियर लेक बन गई है। वैज्ञानिकों और चीनी अधिकारियों ने प्राकृतिक झील के कमजोर बांध को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है, जिसके फटने से अचानक बड़ी मात्रा में पानी नीचे की ओर आ सकता है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने अगले 72 घंटों को बेहद अहम बताकर इलाके में निगरानी बढ़ा दी है। यह झील भारत की सीमा से सीधे नहीं सटी है, बल्कि लगभग 120 से 140 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। हालांकि, इसका नदी तंत्र भारत से जुड़ा हुआ है। इस क्षेत्र से निकलने वाला पानी नेपाल के रास्ते आगे बढ़ता है और अंततः गंडक नदी के जरिए बिहार में प्रवेश करता है, जिससे डाउनस्ट्रीम इलाकों में भी चिंता बढ़ी है। चीन की चेतावनी के अनुसार, बैरियर लेक में तेजी से करीब 20 लाख क्यूबिक मीटर पानी जमा हो चुका है और अनुमान है कि लगभग 30 लाख क्यूबिक मीटर पानी और इकट्ठा हो सकता है। यदि पानी का दबाव बढ़ने से यह प्राकृतिक बांध टूटता है, तब ग्लेशियल या भूस्खलन से बनी झील के अचानक फटने जैसी स्थिति माना जाएगा। ऐसी स्थिति में पानी सामान्य बाढ़ की तरह धीरे-धीरे नहीं बल्कि बहुत तेज गति से चट्टानों, मिट्टी और मलबे के साथ नीचे आता है, जिससे भारी तबाही मच सकती है। अगले 72 घंटों के लिए चीन ने रियल-टाइम मॉनिटरिंग और फ्लड सिमुलेशन शुरू किया है ताकि बांध के टूटने पर पानी के बहाव की दिशा और गति का अनुमान लगाया जा सके। सबसे बड़ा सवाल यही है कि लेक का पानी सिर्फ ओवरफ्लो करेगा या पूरा बांध टूट जाएगा। भोटेकोशी से जुड़ा यह पानी आगे चलकर त्रिशूली और फिर गंडक नदी में मिलता है। इसलिए, ऊपरी इलाके में पानी बढ़ने की स्थिति में बिहार और उत्तर प्रदेश के नदी किनारे वाले इलाकों को भी सतर्क रहने की आवश्यकता है।

भारत में प्रकाशित नहीं होगी सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग-अ जर्नी ऑफ लव'

पीआरएचआई ने किताब बदलाव की थी मांग जो लेखक ने ठुकरा दी

नई दिल्ली। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की संस्मरण किताब 'बिलॉन्गिंग- अ जर्नी ऑफ लव' भारत में प्रकाशित नहीं करेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीआरएचआई ने किताब के एक हिस्से में कुछ 卐एडिटोरियल बदलाव और हिस्से हटाने卐 की मांग की थी, लेकिन लेखकों ने इस मांग को ठुकरा दिया। पेंगुइन इंडिया के इस प्रोजेक्ट से बाहर होने के बाद हार्पर कॉलिन्स भारत में किताब के प्रकाशन का काम मिल सकता है। पहले इस किताब को 10 नवंबर को प्रकाशित होना था। किताब में सोनिया अपने राजनीति में सफर और 2004 में पीएम पद स्वीकार नहीं करने के फैसले से जुड़े अनुभव बताए हैं। इसमें नेहरू-गांधी परिवार में शादी और परिवार में हुई हत्याओं के बाद बदली जिंदगी के बारे में लिखा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पहले किताब के अमेरिकी पब्लिशर ने कहा था कि किताब की पहली प्रिंट रन एक लाख प्रतियों की होगी। पीआरएचआई के सीईओ से सोनिया गांधी की पांडुलिपि में मांगे गए बदलाव और हिस्से हटाने卐 के बारे में पूछा गया था। वे भी टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थे। सोनिया गांधी इससे पहले दूसरी किताबें लिख और एडिट कर चुकी हैं। हालांकि, इस किताब पर काम कर चुके लोगों के मुताबिक यह उनकी जिंदगी का सबसे निजी और सबसे विस्तृत लेखा-जोखा है। सोनिया पहले 4 किताबें लिख चुकी है जिनमें राजीव (1992)- राजीव गांधी के जीवन, पारिवारिक पलों, राजनीति और हत्या तक के सफर पर सोनिया गांधी का निजी संस्मरण। राजीव्स वर्ल्ड (1995)- राजीव गांधी द्वारा खुद खींची गई दुर्लभ तस्वीरों का संग्रह, जिसे सोनिया गांधी ने संकलित किया। फ्रीडमस डॉटर (1989)- 1922 से 1939 के बीच जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के पत्रों का संकलन, जिसका संपादन सोनिया ने किया। टू अलोन, टू टूगेदर (1992/2004)- नेहरू और इंदिरा के बीच 1922 से 1964 तक के ऐतिहासिक और निजी पत्राचार का संपादित संग्रह है।

इस साल की शुरुआत में पीआरएचआई ने बयान जारी कर कहा था कि उसने पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की संस्मरण किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' को 卐प्रिंट नहीं किया卐 है। हालांकि, राहुल गांधी ने संसद में इस किताब की हार्ड कॉपी दिखाई थी। मीडिया में नरवणे की किताब के कुछ हिस्से भी प्रकाशित हुए थे। इनमें गलवान में भारत-चीन झड़पों और अग्निपथ योजना पर नरवणे का विवरण शामिल था।

राहुल गांधी के दबाव में पीएम मोदी का मुफ्त कोचिंग ऐलान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा छात्रों के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग की घोषणा पर कांग्रेस ने तीखा हमला बोला है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने ऐलान को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा बढ़ाए गए दबाव का परिणाम बताया है। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि राहुल गांधी ने 17 जून 2026 को कोटा में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में शिक्षा के महत्वपूर्ण मुद्दे को उजागर किया था। उन्होंने बताया था कि कैसे शोषणकारी कोचिंग उद्योग ने सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली की जगह ले ली है, इसकारण भारतीय परिवार अब कोचिंग सेंटरों पर भारत सरकार के शिक्षा निवेश से ढाई गुना अधिक खर्च कर रहे हैं। राहुल गांधी के खुलासों और बढ़ते जन-दबाव के बाद ही प्रधानमंत्री मोदी को 15 अगस्त को छात्रों के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग की घोषणा करने पर मजबूर होना पड़ा। हालांकि, कांग्रेस नेता रमेश ने सरकार की मंशा और पिछले रिकॉर्ड पर गंभीर सवाल उठा दिए। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की मौजूदा मुफ्त कोचिंग योजना बीते तीन सालों से अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में असफल साबित हुई है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय को तीन साल में 10,500 उम्मीदवारों को मुफ्त कोचिंग देनी थी, लेकिन केवल 2,790 छात्रों को ही शामिल किया, जो कि लक्ष्य का मात्र 26 प्रतिशत है। रमेश ने संसदीय स्थायी समिति की 10 अगस्त 2026 को पेश ताजा रिपोर्ट का हवाला देकर कहा योजना का बजट हर साल कम होता गया और बीते साल का खर्च आवंटित बजट के आधे से भी कम था। इन आंकड़ों से पता चलता है कि सरकार की मौजूदा योजनाओं को लागू करने में भारी नाकामी रही है, इसके बाद नई घोषणा की सफलता पर संदेह गहराता है।

अभिषेक बनर्जी का सख्त रुख- टीएमसी छोड़ चुके गद्दारों की वापसी नहीं

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने पार्टी से बगावत कर चुके नेताओं के लिए कड़ा संदेश दे दिया है। कोलकाता में छात्र परिषद की स्थापना दिवस रैली को संबोधित कर अभिषेक ने स्पष्ट किया कि जो भी गद्दार दल बदलकर चले गए हैं, उन्हें तृणमूल कांग्रेस में वापस नहीं आने दिया जाएगा। यह बयान तब आया है जब वे लंबे समय बाद अपने पुराने आक्रामक अंदाज में लौटे हैं। हाल ही में कोलकाता में बिलबोर्ड विवाद को लेकर 3 एफआईआर दर्ज हुई हैं और खुद उनके घर से जुड़े अवैध बिलबोर्ड को हटाने को लेकर 13 टीएमसी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही, पार्टी से बगावत करने वाले सांसद सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की नोटिस का सामना कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के बाद ऋाब्रत बनर्जी की अगुवाई में करीब 60 विधायकों ने अलग गुट बनाया था। वहीं, 20 टीएमसी सांसदों ने भी एनसीपीआई में विलय के लिए लोकसभा अध्यक्ष को आवेदन दिया था, जिसमें सायोनी घोष, युसूफ पठान और शताब्दी रॉय जैसे नाम शामिल हैं। अभिषेक बनर्जी ने इन सांसदों की अयोग्यता के लिए याचिकाएँ दायर की थीं, और सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद ही स्पीकर ने इन्हें नोटिस जारी किए हैं। बागी सांसदों का नेतृत्व सुदीप बंधोपाध्याय कर रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम के बीच, अभिषेक का यह सख्त संदेश पार्टी में अनुशासन स्थापित करने और भविष्य में बगावत की किसी भी कोशिश को रोकने की मंशा को दर्शाता है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मुकुल रॉय की बहू सहित 32 लोगों का दल लापता

कैलाश मानसरोवर यात्रा पर थे

नई दिल्ली। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास अचानक आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी है, जिसमें सैकड़ों लोगों के लापता होने की सूचना है। इस प्राकृतिक आपदा में पश्चिम बंगाल के पूर्व विधायक सुभ्रांशु रॉय की पत्नी शर्मिष्ठा भौमिक रॉय भी लापता हैं। शर्मिष्ठा, जो पूर्व केंद्रीय मंत्री मुकुल रॉय की बहू हैं, 25 अगस्त की रात से परिवार के संपर्क में नहीं हैं, जिससे परिजनों की चिंता बढ़ रही है। शर्मिष्ठा रॉय 21 अगस्त को ट्रैवल एजेंसी के जरिए कैलाश मानसरोवर यात्रा पर अकेली नेपाल गई थीं। बताया जा रहा है कि यात्रा के दौरान ही वे अचानक आई बाढ़ की चपेट में आ गईं। इस बीच, कोलकाता से कैलाश मानसरोवर यात्रा पर निकला 32 लोगों का एक और दल भी फिलहाल संपर्क से बाहर है। समूह में 30 पर्यटक और दो टूर मैनेजर शामिल थे। यह दल 21 अगस्त को कोलकाता से रवाना होकर अगले दिन नेपाल पहुंचा था। बुधवार सुबह करीब 8ः30 बजे समूह के सदस्य नेपाल-तिब्बत सीमा के पास इमिग्रेशन कार्यालय में मौजूद थे, इसके कुछ देर बाद ही अचानक बाढ़ आने की खबर सामने आई और तब से उनका कोई सुराग नहीं मिला है।

कुछ ना कहना

जियो के आईपीओ को सेबी की मंजूरी 27 करोड़ नए शेयर जारी करेगी कंपनी, बाजार में आएगा सबसे बड़ा आईपीओ

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की डिजिटल और टेलीकॉम ब्रांच, जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के आईपीओको मार्केट रेगुलेटर सेबी से मंजूरी मिल गई है। सेबी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के ऑफिशियल पोर्टल पर भी जियो के ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रोस्पेक्टस का स्टेटस अप्रूव्ड दिखाने लगा है। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि आईपीओमार्केट में कब आएगा। लेकिन, जानकारों का अनुमान है कि दीपावली के आसपास इसे लॉन्च किया जा सकता है। इसी साल 19 जून को रिलायंस इंडस्ट्रीज की 49वीं सालाना बैठक में कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने ऐलान किया था कि कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स का आईपीओभी लाने जा रही है। उन्होंने बताया था कि कंपनी 27 करोड़ नए शेयर जारी करेगी और आईपीओके जरिए करीब 4 बिलियन डॉलर यानी 37,700 करोड़ जुटाने की योजना है। यह भारत का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओबन सकता है। हालांकि शेयरों की कीमत क्या रहेगी, इसकी जानकारी नहीं दी गई थी। इस आईपीओ का ऐलान पिछले साल की एजीएम में भी किया गया था, लेकिन अमेरिका-ईरान जंग की वजह से इसे टाल दिया गया।

अखिलेश का बीजेपी पर तीखा वार-सरकार सवालों से डरती है, गरीब की शिक्षा नहीं चाहती

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर तीखा हमला कर आरोप लगाया कि पार्टी सवालों से डरती है और नहीं चाहती कि गरीब लोग शिक्षित और सशक्त बनें। शिक्षा के मुद्दे पर सपा प्रमुख यादव ने कहा कि बीजेपी नहीं चाहती कि गरीब लोग शिक्षित हों, क्योंकि शिक्षा नागरिकों को सत्ता में बैठे लोगों से सवाल पूछने के काबिल बनाती है। पूर्व सीएम यादव के अनुसार, सामंती और बहुसंख्यकवादी सोच वाले लोग गरीबों को शिक्षित नहीं देखना चाहते, क्योंकि शिक्षित होने पर वे सवाल पूछना शुरु कर सकते है। उन्होंने कहा कि जो सवालों से डरते हैं, वे लोकतंत्र और बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के संविधान को कमजोर करते हैं। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा इतिहास से छेड़छाड़ कर रही है, पाठ्यपुस्तकें बदल रही है और पुराने महापुरुषों के अध्याय हटाकर आरएसएस की पसंद के लोगों को शामिल कर रही है, ताकि देश का इतिहास बदला जा सके।

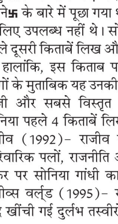

सपा प्रमुख ने भाजपा को देश के लिए सबसे बड़ा संकट बताकर कहा कि भाजपा के हटते ही सारे संकट समाप्त हो जाएंगे। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भाजपा सरकार के फैसलों से आम लोगों को कोई वास्तविक लाभ मिला है। उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधकर पूर्व सीएम यादव ने इटावा में लायन सफारी को बर्बाद करने, विधायकों और मंत्रियों द्वारा ज़मीन पर कब्ज़ा करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार ने स्टेडियम, स्कूल, कॉलेज और मिड-डे मील जैसी जन-सुविधाओं और शिक्षण संस्थानों को ठीक से बनाए रखने में विफल रही है और सफाई में बने एक्क्रेटिक सेंटर को भी बर्बाद कर दिया है।

कांग्रेस का भजनलाल सरकार पर हमला, विकास ठप, भ्रष्टाचार और दोगुनी वसूली

जयपुर। निकाय चुनाव की तैयारियों के बीच जयपुर शहर कांग्रेस ने बीजेपी और भजनलाल सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जयपुर शहर अध्यक्ष सुनील शर्मा, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और कांग्रेस विधायक रफीक खान व अमीन कागजी ने भजनलाल सरकार पर विकास कार्य ठप करने, भ्रष्टाचार बढ़ने और जनता से अलग-अलग मदों में दोगुनी वसूली करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेताओं ने जयपुर की बिगड़ती व्यवस्थाओं पर चिंता जताकर कहा कि कचरा संग्रहण शुल्क बिजली-पानी के बिलों में पहले से वसूला जा रहा है, फिर भी शहर में जगह-जगह गंदगी व्याप्त है।

उन्होंने दावा किया कि जनता में बीजेपी सरकार के खिलाफ गहरा रोष है, इसका असर निकाय चुनाव में साफ देखने को मिलेगा। वहीं, कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि प्रत्याशियों के चयन में जीत की संभावना और कार्यकर्ताओं की जमीनी मेहनत को सर्वोपरि रखा जाएगा। कांग्रेस नेता शर्मा ने कहा कि पार्टी निकाय चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करने वाले और संगठन के लिए सक्रियता से काम करने वाले कार्यकर्ताओं को भविष्य में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देगी। उन्होंने रोहित बोहरा से आग्रह किया कि शहर कांग्रेस कार्यकारिणी को परफॉर्मेंस आधारित बनाया जाए, ताकि मेहनती कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने का मौका मिल सके। कांग्रेस इन चुनावों में हर वार्ड, मंडल और विधानसभा क्षेत्र में मजबूती से लड़ने को तैयार है।

आदिवासी युवाओं ने नहीं मनाया रक्षाबंधन, बच्चों की मौत पर जताया शोक

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। जिले के बिरसा क्षेत्र के आदिवासी अंचलों में विभिन्न बीमारियों से बच्चों की लगातार हो रही मौतों के विरोध में आंदोलनरत आदिवासी युवाओं ने इस वर्ष रक्षाबंधन का पर्व नहीं मनाया। युवाओं का कहना है कि समाज के करीब 25 बच्चों की मौत के बाद पूरे आदिवासी समाज में शोक का माहौल है, ऐसे में वे पर्व नहीं मना सकते।ज्ञात हो कि आदिवासी बच्चों की मौत के जिम्मेदारों पर कार्रवाई, मृतक बच्चों के परिजनों को मुआवजा सहित अन्य मांगों को लेकर आदिवासी युवा 21 अगस्त से जयस्तंभ चौक के समीप धरने पर बैठे हुए हैं।

अब तक 25 बच्चो की मौत की कही जा रही बात

जिले के बिरसा क्षेत्र की आदिवासी पंचायतों के गांवों और मंझरेटोलों में खसरा, मलेरिया, स्किन संबंधी बीमारी सहित अन्य बीमारियों के कारण करीब 25 बच्चों की मौत हो चुकी है। दो मंत्रियों के प्रभावित क्षेत्र के दौरे के बावजूद मृतक बच्चों के परिवारों के लिए सहायता राशि की कोई घोषणा नहीं होने और कथित रूप से लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं होने से आदिवासी समाज एवं विपक्षी दलों में नाराजगी बनी हुई है।

ठोस कार्यवाही की मांग पर अड़े युवा

स्वास्थ्य मंत्री द्वारा जिला मलेरिया अधिकारी मनीषा जुनेजा का स्थानांतरण किए जाने तथा सीएमओ डॉ. परेश उपलप से टीकाकरण का प्रभार वापस लेने की कार्रवाई की गई है। हालांकि आदिवासी समाज और विपक्षी दल इसे पर्याप्त कार्रवाई नहीं मान रहे हैं। आंदोलनकारी युवाओं की मांग है कि पूरे मामले में जिम्मेदारी तय कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य, मलेरिया, महिला एवं बाल विकास तथा

पीएचई विभाग की व्यवस्थाओं को मजबूत किया जाए।

हमने रक्षाबंधन नहीं मनाने का लिया है निर्णय -ललित

आंदोलनकारी ललित उईके ने बताया कि समाज के इतने बच्चों की मौत के बाद उनके घरों में मातम पसरा हुआ है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन जैसे भाई-बहन के प्रेम के पर्व को मनाना इस परिस्थिति में संभव नहीं है। ललित उईके के अनुसार, बीमारी से प्रभावित गांवों के दो परिवारों में भाई और बहन की एक-एक दिन के अंतराल में मौत हो गई। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के दिन उन परिवारों पर क्या बीत रही होगी, जिनके घरों के भाई-बहन अब इस दुनिया में नहीं हैं। इन्हीं मृतक बच्चों और उनके परिवारों के प्रति शोक एवं संवेदना व्यक्त करने के लिए आंदोलनकारी युवाओं ने भी रक्षाबंधन नहीं मनाने का निर्णय लिया।

रक्षाबंधन पर अमित शाह ने टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बेटियों संग मनाया पर्व, आजीवन मुफ्त इंसुलिन की पहल

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज अहमदाबाद में अपने संसदीय क्षेत्र की टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बेटियों के साथ रक्षाबंधन का पावन पर्व मनाया। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने 'X' पर अपनी एक पोस्ट में कहा, आज अहमदाबाद में अपने संसदीय क्षेत्र की टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बेटियों के साथ रक्षाबंधन का पावन पर्व मनाया। टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चों को जीवनभर इंसुलिन के इंजेक्शन की आवश्यकता होती है, जो उनके परिवारों पर बड़ा आर्थिक बोझ डालता है। मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार द्वारा ऐसे सभी बच्चों को आजीवन नि:शुल्क इंसुलिन उपलब्ध कराई जा रही है। यह दूरदर्शी पहल, जिसे कई विकसित देश भी अभी लागू करने के लिए प्रयासरत हैं, मोदी सरकार की 'सेवा, संवेदना और सुरक्षा' के सिद्धांतों के प्रति कटिबद्धता का प्रमाण है। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सभी बच्चियों को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। श्री शाह के

संवेदनशील नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में गांधीनगर संसदीय क्षेत्र में 0 से 18 वर्ष की आयु के टाइप-1 जुवेनाइल डायबिटीज से पीड़ित बच्चों को मोदी सरकार की दूरदर्शी पहल का लाभ सुनिश्चित किया गया है। इसी दिशा में इन बच्चियों सहित गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चों को जीवनभर आवश्यक इंसुलिन उपलब्ध करवाने के लिए स्क्रीनिंग निदान इंसुलिन/उपचार मॉनिटरिंग फॉलोअप की एकीकृत व्यवस्था स्थापित की गई है। इस अवसर पर अमित शाह ने कहा, मोदी सरकार के लिए जनसेवा केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि संवेदनशील शासन का मूलमंत्र है। बेटी का स्वास्थ्य सुरक्षित होगा, तभी परिवार और समाज का भविष्य सुरक्षित होगा। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बेटियों को नि:शुल्क इंसुलिन उपलब्ध कराने की यह पहल 'बेटी की रक्षा और बेटी के स्वास्थ्य' के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है।

जनपद पंचायत सदस्य माधव राव चौहान जी का निधन

पद्मेश न्यूज। हट्टा। हट्टा क्षेत्र के ग्राम तिवडी निवासी माधव राव चौहान वर्तमान जनपद पंचायत सदस्य बालाघाट व पूर्व सरपंच तिवडी का कुछ दिन पूर्व से अस्वस्थ होने के कारण दिनाक 27/8/2026 को निधन हो गया जिनका अंतिम संस्कार दिनाक 28/08/2026 को गृह ग्राम तिवड़ी मे किया गया । इनके अंतिम संस्कार परसवाड़ा विधायक श्री मधु भगत , जनपद पंचायत अध्यक्ष फुलचंद सहारे समस्त जिला पंचायत सदस्य व समस्त जनपद पंचायत सदस्य और ग्राम के

गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे स्वर्गीय चौहान जी मृदु भाषी और सरल स्वभाव के व्यक्ति थे । इनके निधन से गृह ग्राम तिवडी सहित हट्टा क्षेत्र मे शोक की लहर व्याप्त है ।

काठमांडू में थरूर और नेपाल के थरूर के बीच अनोखा शास्त्रार्थ

काठमांडू। कांग्रेस के दिग्गज नेता शशि थरूर अपनी बेजोड़ अंग्रेजी के लिए जाने जाते हैं, जिसके चलते अक्सर अच्छे-अच्छों को उनके सामने डिक्शनरी खोलनी पड़ जाती है। लेकिन हाल ही में नेपाल की राजधानी काठमांडू में उनका सामना अपने की तरह के एक धुरंधर से हुआ, जिन्हें नेपाल का शशि थरूर कहा जाता है। ये कोई और नहीं बल्कि नेपाल के जाने-माने अर्थशास्त्री और वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वाग्ले हैं। एक कार्यक्रम के दौरान इन दोनों दिग्गजों के बीच शब्दों का एक ऐसा दिलचस्प शास्त्रार्थ हुआ, जिसने इंटरनेट पर खूब सुर्खियां बटोरीं और सुनने वालों को अपनी डिक्शनरी खोलने पर मजबूर किया। काठमांडू में मंच पर जब भारतीय नेता थरूर और नेपाल के थरूर आमने-सामने आए, तब माहौल रोमांचक हो गया। डॉ. वाग्ले ने बताया कि वह शशि थरूर को वर्षों से जानते हैं और उनकी प्रशंसा करते हैं। बातचीत के दौरान वाग्ले ने ग्रैंड लार्सनी (बहुत बड़ी चोरी) शब्द का इस्तेमाल किया, जिस पर थरूर ने चुटकी लेकर कहा कि यह शब्द विपक्ष के नेता से ज़्यादा वित्त मंत्री को शोभा देता है। इसके जवाब में शशि थरूर ने अपने तरकश से एक और भारी-भरकम शब्द निकाला डिफेनेस्ट्रेट (किसी को खिड़की से बाहर फेंकना)। थरूर ने मजाकिया अंदाज़ में वाग्ले से कहा, आपने पूर्व प्रधानमंत्री को डिफेनेस्ट्रेट किया, जिस पर दर्शक और वाग्ले दोनों हंस पड़े। इसके बाद दोनों ने जर्मन शब्द शैडेनफ्रॉयड पर अपनी विद्वत्ता दिखाई, जिसका अर्थ है किसी दूसरे की बुरी स्थिति पर मिलने वाली खुशी। वाग्ले ने कहा कि शायद अंग्रेजी में इसका कोई सटीक पर्याय नहीं है, लेकिन थरूर ने तुरंत सुधारते हुए बताया कि शैडेनफ्रॉयड के लिए अंग्रेजी में एक शब्द है- एपिकैरिकेसी। उन्होंने यह भी समझाया कि अंग्रेज खुद इस शब्द का इस्तेमाल कम करते हैं और अक्सर जर्मन या फ्रेंच शब्दों को तरजीह देते हैं, क्योंकि वे कभी-कभी अंग्रेजी शब्दों की तुलना में ज्यादा आसानी से याद आ जाते हैं।

200 साल पुराना श्री गुरुसिंह गुरुद्वारे को गिराकर बनाया जा रहा शॉपिंग मॉल

सिख समाज ने किया विरोध, पाकिस्तान में बचे सिख धार्मिक स्थलों की सुरक्षा की मांग

जालंधर। पाकिस्तान के क्वेटा में करीब 200 साल पुराने ऐतिहासिक 'श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा' को गिरा दिया गया। अब इस जगह पर एक मॉल बनाया जा रहा है। बलूचिस्तान गुरुद्वारा सिंह सभा के सदस्य सरदार जसबीर सिंह के मुताबिक पूरा सिख समाज इसका विरोध कर रहा है, लेकिन अभी तक सरकार कोई एक्शन नहीं लिया है। उन्होंने बताया कि बलूचिस्तान में कभी 12 गुरुद्वारे थे, जिनमें से अब सिर्फ 2 बचे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक क्वेटा के आर्चर रोड स्थित श्री गुरुसिंह सभा गुरुद्वारा परिसर में बाद में सेंट गैब्रिएल स्कूल संचालित हो रहा था। सिख समुदाय के नेता सरदार जसबीर सिंह के मुताबिक, अब उसी गुरुद्वारे को ढहाकर यहां शॉपिंग मॉल बनाया जा रहा है। मामला बलूचिस्तान हाई कोर्ट तक पहुंचा, लेकिन कोर्ट ने निर्माण रोकने से इनकार कर दिया है। रिपोर्ट में सिख समुदाय के मुताबिक यह जमीन श्री गुरुसिंह सभा से जुड़ी संपत्ति थी। आरोप है कि इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड ने इसे एक निजी बिल्डर को बेच दी। अब सवाल उठ रहा है कि इस धार्मिक संपत्ति को बेचने का अधिकार किस आधार पर मिला और जमीन की बिक्री की प्रक्रिया क्या थी? इस पर पाकिस्तान सरकार या ईबीपीबी की ओर से जवाब सामने आना बाकी है। भाजपा नेशनल स्पोक्सपर्सन आरपी सिंह ने गुरुद्वारा साहिब की जमीन पर हो रहे मॉल के निर्माण को तत्काल रोकने की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक गुरुद्वारा परिसर का पुनर्निर्माण और संरक्षण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। साथ ही बलूचिस्तान ही नहीं, पूरे पाकिस्तान में बचे सिख धार्मिक स्थलों और उनकी संपत्तियों की सुरक्षा की मांग की। आरपी सिंह ने गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा साहिब को गिराए जाने की निंदा करते हुए इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थल को हटाकर वहां व्यावसायिक निर्माण किया जाना गंभीर मामला है। उन्होंने गुरुद्वारा विध्वंस की पूरी और स्वतंत्र जांच कराने की भी मांग की। सिंह ने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज से मामले का तत्काल संज्ञान लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में सिख धार्मिक विरासत से जुड़े मामलों पर स्पष्ट और कड़ा रुख सामने आना चाहिए। उन्होंने कहा कि मामला सिर्फ एक इमारत या जमीन तक सीमित नहीं है। गुरुद्वारे सिख इतिहास, धार्मिक परंपरा और गुरु साहिबान से जुड़ी स्मृतियों के केंद्र हैं। उन्होंने निशान साहिब और सिख धार्मिक विरासत से जुड़े स्थलों को संरक्षित करने की मांग करते हुए पाकिस्तान सरकार से इस मामले में जवाबदेही तय करने की अपील की।

आईएसआई से संबंध- दिल्ली निवासी दंपत्ति सिम कार्ड भेजने के आरोप में गिरफ्तार

दोनों से पूरे नेटवर्क के बारे में पता लगा रही पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में दिल्ली के एक दंपत्ति, साहिल (25) और उसकी पत्नी समीरा (21) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, यह पति-पत्नी 2024 से पाकिस्तान में बैठे कथित खुफिया ऑपरेटिव्स के संपर्क में थे और भारत से जुड़ी संवेदनशील जानकारी जुटाने में आईएसआई की मदद कर रहे थे। दिल्ली पुलिस का आरोप है कि साहिल और समीरा ने 2024 से 2025 के बीच आठ भारतीय सिम कार्ड हासिल किए, जिन्हें दुबई के रास्ते पाकिस्तान भेज दिया गया। इन सिम कार्ड के बदले कथित तौर पर दंपत्ति को करीब 30 हजार रुपये दिए गए। जांच एजेंसियों का कहना है कि पाकिस्तान पहुंचने के बाद इन नंबरों से व्हाट्सएप अकाउंट सक्रिय किए गए, जिनका उपयोग कथित पाकिस्तानी ऑपरेटिव्स ने भारत में लोगों से संपर्क करने और संवेदनशील जानकारी हासिल करने के लिए किया। इतना ही नहीं, कुछ व्हाट्सएप अकाउंट्स के जरिए भारतीय व्हाट्सएप ग्रुप में शामिल होने की कोशिश हुई। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के अनुसार, साहिल पर भारत के अलग-अलग हिस्सों में कैंटोनमेंट और सैन्य इलाकों की रेकी करने का काम भी सौंपा गया था। उस पर सेना के इसतरह के जवानों से जुड़ी जानकारी हासिल करने की कोशिश का आरोप है, जिनके खिलाफ कोर्ट मार्शल की कार्यवाही हो रही थी। ये सुराग दर्शाते हैं कि कथित नेटवर्क का मकसद सिर्फ सामान्य सूचनाएं नहीं, बल्कि भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों और सैन्य गतिविधियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारियों पाना था। पुलिस के अनुसार, पूरे मामले की शुरुआत 2024 में सोशल मीडिया से हुई, जब आरोपी पति साहिल कथित तौर पर इंस्टाग्राम के जरिए एक पाकिस्तानी एजेंट के संपर्क में आया। आरोप है कि उसकी पत्नी समीरा ने संपर्क को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाई। बाद में दंपत्ति को एक पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव से मिलवाया गया, जिसने उन्हें पैसे का लालच देकर नेटवर्क के लिए काम करने को तैयार किया। उनकी जिम्मेदारियों में दिल्ली में लॉजिस्टिक मदद उपलब्ध कराने के साथ-साथ नए लोगों को जासूसी और फील्ड ऑपरेशन से जोड़ना शामिल था। स्पेशल सेल ने साहिल को दिल्ली के सराय काले खां इलाके से गिरफ्तार किया। उसके मोबाइल फोन की फोरेंसिक जांच के दौरान पुलिस को पाकिस्तानी एजेंट्स के साथ हुई बातचीत जानकारी मिली। इन्हीं चैट्स के आधार पर समीरा की भूमिका सामने आ गई और पुलिस ने पत्नी समीरा को गिरफ्तार किया। दोनों के पास से बरामद मोबाइल फोन में पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव्स के साथ बातचीत और भारत में नेटवर्क से जुड़े लोगों व उनकी गतिविधियों से संबंधित जानकारी मौजूद थी। जांच में सामने आया है कि पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स भारत में मौजूद कुछ लोगों से सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म के जरिए संपर्क कर रहे थे, जिसमें कथित तौर पर कुछ ओवरग्राउंड वर्कर्स और स्लीपर सेल्स से जुड़े लोग भी शामिल थे। पुलिस अब नेटवर्क के भारत में फैले दायरे और गिरफ्तार दंपत्ति के अलावा इसमें शामिल अन्य लोगों का पता लगाने में जुटी है। दोनों से पूछताछ और उनके मोबाइल उपकरणों से मिले डेटा ने पाकिस्तान स्थित कथित खुफिया नेटवर्क और भारत में उसके संपर्कों के बारे में महत्वपूर्ण सुराग दिए हैं।

भारतीय नौसेना को मिली नई शक्ति- स्वदेशी डीएसवी निपुण हुआ शामिल

नई दिल्ली। समुद्री क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के तौर पर, भारतीय नौसेना 31 अगस्त को अपने दूसरे स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट वेसल (डीएसवी) निपुण को कमीशन करने वाली है। यह पोत देश में ही डिज़ाइन और निर्मित हुआ है, जो आत्मनिर्भर भारत पहल के प्रति भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को दिखाता है। हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) द्वारा निर्मित, निपुण का निर्माण सफ़र शुरुआती ब्लूप्रिंट से लेकर अंतिम कमीशनिंग तक, घरेलू रक्षा जहाज निर्माण में भारत की बढ़ती क्षमताओं का प्रमाण है। भारतीय नौसेना के आधिकारिक पोस्ट पर जहाज़ के निर्माण की झलक साझा की गई थी, जिसमें देश की रक्षा आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताया गया। निपुण के नौसेना में शामिल होने से हिंद महासागर क्षेत्र में नौसेना की परिचालन क्षमताएं काफी बढ़ने की उम्मीद है। इस विशेष रूप से डाइविंग और पानी के नीचे किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के अभियानों में सहायता प्रदान करने के लिए तैयार किया है। यह जहाज़ अत्याधुनिक डाइविंग सिस्टम और पानी के भीतर काम करने की उन्नत क्षमताओं से लैस है, जो मुश्किल समुद्री परिस्थितियों में गोताखोरों को लगातार सहायता देगा। इसकी महत्वपूर्ण क्षमताओं में पनडुब्बी बचाव अभियानों में मदद करना भी शामिल है, जिससे भारतीय नौसेना की बचाव क्षमताओं को एक बड़ा बढ़ावा मिलेगा। यह डाइविंग सपोर्ट वेसल उन्नत नेविगेशन, प्लेटफॉर्म प्रबंधन और सटीक स्टेशन कीपिंग (एक जगह पर स्थिर रहने) सिस्टम से सुसज्जित है। इसके अतिरिक्त, इसमें डाइविंग, पानी के नीचे के काम और मेडिकल सहायता के लिए विशेष सुविधाएं भी हैं।

चीन-नेपाल सीमा पर फंसे भारतीयों का रेस्क्यू, 21 लोगों की सुरक्षित दिल्ली वापसी

नई दिल्ली। नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बीच चीन-नेपाल सीमा और प्रभावित इलाकों में फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने का अभियान तेज कर दिया गया है। विदेश मंत्रालय के ताजा अपडेट के मुताबिक, रेस्क्यू किए गए 21 भारतीय नागरिक काठमांडू से सुरक्षित दिल्ली पहुंच गए हैं। ये सभी तमिलनाडु के रहने वाले हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर खुद दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे और भारत लौटे नागरिकों से मुलाकात कर राहत एवं बचाव अभियान का जायजा लिया। विदेश मंत्री जयशंकर ने एयरपोर्ट पर भारत लौटे 21 नागरिकों से मुलाकात की और उनकी स्थिति के बारे में जानकारी ली। सरकार का कहना है कि प्राथमिकता सभी फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करना है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, चीन की ओर फंसे 96 भारतीय नागरिक सुरक्षित रूप से नेपाल की सीमा में प्रवेश कर चुके हैं। वहीं करीब 400 भारतीय नागरिक अब भी चीन में फंसे हुए हैं और उनसे लगातार संपर्क बना हुआ है। सरकार उन्हें सुरक्षित वापस लाने के प्रयासों में जुटी है।

320 भारतीयों से अभी संपर्क नहीं

विदेश मंत्रालय ने बताया कि करीब 320 भारतीय नागरिकों से फिलहाल संपर्क नहीं हो पाया है। सरकार की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में फंसे भारतीयों की जानकारी जुटाने और उनसे संपर्क स्थापित करने की कोशिश कर रही हैं। खराब मौसम, बाढ़, भूस्खलन और कई स्थानों पर संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त होने के कारण रेस्क्यू अभियान में चुनौतियां आ रही हैं।

नेपाल को एनडीआरएफ भेजने की पेशकश

भारत ने राहत एवं बचाव कार्यों में नेपाल की मदद के लिए नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एनडीआरएफ) की टीम भेजने की पेशकश की है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस प्रस्ताव पर नेपाल के जवाब का इंतजार किया जा रहा है। भारत ने नेपाल में राहत सामग्री से भरे दो विमान पहले ही भेज दिए हैं, जबकि तीसरी खेप भी जल्द रवाना किए जाने की तैयारी है। नेपाल की जरूरत के मुताबिक टनल रेस्क्यू टीम और मेडिकल टीम भेजने की तैयारी भी पूरी कर ली गई है। इन टीमों को भेजने से पहले एक रेकी टीम प्रभावित क्षेत्र में जाकर वहां की परिस्थितियों और आवश्यक उपकरणों का आकलन करेगी।

कनेक्टिविटी बहाल करने के लिए बेली ब्रिज की पेशकश

बाढ़ और भूस्खलन से क्षतिग्रस्त संपर्क मार्गों को दोबारा बहाल करने के लिए भारत ने बेली ब्रिज और तकनीकी टीमों की सहायता भी देने की पेशकश की है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, एक बेली ब्रिज पहले से नेपाल में मौजूद है। भारत की ओर से राहत सामग्री, बचाव दल, चिकित्सा सहायता और तकनीकी विशेषज्ञता उपलब्ध कराने की तैयारी के बीच फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी के प्रयास लगातार जारी हैं। सरकार प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति पर नजर रखते हुए नेपाल और चीन के संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय कर रही है।

सरकारी शिक्षकों को आरएसएस रैली में शामिल होना पड़ा महंगा- कर्नाटक में दो निलंबित

बेंगलुरु। कर्नाटक के यादगीर जिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पथ संचलन (रैली) में भाग लेने के आरोप में शिक्षा विभाग ने दो सरकारी स्कूल के शिक्षकों को निलंबित किया है। इन शिक्षकों पर कर्नाटक सिविल सेवा (आचरण) नियम, 2021 का उल्लंघन करने का आरोप है। कर्नाटक शिक्षा विभाग के अनुसार, विभागीय जांच लंबित रहने तक यह कार्रवाई की गई है।

निलंबित किए शिक्षकों में हुनसगी स्थित सरकारी बालिका उच्च विद्यालय के सहायक शिक्षक गुरुराज जोशी और सुरपुर तालुका के कुप्पी स्थित सरकारी निम्न प्राथमिक विद्यालय के हेडमास्टर अन्ना साहेब देशमुख शामिल हैं। निलंबित शिक्षक जोशी पर 12 अक्टूबर 2025 को विजयपुरा जिले के तालिकोटी में आयोजित आरएसएस रैली में शामिल होने का आरोप है, जिसकी तस्वीर लोकल समाचार पत्र में प्रकाशित हुई थी। वहीं, अन्ना साहेब देशमुख ने 10 अक्टूबर 2025 को हुनासागी में हुए संघ पथ संचलन में भाग लिया था।

इन घटनाओं के बाद, अंबेडकर स्वाभिमानी सेना की जिलाध्यक्ष जुमाना गुडीमणि ने कड़ी आपत्ति जताकर शिकायत दर्ज कराई, जिसमें ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खर्गे से भी कार्रवाई की मांग की गई थी। शिक्षा विभाग ने दोनों शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। अपने लिखित जवाब में शिक्षकों ने तर्क दिया कि ये कार्यक्रम स्कूल के कामकाजी घंटों के दौरान नहीं, बल्कि रविवार को हुए थे और इनकी प्रकृति राजनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक थी।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया श्रावण पूर्णिमा उत्सव

विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के हुए आयोजन, जिला स्तरीय त्रिरत्न बौद्ध विहार पहुंचे बड़ी संख्या में बौद्ध अनुयायी

पदमेश न्यूज।बालाघाट। श्रावण मास की पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार को जिला मुख्यालय सहित जिले की विभिन्न तहसीलों एवं ग्रामीण अंचलों में बौद्ध अनुयायियों द्वारा श्रावण पूर्णिमा उत्सव हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किए गए। इसी कड़ी में नगर के समीप कोसमी बौद्ध नगर स्थित जिला स्तरीय त्रिरत्न बौद्ध विहार में भी विशेष रूप से श्रावण पूर्णिमा उत्सव आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में उपासक, उपासिकाएं, बौद्ध धर्म अनुयायी एवं सजातीय बंधु शामिल हुए। बहुजन संघ, धम्मराज एवं धम्म वर्ग के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विहार परिसर में धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।श्रावण पूर्णिमा उत्सव के अवसर पर परित्राण पाठ, बुद्ध वंदना, ध्यान साधना, धम्म परिक्रमा, धर्म प्रवचन एवं सामूहिक भोजनदान सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सुबह से ही बौद्ध अनुयायियों के विहार पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था।

धम्म के मार्ग पर चलने का दिया संदेश

कार्यक्रम के दौरान पूज्य भदंत धम्म शिखर ने उपस्थित बौद्ध अनुयायियों को धम्मोपदेश देते हुए मनुष्य जीवन में शांति, संयम, करुणा और सदाचार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपने जीवन से नकारात्मक विचारों और नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मक चिंतन एवं धम्म के मार्ग पर चलने का प्रयास करना चाहिए। मन की शांति के लिए ध्यान साधना अत्यंत उपयोगी है और व्यक्ति को अपने आचरण में मैत्री, करुणा तथा मानवता के भाव को अपनाना चाहिए।प्रवचन के दौरान बौद्ध धर्म के मूल सिद्धांतों और मानव कल्याण के संदेश पर भी विस्तार से चर्चा की गई।उपासक उपासिकाओ ने भदंत के प्रवचन को ध्यानपूर्वक सुना और धम्म के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

पूजा-वंदना से लेकर धम्म परिक्रमा तक हुए कार्यक्रम

श्रावण पूर्णिमा उत्सव के तहत त्रिरत्न बौद्ध विहार में परित्राण पाठ एवं पूजा-वंदना के साथ कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने ध्यान साधना की। धम्म परिक्रमा में शामिल होकर अनुयायियों ने भगवान बुद्ध के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। धर्म प्रवचन के माध्यम से उपस्थित लोगों को बुद्ध के उपदेशों और उनके व्यावहारिक महत्व से अवगत कराया गया। आयोजन के दौरान सामूहिक भोजनदान का भी कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में शामिल सभी उपासक-उपासिकाओं एवं बौद्ध धर्म अनुयायियों ने एक साथ भोजन ग्रहण किया।पूरे दिन विहार परिसर में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।

बौद्ध धर्म मानव कल्याण का मार्ग

आयोजकों ने बताया कि जिला स्तरीय त्रिरत्न बौद्ध विहार में प्रत्येक पूर्णिमा के अवसर पर धार्मिक एवं धम्म आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। श्रावण पूर्णिमा उत्सव भी इसी परंपरा के तहत मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान धम्म ज्ञान का प्रसार करते हुए बौद्ध अनुयायियों को भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से अवगत कराया गया।प्रवचन में बताया गया कि बौद्ध धर्म मानवता, करुणा, मैत्री, प्रज्ञा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित जीवन पद्धति है। भगवान बुद्ध ने अंधविश्वास और कट्टरता से दूर रहकर विवेक, अनुभव और सत्य के आधार पर जीवन जीने का संदेश दिया। उनके बताए मार्ग पर चलकर व्यक्ति अपने जीवन में शांति और समाज में समरसता स्थापित करने का प्रयास कर सकता है।

राखी खरीदने निकला 7 वर्षीय मासूम हादसे का शिकार

रक्षाबंधन की खुशियों पर लगा ग्रहण

तेज रफ्तार स्कूटी की टक्कर से आयुष गंभीर घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रक्षाबंधन पर्व की खुशियों के बीच ग्राम आमगांव में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बहन के लिए राखी खरीदने निकला 7 वर्षीय मासूम तेज रफ्तार स्कूटी की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में उसके बाएं पैर के घुटने में गंभीर चोट आई है। घायल बालक आयुष पिता विजय मरकाम 7 वर्ष ग्राम सोनपुरी आमगांव थाना ग्रामीण नवेगांव निवासी है जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 ।अगस्त को दोपहर में आयुष रक्षाबंधन पर्व के लिए राखी खरीदने अपने मामा संजय मंडावी के साथ मोटरसाइकिल से आमगांव पहुंचा था। दोपहर करीब 3 बजे दोनों ने अपनी मोटरसाइकिल सड़क किनारे खड़ी की और राखी खरीदने के लिए जा रहे थे।इसी दौरान समनापुर की ओर से तेज रफ्तार में आ रही स्कूटी ने मासूम आयुष को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आयुष सड़क पर गिर पड़ा और उसके बाएं पैर के घुटने में गंभीर चोट आ गई। हादसे के बाद मौके पर भीड़ लग गई।परिजनों ने तत्काल निजी एंबुलेंस की मदद से घायल आयुष को जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार किया।लेकिन चोट की गंभीरता को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

राखी खरीदने की खुशी पलभर में बदली चिंता में

रक्षाबंधन पर्व को लेकर परिवार में खुशियों का माहौल था। आयुष भी राखी खरीदने के लिए अपने मामा के साथ निकला था लेकिन आमगांव में हुए सड़क हादसे ने परिवार की खुशियों को चिंता में बदल दिया। मासूम के घायल होने की खबर मिलते ही परिजन जिला अस्पताल पहुंच गए।जिला अस्पताल पुलिस ने घायल आयुष के परिजन का बयान दर्ज कर मामले को आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित ग्रामीण थाना पुलिस को भेज दिया है। हादसे में शामिल स्कूटी का नंबर एमपी 50 जेडके 8142 बताया गया है। ग्रामीण थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जेल में बंद भाई से मिलने बेताब नजर आई बहने

दीदार होते ही दोनो के छलक पड़े आंसू, रिहाई की दुवाओ के साथ बांधी राखी

पदमेश न्यूज। बालाघाट। भाई बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व ,जिला मुख्यालय सहित जिला जेल में भी मनाया गया।जेल में कैद भाइयों को बहनों ने राखी बांधी। जहां भाई को जेल बंद देखकर बहन की आंखें भर आई तो वहीं, बहन से राखी बंधवाकर भाई भी अपनी बेबसी पर रो पड़े।बहनों ने भाई से दोबारा अपराध नहीं करने का वचन लिया।तो भाई ने भी वचन निभाने की बात कही।वही बहने भगवान से प्रार्थना करती रही कि भाई जल्द जेल से रिहा हो और परिवार में रहे।

सुबह से ही जिला जेल के बाहर लगी थी कतार

उधर पर्व विशेष पर जेलों में भी रक्षाबंधन पर्व मनाने की सुविधा जेल प्रशासन की ओर से दी गई थी।जिसको देखते हुए सुबह से ही बहनों का जिला जेल पहुचना शुरू हो गया था। जहां अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जहां इस पर्व विशेष पर शुक्रवार को जिला जेल बालाघाट में भी काफी रौनके देखने को मिली।वही नगर स्थित जिला जेल से कई मार्मिक नजारे भी सामने आए।जहां इस पर्व विशेष पर जेल में बंद अपने भाई से मिलने के लिए बहने बेताब नजर आई, तो वही भाई के हाथों में राखी बांधने के लिए जिला जेल के बाहर बहनों की लंबी कतारे देखने को मिली।कड़ी सुरक्षा के बीच बहनों द्वारा लाई गई सामग्रियों की जांच पड़ताल के बाद उन्हें भाई से मिलने जेल के भीतर भेजा गया। जहां लंबे समय बाद अपने भाई का दीदार कर उनकी आंखे भर आई।वही लम्बे समय बाद बहन का दीदार होने पर भाई -बहन दोनों की आंखों से खुशी के आंसू झलकने लगे।जिला जेल के भीतर भाई बहन के इस दृश्य ने हर किसी को आकर्षित किया। उधर बहनों ने भाई को अपने सामने बैठकर उसका हाल-चाल जाना, विधि विधान के साथ सर पर रुमाल रख, माथे पर टीका लगाकर, उनकी जल्द रिहाई और दीघायु की कामनाओ के साथ भाई की सुनी कलाई में राखी बांधी।तो वही भाई ने भी राखी के पर्व विशेष पर दोबारा अपराध ना करने का बहन को वचन दिया।

भाई को जेल में पाकर रो पड़ी बहने

भाई बहन के पवित्र बंधन का त्योहार रक्षाबंधन लम्बे समय बाद भाई के दीदार के लिए बहने सुबह से ही लंबी कतार में खड़ी हुई नजर आई।उधर जेल के भीतर भाई को देखते ही बहनो की आंखें भर आई।बहन ने भाई को तिलक कर राखी बांधी और मुंह मीठा करवाया।रक्षाबंधन पर जेल में काफी भावनात्मक नजारा दिखाई दिया।जहा जेल में कैद भाई की कलाई पर राखी बंधने की खुशी से ज्यादा बहनों को दुख भाई को जेल की सलाखों के पीछे देखकर हुआ।

जेल विभाग से मिले निर्देशों के तहत कराई जा रही मुलाकात -सहलाम

जेल अधीक्षक रामलाल सहलाम ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन जेल विभाग ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि इस पर्व विशेष पर जेल में बंद भाई से यदि उनकी बहने व परिजन मिलने आते है।तो उनकी प्रत्यक्ष मुलाकात कराई जाए।जेल की सुरक्षा व्यवस्था के भी निर्देश दिए गए हैं।जिसके चलते खान-पान की वस्तुओं सहित अन्य सामग्रियों की विशेष चेकिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिला जेल में 248 पुरुष और 23 महिलाएं, ऐसे कुल 271 कैदी हैं।महिलाओ के साथ 4 बच्चे भी है।इसमे से सजा याफ्ता 49 पुरुष व 7 महिला कैदी है,कुल 56 सजा याफ्ता कैदी है। उनके भाई उनके बच्चे भी मिलने आए हैं जिसे भी उनकी मुलाकात कराई जा रही है।

रक्षा सूत्र से बंधा खाकी का रिश्ता

नशामुक्ति और नक्सलमुक्त बालाघाट की खुशी में बहनों ने पुलिस जवानों को बांधी राखी

रूपझर थाने में सर्वधर्म सेवा समिति का लगातार 20वां राष्ट्र रक्षा सूत्र बंधन कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट/उकवा। रक्षाबंधन सिर्फ भाई-बहन के प्रेम का त्योहार नहीं, बल्कि रक्षा के संकल्प और सामाजिक जिम्मेदारी का पर्व भी है। उकवा नगर में इसी भावना को एक अनूठे रूप में साकार करते हुए सामाजिक संस्था सर्वधर्म सेवा समिति उकवा द्वारा रूपझर थाने में लगातार 20वें वर्ष राष्ट्र रक्षा सूत्र बंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्राम गुदमा की महिलाओं और बच्चियों ने पुलिसकर्मियों को तिलक लगाकर राखी बांधी और श्रीफल भेंट कर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम में बालाघाट जिले के नक्सलमुक्त होने और ग्राम गुदमा के जिले का पहला पूर्ण नशामुक्त ग्राम बनने की उपलब्धि की भी चर्चा हुई। लगभग 35 वर्षों के लंबे संघर्ष और 38 वीर जवानों की शहादत के बाद बालाघाट जिले के नक्सलमुक्त होने में हॉक फोर्स, सीआरपीएफ, कोबरा बटालियन और मध्यप्रदेश पुलिस के जवानों के योगदान को याद किया गया। इस संघर्ष में शहीद हुए इंस्पेक्टर आशीष शर्मा सहित सभी वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

नशामुक्ति अभियान से बदली गुदमा की तस्वीर

पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरूरी सामाजिक जागरूकता अभियान के तहत रूपझर थाना क्षेत्र के ग्राम गुदमा में लगातार जनजागरूकता और समझाइश का असर देखने को मिला है। कभी नशे के लिए बदनाम रहे इस गांव ने स्वयं को जिले का पहला पूर्ण नशामुक्त ग्राम घोषित किया है। गांव में शराब का विक्रय और सेवन दोनों पूरी तरह प्रतिबंधित किए गए हैं। इस बदलाव के लिए ग्राम गुदमा की महिलाओं ने थाना प्रभारी रूपझर निरीक्षक कामेंश धूमकेती के प्रति आभार व्यक्त किया और उन्हें अपना भाई मानकर राखी बांधी। महिलाओं ने कहा कि पुलिस के निरंतर प्रयासों, समझाइश और जनजागरूकता अभियान के कारण गांव को नशामुक्त बनाने में सफलता मिली है।

पुलिस का त्योहार हमारी सुरक्षा

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि पुलिस का कार्य केवल अपराध रोकना ही नहीं, बल्कि समाज की सुरक्षा और भलाई के लिए निरंतर काम करना भी है। जब आम लोग अपने परिवार के साथ होली, दीपावली, ईद और रक्षाबंधन जैसे त्योहार मनाते हैं।तब पुलिस के जवान घने जंगलों।नक्सल प्रभावित क्षेत्रों और सुनसान सड़कों पर हमारी सुरक्षा के लिए ड्यूटी निभाते हैं।उन्होंने कहा कि इन जवानों का कोई अलग त्योहार नहीं होता।हमारी सुरक्षा ही उनका त्योहार है। बालाघाट को नक्सलमुक्त बनाने में जवानों के त्याग और बलिदान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वहीं गुदमा का नशामुक्त ग्राम बनना पुलिस के जनजागरूकता अभियान की सफलता का उदाहरण है। पुलिस अपराधियों के लिए सख्त है, वहीं आम जनता के लिए सुरक्षा और सहयोग का भरोसा है।

बहनों ने बांधी राखी-भाइयों ने दिया रक्षा का वचन

कार्यक्रम के दौरान बहनों ने पुलिस अधिकारियों और जवानों के माथे पर तिलक लगाया, कलाइयों पर रक्षा सूत्र एवं राखी बांधी तथा श्रीफल देकर सम्मान किया। पुलिसकर्मियों ने भी बहनों की सदैव रक्षा करने का वचन दिया। बहनों ने पुलिस भाइयों के स्वस्थ, सुखद और दीर्घायु जीवन की कामना की।कार्यक्रम में थाना प्रभारी निरीक्षक कामेंश धूमकेती, सीआरपीएफ निरीक्षक रूपेश कुमार, उप निरीक्षक रोशन कुमार, सहायक उप निरीक्षक जे.डी. पटले, सहायक उप निरीक्षक गौरी शंकर देशमुख, प्रधान आरक्षक तेजराम, संतोष मरकाम, देवेश तिवारी, पोतन लाल चौधरी, शोएब अली सहित पुलिस एवं सुरक्षा बल के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।इसके अलावा ललिता बिसेन, ममता ऐडे, सोहन मर्सकोले, राजेश टेकाम, फागन वरकड़े, कुलदीप कोकोटे, अभिषेक पंद्रे, आशीष बिसेन, आशीष धुर्वे, अर्जुन मेरावी, राहुल नागेश्वर, सौरभ कामड़े, संयम चौधरी, मूलचंद धुर्वे, जावेद मर्सकोले, त्रिवेणी मेरावी, उर्मिला कुमरे, करुणा मेरावी, संजना मरकाम, तन्वी मरकाम, मेंहतरीन मरावी, यशोदा पंद्रे, कल्पना ध्रुव, धनिष्ठा धुर्वे, रंजिता राउत सहित अन्य मौजूद रहे।सामाजिक संस्था सर्वधर्म सेवा समिति की ओर से संतोष सोनी, नितिन कुमार, संदीप गजभिये, आशीष नाग, सुमित नांदेश्वर, सलीम खान, अशोक राउत, संजना, मोनू बरवे सहित सदस्य उपस्थित रहे। ग्राम गुदमा से गंगा बाई, कविता बाई, प्रेमा, गीता, अनिता, चारु, साक्षी, पूजा, चेतना सहित बच्चियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सामाजिक कार्यकर्ता जेम्स बारीक ने सभी पुलिस अधिकारियों, जवानों, महिलाओं, बच्चियों एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

रक्षाबंधन पर बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधी स्नेह की डोर

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का पावन पर्व रक्षाबंधन क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु की मंगलकामना की। वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों की रक्षा का संकल्प लेते हुए उन्हें उपहार भेंट किए।सुबह से ही घरों में उत्साह का माहौल रहा। बहनों ने पूजा-अर्चना कर भाइयों का तिलक किया और आरती उतारने के बाद कलाई पर रंग-बिरंगी राखियां बांधीं तथा एक दूसरे को मिठाइयां खिलाए।भाई-बहन के बीच प्रेम और भावनाओं का यह पर्व पारिवारिक रिश्तों को और मजबूत करता नजर आया। उल्लेखनीय है कि रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के बीच अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह के रिश्ते को और मजबूत करने का प्रतीक है।

प्रशासनिक उपेक्षा, स्वीकृति के बाद भी शुरू नहीं हुआ देवरी-ददिया मार्ग का निर्माण, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

बाढ़ में कटी सड़क दे रही दुर्घटनाओं को आमंत्रण, दर्जनों गांवों को जोड़ने वाला मुख्य संपर्क मार्ग का खस्ताहाल

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

शासन-प्रशासन की प्रशासनिक ढिलाई और अनदेखी का खामियाजा क्षेत्र की जनता को भुगतना पड़ रहा है। दर्जनों गांवों को आपस में जोड़ने वाला देवरी से ददिया पहुंच मार्ग प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बावजूद अब तक निर्माण कार्य शुरू नही हो पाया है। जिसके कारण पिछले वर्ष सर्राटी नदी में आई भीषण बाढ़ के कारण सड़क का एक बड़ा हिस्सा मिट्टी के कटाव की वजह से बह गया गया है। जिसके बाद से यह मार्ग बेहद खतरनाक स्थिति में पहुंच चुका है, धीरे-धीरे सड़क के नीचे की मिट्टी धसकने लगी है और सड़क का आधा हिस्सा कटकर बह जाने से आवागमन में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही अगर तेज बारिश होने के साथ ही सर्राटी नदी में बाढ़ आती है एवं पानी का तेज बहाव से सड़क कटकर बह जायेगी। ऐसी स्थिति में इस मार्ग से आवागमन करने वाले ग्रामीणजन एवं राहगीरों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। वहीं सड़क किनारे निवासरत लोगों के मकानों के अंदर भी नदी का पानी पहुंच सकता है जिससे उन्हे आर्थिक परेशानियां झेलनी पड़ सकती है। हर समय इस मार्ग से आवागमन करने वालों के मन में डर बना रहता है कि किसी भी समय बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि सब कुछ जानकर भी अनजान बने हुए है। जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीरों में प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है।

स्वीकृति के बावजूद अटका काम, बढ़ रहा हादसों का खतरा

आपकों बता दे कि लालबर्रा जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत देवरी से ददिया पहुंच मार्ग के समीप से सर्राटी नदी गुजरी है और पिछले वर्ष तेज बारिश होने एवं बाढ़ आने से सड़क का कुछ हिस्सा कटकर बह चुका है और धीरे-धीरे उसके नीचे की मिट्टी धसक चुकी है। साथ ही सड़क का आधा हिस्सा कटकर बह जाने से आवागमन में सभी को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को हो रही है। वहीं क्षतिग्रस्त स्थान पर कोई संकेतक बोर्ड भी नही लगाया गया है। अगरात्रि के समय दुपहिया एवं चौपहिया वाहन चालक तेज गति से गुजरते है और उन्हे क्षतिग्रस्त स्थान दिखाई नही देता है तो वे सड़क से सीधे नदी के अंदर अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो सकते है जिससे बहुत बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। वहीं ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के द्वारा देवरी से ददिया मार्ग की स्वीकृति पूर्व में दिलवाई है, लेकिन प्रशासनिक उदासीनता के चलते अब तक निर्माण कार्य प्रारंभ नही हो पाया है। जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। जबकि यह मार्ग आसपास के दर्जनों गांवों से जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है और अन्य वैकल्पिक मार्ग काफी लंबे, समय अधिक लगने वाले है। जिसके कारण ग्रामीणजन एवं स्कूली बच्चें हर दिन अपनी जान जोखिम में डालकर इसी क्षतिग्रस्त रास्ते से गुजरने को मजबूर हैं।

निर्माण नही होने से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त

ग्रामीण एवं राहगीरों ने बताया कि देवरी से ददिया सड़क की बदहाली और खतरे को देखते हुए कई बार शासन-प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपकर स्थिति से अवगत करवाया गया था। जिसके बाद विधायक महोदया के द्वारा सड़क निर्माण की स्वीकृति भी दिलवाई गई है और लाखों रूपये स्वीकृत भी हुए है। बरसात के पूर्व अधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण भी किया है लेकिन निर्माण कार्य प्रारंभ तक नही हुआ है। जबकि बरसात के पहले ही सड़क बनकर तैयार हो जाना चाहिए था लेकिन प्रशासन की उदासीनता के चलते धरातल पर कुछ भी काम नही हुआ है। वर्तमान में सड़क की स्थिति और अधिक डरावनी हो चुकी है। आगे बताया कि मानसून के इस मौसम में यदि सर्राटी नदी में दोबारा जलस्तर बढ़ता है, तो बचा हुआ मार्ग भी नदी के तेज बहाव में पूरी तरह बह सकता है। ऐसे में गांवों का संपर्क पूरी तरह कट जायेगा और कोई भी बड़ा दर्दनाक हादसा घटित हो सकता है। जब काम की प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है, तो आखिर निर्माण कार्य शुरू करवाने में देरी क्यों की जा रही है? अगर समय रहते निर्माण पूरा कर दिया जाता, तो आज ग्रामीणों को इस खौफ के साये में न जीना पड़ता। यदि कोई जनहानि होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

सड़क का जल्द निर्माण करवाये प्रशासन - मुन्नालाल

दूरभाष पर चर्चा में देवरी सरपंच प्रतिनिधि मुन्नालाल पटले ने बताया कि देवरी से ददिया पहुंच मार्ग सर्राटी नदी के समीप से गुजरी है और इस मार्ग से दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन आवागमन करते है। लेकिन पिछले वर्ष तेज बारिश होने से सड़क का कुछ हिस्सा कटकर बह चुका है। जिसके बाद से इस मार्ग से आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, इस समस्या से क्षेत्रीय विधायक महोदया एवं प्रशासन को अवगत करवा दिया गया है। श्री पटले ने बताया कि विधायक महोदया के द्वारा सड़क निर्माण की स्वीकृति दिलवाई गई है लेकिन प्रशासन के द्वारा निर्माण कार्य प्रारंभ नही किया गया है। जिस कारण से वर्तमान में सड़क के नीचे की मिट्टी धीरे-धीरे धसकने लगी है। अगर कोई ओवरलोड वाहन गुजरता है या फिर नदी के तेज पानी के बहाव में वह कटकर पुरी तरह से बह जायेगा, जिससे आवागमन बाधित हो जायेगा। इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि स्वीकृति हो चुकी है तो जल्द सड़क का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना..

धार्मिक आस्था एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षाबंधन का महापर्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और अटूट स्नेह का प्रतीक महापर्व रक्षाबंधन शुक्रवार 28 अगस्त को समूचे क्षेत्र में पूर्ण धार्मिक आस्था, परंपरा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सावन माह के अंतिम दिन आयोजित इस पावन अवसर पर सुबह से ही राखी और मिठाई की दुकानों पर बहनों एवं भाइयों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे दिन भर बाजारों में काफी चहल-पहल बनी रही।

वहीं रक्षाबंधन पर्व के दिन शुभ मुहूर्त पर बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर कुमकुम-चंदन का तिलक लगाया, आरती उतारी और कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनके दीर्घायु जीवन व उज्जवल भविष्य की कामना की, तत्पश्चात भाइयों का मुंह मीठा करवाया गया। वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों को यथाशक्ति उपहार भेंट कर जीवन भर उनकी रक्षा करने का वचन दिया।

बच्चों में दिखा खासा उत्साह, मेहंदी से सजे हाथ

आपकों बता दे कि इस भाई-बहन के स्नेह का पर्व रक्षाबंधन के पावन पर्व को लेकर सबसे 'यादा उत्साह छोटे बच्चों में देखने को मिला। जिन्होंने अपनी पसंद की रंग-बिरंगी और कार्टून वाली राखियों से अपनी कलाइयों को सजाया। रक्षाबंधन की पूर्व रात्रि में महिलाओं और युवतियों ने अपने हाथों में आकर्षक मेहंदी रचाकर त्यौहार की तैयारियां पूरी की थी। बहनों ने भाइयों के साथ बाजार पहुंचकर श्रृंगार सामग्री, चूड़ी और अन्य आवश्यक वस्तुओं की जमकर खरीदारी की। वहीं रक्षाबंधन पर्व के त्यौहार के दौरान सुबह से लेकर शाम तक लालबर्रा मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में मौसम साफ रहा। हालांकि दोपहर बाद आसमान में बादलों की आवाजाही से मौसम बदला, लेकिन बारिश न होने से बहनों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में राहत मिली। साथ ही दिनभर मुख्य मार्ग और ग्रामीण सड़कों पर बाइक सवार भाई अपनी बहनों को ले जाते नजर आये, जिससे पूरा माहौल उत्सवमय और धार्मिक बना रहा।

बसों में उमड़ी भीड़, विश्राम गृह से थाने तक बार-बार लगा जाम

भाई-बहनों के अटूट प्रेम का महापर्व रक्षाबंधन पर्व को लेकर शुक्रवार को सुबह से ही बसों में भीड़ रहने के साथ ही राखियों की दुकान व बाजार गुलजार रहे। साथ ही सुबह से ही बस स्टैण्ड में महिलाओं की भीड़ एकत्रित होनी शुरू हो गई थी और बसों में भीड़ रहने के बाद भी वे भाईयों के घर जल्दी पहुंचने के चक्कर में बसों व ऑटों में बैठकर जाने के लिए तैयार हो गये। जिससे बसों और ऑटो रिक्शा में यात्रियों की भीड़ देखी गई। वहीं बस चालक व कंडेक्टर ने भी क्षमता से अधिक सवारी लिये। जिससे यात्रियों को भी कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा परन्तु वे भी किसी प्रकार का विरोध करते नजर नही आये क्योंकि उन्हे भी अपने गंतव्य की ओर जाना जरूरी था। पर्व के मद्देनजर सभी बसें ठसाठस यात्रियों से भरी नजर आई और उनके आने-जाने का समय भी परिवर्तित होने के कारण महिलाओं को कुछ परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। वहीं दूसरी ओर नगर मुख्यालय के विश्राम गृह से लेकर थाने तक बड़े वाहनों की आवाजाहीऔर लोगों की भारी भीड़ के कारण बार-बार जाम की स्थिति निर्मित होती रही, जिससे राहगीरों और भाई-बहनों को कुछ समय के लिए परेशानियों का सामना भी करना पड़ा।

महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य और अक्षय ऊर्जा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशो के परिपालन में नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में गत दिवस स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में मानसिक स्वास्थ्य एवं अक्षय ऊर्जा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. देवराज चौरे ने अक्षय ऊर्जा के प्रमुख स्त्रोत, उद्देश्य एवं महत्व की जानकारी प्रदान की। श्रीमती अनिभा शरणागत ने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों को लक्ष्य प्राप्ति के लिए कार्ययोजना बनाने एवं उसे छोटे-छोटे चरणों में विभाजित कर निरन्तर प्रयास करने पर बल दिया। डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के अन्तर्गत किसी व्यक्ति की भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्थिति का वर्णन किया। साथ ही कहा कि मानसिक स्वास्थ्य केवल किसी बीमारी या विकार का न होना नहीं है बल्कि यह सेहत और खुशहाली की वह अवस्था है जो व्यक्ति को जीवन के सामान्य तनावों से निपटने, अपनी क्षमताओं को पहचानने तथा समाज में योगदान देने योग्य बनाती है। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन ने किया। स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी नरेश सौलखे ने मानसिक तनाव से मुक्त रहने के लिए कुछ कारगर उपाय सुझाये साथ ही कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन भी किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सुमन बरवा, डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत, डॉ. निर्मल किर्ती गेडाम, श्रीमती संध्या भलावे, डॉ. हृषिकेश पटेल, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, मनीष शिवहरे, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यकंट नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, लकेश गेडाम, रामदयाल मथारे, श्रीमती वंदना कुर्वे, प्रसिक हुमनेकर, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे एवं विद्याार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

बेहरई आंगनवाड़ी केन्द्र में मनाया गया बाल चौपाल जन्म दिवस

महिलाओं को टीएचआर का किया गया वितरण, संतुलित आहार एवं खान-पान का बताया गया तरीका

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई के आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 1 में गत दिवस बाल चौपाल जन्म दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर प्रिया ठाकुर, सरपंच श्रीमती शारदा/दिलीप टेंभरे एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर ब'चों का वजन, टीकाकरण भी किया गया एवं महिलाओं को ब'चों के स्वास्थ्य संबंधित जानकारी विस्तृत रूप में प्रदान की गई। इस दौरान आंगनवाड़ी केन्द्र के ब'चों का उत्साहवर्धन करते हुए बच्चों को उनके स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य की कामना की गई। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर श्रीमती प्रिया ठाकुर के द्वारा गर्भवती महिलाओं को पोषण आहार एवं कुपोषित बच्चों की माताओं को उनके स्वास्थ्य का कैसे देखभाल करे उसके बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। साथ ही बाल चौपाल जन्मदिवस के अवसर पर महिलाओं को टीएचआर का भी वितरण किया गया और महिलाओं को संतुलित आहार, खान-पान का तरीका बताया गया। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता यशोमती काटेकर, सहायिका गौतमा चौधरी सहित अन्य ग्राम की महिलाएं एवं बच्चें बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

वारासिवनी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षाबंधन

कलाई पर सजा रक्षासूत्र बाजारों में बिखरी रौनक

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। २८ अगस्त को भाई बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन का पावन पर्व नगर सहित पूरे क्षेत्र में अत्यंत हर्षोल्लास, उत्साह और परंपरागत श्रद्धा के साथ मनाया गया। पौराणिक मान्यताओं और सांस्कृतिक धरोहर को संजोए इस पर्व पर बहनों ने शुभ मुहूर्त में अपने भाइयों का पूजन किया। माथे पर तिलक लगाकर आरती उतारी और उनकी दीर्घायु व उज्वल भविष्य की कामना करते हुए कलाई पर रक्षासूत्र बांधा। बदले में भाइयों ने भी बहनों को मनपसंद उपहार भेंट कर जीवनभर उनकी रक्षा करने का वचन दिया।

बाजारों में रही भारी भीड़, रक्षासूत्र और मिठाइयों के दामों में उछाल

पर्व को लेकर सुबह से ही नगर के मुख्य बाजारों में चहल पहल बनी रही। राखी, उपहार और मिठाई की दुकानों पर महिलाओं और बहनों की भारी भीड़ उमड़ी। बहनों ने अपने भाइयों की पसंद को ध्यान में रखते हुए आकर्षक राखियों की खरीदारी की। हालांकि इस बार बाजार में राखियों और मिठाइयों की कीमतों में बढ़ाव देखने को मिला, लेकिन त्योहार के उत्साह के आगे महंगाई का असर फीका नजर आया। दिनभर चली इस खरीदारी से व्यापारियों के चेहरे खिले रहे और बाजारों में खूब रौनक दिखाई दी।

ठसाठस भरी रहीं यात्री बसें

रक्षाबंधन के अवसर पर अपने भाइयों के घर पहुंचने के लिए महिलाओं की भारी भीड़ बस स्टैंड पर जमा रही। यात्री बसों में क्षमता से अधिक सवारियां बिठाई गईं जिससे महिलाओं और छोटे बच्चों को यात्रा के दौरान काफी असुविधा और दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हालांकि भाई के प्रति प्रेम और कलाई पर राखी बांधने की आतुरता के आगे यह परेशानियां छोटी साबित हुईं और बहनों के चेहरे पर त्योहार की खुशी साफ झलकती रही। इस दौरान हर किसी की नजर अपने यात्री वाहन की तलाश एवं इंतजार पर अटकी रही जहां लोगों ने यात्री वाहन आते ही तत्काल अपनी मंजिल के लिए सफर तय किया।

सावन झूलों का उठा आनंद, कायम रही परंपरा

आधुनिकता के दौर में जहां सावन के झूलों की पुरानी परंपराएं धीरे.धीरे लुप्त होती जा रही हैं वहीं वारासिवनी में आज भी यह संस्कृति जीवित है। कोष्टी समाज सहित अन्य समाजों की महिलाओं और बच्चों ने सावन के अंतिम दिन परंपरा का निर्वहन किया। रक्षाबंधन के दिन बच्चों ने उत्साह पूर्वक झूलों का आनंद लिया और सावन की फुहारों के बीच इस पारंपरिक खेल की धूम बनी रही।

वारासिवनी में आज मनेगा ऐतिहासिक भुजली पर्व

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर सहित संपूर्ण क्षेत्र में २९ अगस्त को भुजली पर्व पूर्ण साम्प्रदायिक सौहार्द्र और पारंपरिक श्रद्धा उल्लास के साथ मनाया जाएगा। कोष्टी समाज के द्वारा आयोजित यह सार्वजनिक भुजली महोत्सव ना केवल धार्मिक परंपराओं का प्रतीक है बल्कि इसमें सभी धर्मों और राजनीतिक दलों के लोग भी बढ़ चढ़कर भाग लेंगे। नगर में दशकों से चली आ रही इस परंपरा के तहत सावन मास में अपने मायके आई ब्याहता बेटियां सावन समाप्ति के दूसरे दिन उजैना की रस्म अदा करती हैं। विवाह के बाद का अंतिम संस्कार मानी जाने वाली इस विधि के बाद बेटियां भावुक होकर अपने ससुराल के लिए विदा होती हैं। पूरे सावन भर सखियों के साथ सावन झूला झूलने और यादें संजोने के बाद बेटियां रक्षाबंधन की पूर्व संध्या से जारी अपना उपवास भुजली विसर्जन के उपरांत ही तोड़ेंगी। कोष्टी कल्याण समिति वारासिवनी के द्वारा आयोजित भुजली महोत्सव की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। नगर पालिका द्वारा कबीर कुटी व कबीर घाट के आसपास साफ सफाई की चाक चौबंद व्यवस्था की गई है। दोपहर ४ बजे कबीर कुटी में झंडा वंदन एवं महाआरती के बाद सायंकाल ५ बजे कबीर कुटी भवन वार्ड क्रमांक १३ से भव्य भुजली शोभायात्रा का शुभारंभ होगा। यह शोभायात्रा नगर भ्रमण करते हुए गोलीबारी चौक, आंबेडकर चौक व अन्य प्रमुख चौराहों से होकर चंदन नदी स्थित कबीर घाट पहुंचेगी। सायंकाल ६.३० बजे कबीर घाट पर भुजली विसर्जन के उपरांत कबीर कुटी में भुजली मिलन समारोह, समाज के महाजन गणों का सम्मान एवं मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित हैं। शोभायात्रा के दौरान नवविवाहित बेटियां उपवास की स्थिति में अपने सिर पर भुजलियों का भारी झाल और उनकी सहेलियां छोटी.छोटी टोकरियों में भुजली लेकर चलेंगी। विसर्जन के बाद भुजली लूटने की परंपरा पूरी की जाएगी। कोष्टी कल्याण समिति ने नगरवासियों से इस ऐतिहासिक शोभायात्रा और भुजली मिलन समारोह में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में भाई बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह एवं विश्वास का पर्व रक्षाबंधन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य संदीप कुमार जैन, उपप्राचार्य रणवीर सिंह, शिक्षक शिक्षिकाएं,कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को स्मरण करते हुए रक्षाबंधन पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रात:कालीन कार्यक्रम में रक्षाबंधन विषय पर विद्यार्थियों के द्वारा सुंदर एवं भावपूर्ण कविताएं प्रस्तुत की गईं। जिनके माध्यम से भाई बहन के अटूट प्रेम और इस पवित्र पर्व की सांस्कृतिक महत्ता को अभिव्यक्त किया गया। दोपहर में आयोजित रक्षाबंधन समारोह में विद्यालय की छात्राओं ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी तथा तिलक लगाकर उनकी आरती उतारी। इस अवसर पर छात्राओं के द्वारा अपने भाइयों को संप्रेम उपहार एवं मिठाई भी प्रदान की गई। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह एवं खुशी का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर छात्राओं ने विद्यालय के प्राचार्य, उपप्राचार्य, शिक्षक शिक्षिकाओं एवं अन्य कर्मचारियों को भी राखी बांधकर रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य के द्वारा विद्यार्थियों को उपहार प्रदान किए गए जिससे विद्यार्थियों की खुशी और उत्साह और अधिक बढ़ गया। दोपहर के पश्चात विद्यालय के सभी छात्र छात्राओं के अभिभावक भी विद्यालय पहुंचे और अपने बच्चों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। इस दौरान विद्यालय परिसर में दिनभर रक्षाबंधन का उल्लासपूर्ण एवं पारिवारिक वातावरण बना रहा। अभिभावकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा एवं आनंद को और अधिक बढ़ा दिया। कार्यक्रम का संचालन दीपेश कुमार जैन के द्वारा किया गया।

उपजेल वारासिवनी में भावुक माहौल के बीच मनाया रक्षाबंधन पर्व

बहनों ने बांधी राखी मुस्कुरा उठे बंदी भाइयों के चेहरे

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा स्थित उपजेल में रक्षाबंधन का पवित्र त्यौहार अत्यधिक हर्षोल्लास और भावुक वातावरण में संपन्न हुआ। सावन मास की अंतिम पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुँची बहनों ने अपने बंदी भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बाँधकर उनकी दीर्घायु की कामना की। यह आयोजन जेल मुख्यालय मध्य प्रदेश भोपाल के अवर सचिव जेल प्रशासन, जेल महानिरीक्षक एवं सर्कल जेल नरसिंहपुर से प्राप्त दिशा.निर्देशों के तहत आयोजित किया गया। पर्व के मद्देनजर जेलर अंजू गोस्वामी के मार्गदर्शन में उपजेल परिसर में सुरक्षा के कड़े और पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

कड़े सुरक्षा घेरे के बीच हुई प्रत्यक्ष खुली मुलाकात

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अपने सजायाफ्ता व विचाराधीन भाइयों से मिलने के लिए बड़ी संख्या में बहनें उपजेल पहुँचीं। शासन और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों का पालन करते हुए जेल प्रशासन के द्वारा संपूर्ण सुरक्षा चेकिंग के उपरांत ही महिलाओं को जेल के भीतर प्रवेश दिया गया। इसके बाद बहनों की उनके भाइयों और छोटे छोटे बच्चों से प्रत्यक्ष खुली मुलाकात करवाई गई। इस दौरान लगभग ९० बंधियों को २५० महिलाएं या बहनें के द्वारा ८६ बच्चों के साथ उपस्थित होकर मुलाकात की गई जिसमें मुलाकात के दौरान जेल परिसर का माहौल अत्यंत भावुक किंतु खुशनुमा हो गया। बहनों ने अपने भाइयों को दुलारते हुए राखी बांधी पकवान व मिठाइयां खिलाईं और उनकी लंबी उम्र की प्रार्थना की। वहीं भाइयों ने अपनी बहनों के आंसू पोंछते हुए उन्हें सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद दिया। काफी समय बाद अपने परिजनों और नन्हे बच्चों से आमने सामने बैठकर बातचीत करने से बंदियों के चेहरे खिल उठे।

भाई.बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक- अंजू गोस्वामी

जेलर अंजू गोस्वामी ने बताया कि रक्षाबंधन सावन मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला भाई.बहन के पवित्र व अटूट प्रेम का प्रतीक है। इस दिन बहनें अपने भाइयों को रक्षा सूत्र बांधने के लिए उत्सुक रहती हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार सुरक्षा व्यवस्था के पूर्ण पालन के साथ बंदियों की उनकी बहनों से खुली मुलाकात करवाई गई। जिससे सभी ने शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्यौहार मनाया। कार्यक्रम के दौरान संपूर्ण जेल स्टाफ मौजूद रहा और सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित की गईं।

पीएम श्री जवाहर नवोदय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ओणम पर्व

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ओणम पर्व के पावन अवसर पर पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी में भव्य ओणम समारोह का आयोजन किया गया। नवोदय विद्यालय समिति की माइग्रेशन नीति के अंतर्गत जवाहर नवोदय विद्यालय का संबंध जवाहर नवोदय विद्यालयए पथानामथिट्टा, केरल से है। इसी सांस्कृतिक आदान प्रदान के अंतर्गत विद्यालय में प्रत्येक वर्ष ओणम पर्व उत्साह पूर्वक मनाया जाता है। ओणम केरल का सबसे प्रमुख और लोकप्रिय त्योहार है। यह केवल फसल का त्योहार ही नहीं, बल्कि एक ऐसा सांस्कृतिक उत्सव भी है जो पूरे विश्व में रहने वाले मलयाली समुदाय को एकता के सूत्र में बांधता है। ओणम को राजा महाबली के वार्षिक आगमन की स्मृति में मनाया जाता है। राजा महाबली का शासन समानता, समृद्धि, न्याय और खुशहाली के स्वर्ण युग के रूप में याद किया जाता है। यह पर्व दस दिनों तक मनाया जाता है जिसकी शुरुआत अथम से होती है और समापन सबसे महत्वपूर्ण दिन थिरुवोनम पर होता है। इनमें प्रथम ओणम और थिरुवोनम का विशेष महत्व है। ओणम का संबंध राजा महाबली जिन्हें मावेली भी कहा जाता है की पौराणिक कथा से है। हिंदू पौराणिक मान्यताओं के अनुसार महाबली केरल के एक दयालु और न्यायप्रिय राजा थे। उनका राज्य समृद्धि से भरपूर था जहाँ लोग बिना अपराध और असमानता के सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करते थे। सायंकाल एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य संदीप कुमार जैन द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। माइग्रेशन विद्यार्थियों ने अपनी स्थानीय पारंपरिक वेशभूषा में धार्मिक एवं लोक नृत्यों की सुंदर प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम का निर्देशन संगीत शिक्षक उमेश नगपुरे के मार्गदर्शन में किया गया। विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक मोहिनीअट्टम नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। सभी विद्यार्थियों एवं स्टाफसदस्यों ने ओणम समारोह का भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य संदीप कुमार जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए ओणम पर्व के सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से राजा महाबली के जीवन से दानशीलता, निस्वार्थता और भक्ति जैसे गुणों को सीखने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती अम्मू वी नाथ टीजीटी मलयालम ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के उप.प्राचार्य रणबीर सिंह,भोजराम पटेल,डी पी कटरे, ओम खोंड,जी एस पारधी,श्रीमती यशोधरा सिंह, दीपेश जैन,के एल निखारे,उमेश नागपुरे, अविनाश सिंह,विवेक पटेल,प्रशांत बी कापटे, श्रीमती सुनीता कुमारी, श्रीमती रजनी बिसेन,श्रीमती सुभांगी,अंकुर दुबे, अंशुमान त्रिपाठी सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे। ओणम समारोह ने विद्यालय में विविध संस्कृतियों के बीच एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक आदान प्रदान की भावना को और मजबूत किया।

ग्राम मोवाड़ में किसान गर्जना संगठन की बैठक संपन्न

धान गेहूं के समर्थन मूल्य और बिजली कटौती पर मुखर हुए किसान

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। खैरलाँजी किसान गर्जना संगठन के द्वारा ब्लॉक के प्रत्येक गाँव में संगठन विस्तार अभियान के तहत ग्राम पंचायत भवन मोवाड़ में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे एवं ब्लॉक प्रभारी डेविड सेलोकर के मार्गदर्शन में आयोजित हुई। इस बैठक में क्षेत्रीय किसानों की ज्वलंत समस्याओं पर गहन विचार.विमर्श किया गया और संगठन की नई ग्राम कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें धान का समर्थन मूल्य ३१०० रूपये प्रति क्विंटल तथा गेहूं का समर्थन मूल्य २७०० रूपये प्रति क्विंटल करने,भावांतर योजना को वापस लेकर सेवा सहकारी समिति केंद्रों के माध्यम से समर्थन मूल्य पर धान की सीधी खरीदी सुनिश्चित करने, बढ़े हुए खाद के दामों को तत्काल वापस लेने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही अनावश्यक बिजली कटौती को तुरंत बंद करने की मांग उठाई गई। वहीं ग्राम मोवाड़ में संगठन को मजबूती देने के लिए सर्वसम्मति से अध्यक्ष होलूराम कहालकर ,सचिव हेमंत मिश्रा ,उपाध्यक्ष प्रमोद चांडक एवं सदस्य भाऊलाल तमगाड़े, प्रदीप पंचेश्वर,प्रभु सुहागपुरे, हरिराम सुहागपुरे, भीवा सेलोकर, सदाशिव पंचेश्वर, दीपक सुहागपुरे, महादेव देवाड़े, कुशनाजी शेन्डे, परदेशी सेलोकर, विनोद सेलोकर, नरेन्द्र कावड़े, सरस सादोपोंच, निलेश कोलते, राजकुमार सारखरे, संजय भुर्रे, नामदेव सादोपोंच, भक्तप्रहलाद पंचेश्वर, तिलकचंद बावनकर, संजय माहुले, अशोक मते, अमित बावने, जितेन्द्र पंचेश्वर, सम्पत मते एवं मालिकराम मते को बनाया गया। जहाँ सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने किसानों के हक के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने और अपनी मांगों को शासन प्रशासन तक मजबूती से पहुँचाने का संकल्प लिया।

जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे ने कहा कि किसान गर्जना संगठन का मुख्य उद्देश्य हर एक किसान की आवाज को शासन प्रशासन तक मजबूती से पहुंचाना है। गांव गांव में कार्यकारिणी का गठन होने से किसानों की समस्याओं का जमीनी स्तर पर समाधान खोजने में आसानी होगी। नव नियुक्त पदाधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए संगठन के विश्वास पर खरा उतरने और सदैव किसान हितों के लिए तत्पर रहने का संकल्प लिया हैं। इस अवसर पर किसान गर्जना के पदाधिकारी सदस्य बड़ी संख्या मौजूद रहे।

मेजर ध्यानचंद-एक नाम, एक युग, एक अमर विरासत

प्रतिवर्ष 29 अगस्त को भारत में हॉकी के पूर्व कप्तान मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन को 'खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में 29 अगस्त 1905 को जन्मे ध्यानचंद हॉकी के ऐसे महान् खिलाड़ी और देशभक्त थे कि उनके करिश्माई खेल से प्रभावित होकर जब एक बार जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने उन्हें अपने देश जर्मनी की ओर से खेलने का न्यौता दिया तो ध्यानचंद ने उसे विनम्रतापूर्वक ठुकराकर सदा अपने देश के लिए खेलने का प्रण लिया। हालांकि उन्हें बचपन में खेलने का कोई शौक नहीं था और साधारण शिक्षा ग्रहण करने के बाद वे सोलह साल की आयु में दिल्ली में सेना की प्रथम ब्राह्मण रेजीमेंट में सिपाही के रूप में भर्ती हो गए थे। सेना में भर्ती होने तक उनके दिल में हॉकी के प्रति कोई लगाव नहीं था। सेना में भर्ती होने के बाद उन्हें हॉकी खेलने के लिए प्रेरित किया हॉकी खिलाड़ी सूबेदार मेजर तिवारी ने, जिनकी देखरेख में ही ध्यानचंद हॉकी खेलने लगे और बहुत थोड़े समय में ही हॉकी के ऐसे खिलाड़ी बन गए कि उनकी हॉकी स्टिक मैदान में दनादन गोल दागने लगी। ध्यानचंद की हॉकी स्टिक से गेंद अक्सर इस कदर चिपकी रहती थी कि विरोधी टीम के खिलाड़ियों को लगता था, जैसे ध्यानचंद किसी जादुई हॉकी स्टिक से खेल रहे हैं। इसी शक के आधार पर एक बार हॉलैंड में उनकी हॉकी स्टिक तोड़कर भी देखी गई कि कहीं उसमें कोई चुम्बक या गोंद तो नहीं लगा है लेकिन किसी को कुछ नहीं मिला। उन्हें अपने जमाने का हॉकी का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी माना जाता है, जिसमें गोल करने की कमाल की क्षमता थी। भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा ध्यानचंद को शताब्दी का खिलाड़ी घोषित किया गया था। 1922 में सेना में भर्ती होने के बाद से 1926 तक ध्यानचंद ने केवल आर्मी हॉकी और रेजीमेंट गेम्स खेले। उसके बाद उन्हें भारतीय सेना टीम के लिए चुना गया, जिसे न्यूजीलैंड में जाकर खेलना था। उस दौरान हुए कुल 21 मैचों में से उनकी टीम ने 18 मैच जीते जबकि दो मैच ड्रा हुए और केवल एक मैच उनकी टीम हारी। मैचों में ध्यानचंद के सराहनीय प्रदर्शन के कारण भारत लौटते ही उन्हें लांस नायक बना दिया गया और उन्हें सेना की हॉकी टीम में स्थायी जगह मिल गई। 1928 में एम्सटर्डम में होने वाले ओलम्पिक के लिए भारतीय टीम का चयन करने हेतु भारतीय हॉकी फेडरेशन द्वारा टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें कुल पांच टीमों ने हिस्सा लिया। ध्यानचंद को सेना द्वारा यूनाइटेड प्रोविंस की ओर से टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति मिल गई और अपने शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाली टीम में जगह मिल गई। 1928, 1932 और 1936 के ओलम्पिक खेलों में ध्यानचंद ने न केवल भारत का नेतृत्व किया बल्कि लगातार तीनों ओलम्पिक में भारत को स्वर्ण पदक भी दिलाए। दो बार के ओलम्पिक चैम्पियन केशव दत्त का ध्यानचंद के बारे में कहना था कि वह हॉकी के मैदान को उस ढ़ंग से देख सकते थे, जैसे शतरंज का खिलाड़ी चेस बोर्ड को देखता है। इसी प्रकार भारतीय ओलम्पिक टीम के कप्तान रहे गुरूबख्श सिंह का कहना था कि 54 साल की उम्र में भी ध्यानचंद से भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी बुली में उनसे गेंद नहीं छीन सकता था। मेजर ध्यानचंद ने 43 वर्ष की उम्र में वर्ष 1948 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहा। हॉकी में बेमिसाल प्रदर्शन के कारण ही उन्हें सेना में पदोन्नति मिलती गई और वे सूबेदार, लेफ्टिनेंट तथा कैप्टन बनने के बाद मेजर पद तक भी पहुंचे और 1956 में 51 वर्ष की आयु में सेना से मेजर पद से सेवानिवृत्त हुए।

भारत में स्वाइन फ्लू वायरस (एच1एन1) फिर सुर्खियों में

दिल्ली से कर्नाटक- महाराष्ट्र तक बढ़ते मामलों के बीच कितना सुरक्षित है भारत ? -समग्र व्यापक विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर कोविड-19 महामारी ने दुनियाँ को केवल एक वायरस से नहीं,बल्कि स्वास्थ्य संबंधी भय और अनिश्चितता के एक ऐसे दौर से परिचित कराया, जिसका प्रभाव आज भी लोगों की मानसिकता पर दिखाई देता है।किसी नए संक्रमण का नाम सामने आते ही लोगों के मन में सबसे पहला सवाल यही उठता है, क्या कहीं फिर कोई महामारी तो नहीं आने वाली ? भारत में इन दिनों मौसमी इन्फ्लुएंजा, विशेषकर एच1एन1 वायरस के बढ़ते मामलों के बीच कुछ ऐसा ही माहौल दिखाई दे रहा है।दिल्ली,कर्नाटक और महाराष्ट्र सहित कुछ राज्यों में संक्रमण की गतिविधि बढ़ने से स्वास्थ्य तंत्र सतर्क हुआ है।लेकिन उपलब्ध सरकारी और वैज्ञानिक आकलन का संदेश स्पष्ट है,वर्तमान स्थिति को नई महामारी के रूप में देखने का कोई आधार नहीं है; आवश्यकता घबराने की नहीं,बल्कि निगरानी और तैयारी मजबूत करने की है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र पाठकों सहित आम जनता को इस आर्टिकल के माध्यम से बताना चाहूंगा कि 25 अगस्त 2026 को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की ओर से एच1एन1 को लेकर स्थिति स्पष्ट की गई।भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक ने बताया कि वर्तमान में देश में सक्रिय एच1एन1 वायरस किसी नए अथवा असामान्य खतरनाक स्वरूप का संकेत नहीं दे रहा है। सरकार की निगरानी व्यवस्था में वायरस के आनुवंशिक स्वरूप की भी लगातार जांच की जा रही है। उपलब्ध विश्लेषण के अनुसार वर्तमान वायरस एच1एन1 पीडीएम09 के परिचित मौसमी स्वरूप से संबंधित है। इसलिए इसे 2009 जैसी नई वैश्विक महामारी की वापसी समझना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं होगा। इस विषय पर विश्लेषण मीडिया में आई पूरी जानकारी व खबरों के आधार पर सटीकता से किया गया है। साथियों दरअसल, स्वाइन फ्लू नाम आज भी आम लोगों के बीच अत्यधिक प्रचलित है, लेकिन वैज्ञानिक दृष्टि से एच1 एन1पीडीएम09 अब मानवों में फैलने वाला मौसमी इन्फ्लुएंजा वायरस है। वर्ष 2009 में जब यह नया वायरस सामने आया था, तब उसने विश्वव्यापी महामारी का रूप ले लिया था। बाद के वर्षों में यह वायरस मानव आबादी में स्थापित हो गया और मौसमी इन्फ्लुएंजा के वायरसों में शामिल हो गया। इसका अर्थ यह नहीं कि यह पूरी तरह समाप्त हो गया है। इसके विपरीत, यह दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मौसम और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग समय पर सक्रिय होता रहता है।बता दें आज की सबसे महत्वपूर्ण बात यही है कि वायरस में सामान्य आनुवंशिक बदलाव और किसी नए खतरनाक स्वरूप के बीच अंतर किया जाए।इन्फ्लुएंजा वायरस समय के साथ छोटे आनुवंशिक बदलाव करता रहता है, जिसे वैज्ञानिक एंटीजेनिक ड्रिफ्ट कहते हैं। यह मौसमी इन्फ्लुएंजा की सामान्य विशेषता है। इसके विपरीत, यदि वायरस में ऐसा बड़ा बदलाव हो जाए जिससे उसकी संक्रमण क्षमता, गंभीरता या मानव प्रतिरक्षा से बचने की क्षमता में असामान्य वृद्धि हो, तो वह कहीं अधिक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बन सकता है।वर्तमान भारतीय निगरानी से ऐसा कोई असामान्य बदलाव सामने नहीं आया है। यही कारण है कि विशेषज्ञ वर्तमान स्थिति को सतर्क निगरानी योग्य मौसमी उछाल के रूप में देख रहे हैं, न कि नई महामारी के रूप में। साथियों, भारत में चिंता का कारण हालांकि पूरी तरह नगण्य नहीं है। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार दिल्ली में इस वर्ष एच1एन1 के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है और 25-26 अगस्त के आसपास उपलब्ध आंकड़ों में संख्या 2,300 से अधिक बताई गई। कर्नाटक में भी 4,000 से अधिक प्रयोगशाला -पुष्ट मामले रिपोर्ट किए गए हैं। महाराष्ट्र के मुंबई और पुणे सहित कुछ क्षेत्रों में भी मौसमी इन्फ्लुएंजा और वायरल संक्रमणों को लेकर स्वास्थ्य विभागों ने निगरानी बढ़ाई है। केरल, तमिलनाडु और अन्य राज्यों में भी इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारी के मामलों पर नजर रखी जा रही है। हालांकि अलग-अलग राज्यों में जांच की मात्रा, रिपोर्टिंग प्रणाली और परिभाषाओं में अंतर होने के कारण केवल मामलों की संख्या देखकर बीमारी की गंभीरता का सीधा निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा।यहीं से भारत के स्वास्थ्य तंत्र की वास्तविक परीक्षा शुरू होती है। यदि इन्फ्लुएंजा के मरीजों की संख्या बढ़ती है तो अस्पतालों की सामान्य बाह्य रोगी सेवाओं पर दबाव बढ़ सकता है। इसलिए अस्पतालों में मरीजों की प्राथमिक छंटाई, संदिग्ध इन्फ्लुएंजा मरीजों के लिए अलग व्यवस्था, संक्रमण नियंत्रण, ऑक्सीजन की उपलब्धता, गंभीर मरीजों के लिए गहन चिकित्सा सुविधा और आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता महत्वपूर्ण हो जाती है। स्वास्थ्य व्यवस्था की सफलता इस बात से नहीं मापी जाएगी कि कितने अस्पतालों में वेंटिलेटर हैं, बल्कि इससे मापी जाएगी कि गंभीर मरीज की पहचान कितनी जल्दी होती है और उसे उचित उपचार कितनी जल्दी मिलता है। साथियों, भारत के लिए एक और महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद तथा स्वास्थ्य मंत्रालय का प्रयोगशाला निगरानी नेटवर्क है। वायरस अनुसंधान एवं निदान प्रयोगशालाओं के माध्यम से इन्फ्लुएंजा के नमूनों की जांच और वायरस के आनुवंशिक स्वरूप की निगरानी की जाती है। यही व्यवस्था किसी संभावित नए या असामान्य स्वरूप की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भविष्य की महामारी से बचाव की दृष्टि से यह निगरानी व्यवस्था और अधिक व्यापक, तेज तथा पारदर्शी बनाना समय की मांग है।वैश्विक स्तर पर भी इन्फ्लुएंजा की निगरानी इसी सिद्धांत पर आधारित है।विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक इन्फ्लुएंजा निगरानी एवं प्रतिक्रिया प्रणाली दुनिया के विभिन्न देशों से वायरस संबंधी आंकड़े एकत्र करती है। इससे वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिलती है कि कौन-सा वायरस कहां सक्रिय है, उसके स्वरूप में क्या बदलाव हो रहे हैं और मौसमी टीकों की संरचना में भविष्य में क्या बदलाव आवश्यक हो सकते हैं। इसीलिए आज किसी भी देश की स्वास्थ्य सुरक्षा केवल उसकी अपनी सीमाओं तक सीमित नहीं रह सकती। हवाई यात्रा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार,बड़े शहरों की घनी आबादी और लोगों की तेज आवाजाही ने संक्रामक रोगों को वैश्विक बना दिया है। साथियों, एच1एन1 के संदर्भ में सबसे बड़ा खतरा सभी लोगों के लिए समान नहीं है। स्वस्थ वयस्कों में संक्रमण अक्सर हल्का रह सकता है, लेकिन बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों और पहले से अस्थमा, मधुमेह, हृदय, गुर्दे या अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों में जटिलताओं का जोखिम अधिक हो सकता है। ऐसे लोगों में तेज बुखार, लगातार खांसी, अत्यधिक कमजोरी या सांस लेने में कठिनाई दिखाई देने पर चिकित्सकीय सलाह में देरी नहीं करनी चाहिए। विशेष रूप से सांस फूलना, सीने में लगातार दर्द या दबाव, बेहोशी, भ्रम, अत्यधिक कमजोरी अथवा बच्चों में असामान्य सुस्ती जैसे संकेत गंभीर स्थिति की ओर इशारा कर सकते हैं। इस पूरी परिस्थिति में स्व-दवा एक अलग चुनौती बनकर सामने आती है। वायरल संक्रमण होने के कारण एच1 एन1 पर सामान्य एंटीबायोटिक दवाएं सीधे प्रभावी नहीं होतीं।इसलिए बिना डॉक्टर की सलाह के एजिथ्रोमाइसिन अमोक्सिसिलिन जैसी एंटीबायोटिक दवाएं लेना उचित नहीं है।अनावश्यक एंटीबायोटिक उपयोग से रोगाणुओं में दवा-प्रतिरोध की समस्या बढ़ती है, जो आज पूरी दुनिया के सामने मौजूद गंभीर स्वास्थ्य संकटों में से एक है। इसी तरह एंटीवायरल दवाओं का उपयोग भी चिकित्सकीय मूल्यांकन के बाद ही होना चाहिए। विशेष जोखिम वाले मरीजों में डॉक्टर आवश्यकता के अनुसार समय पर एंटीवायरल सटीकता से उपचार शुरू कर सकते हैं। साथियों,बचाव की रणनीति कठिन नहीं है,लेकिन उसका पालन नियमित रूप से करना जरूरी है। साबुन और पानी से हाथों की सफाई, खांसते और छींकते समय मुंह-नाक को ढंकना, बीमार होने पर अनावश्यक रूप से भीड़ में जाने से बचना, बंद और भीड़भाड़ वाली जगहों में परिस्थितिनुसार अच्छी तरह फिट होने वाला मास्क पहनना तथा पर्याप्त आराम लेना संक्रमण के प्रसार को कम करने में मदद कर सकता है। डॉक्टर की सलाह के अनुसार वार्षिक इन्फ्लुएंजा टीकाकरण भी विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले समूहों के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय हो सकता है। हालांकि कोई भी टीका पूर्ण सुरक्षा की गारंटी नहीं देता, लेकिन टीकाकरण का उद्देश्य विशेष रूप से गंभीर बीमारी और जटिलताओं के जोखिम को कम करना है। साथियों, सबसे बड़ी चुनौती कोविड-19 के बाद एक डर समा गया है इसलिए हर वायरस से सावधानी संतुलित प्रतिक्रिया जरूरी है। यदि हर संक्रमण की खबर पर भय फैलाया जाए तो समाज में अनावश्यक दहशत,दवाओं की जमाखोरी और अस्पतालों पर गैर- जरूरी दबाव बढ़ सकता है। दूसरी ओर यदि मामलों की वृद्धि को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया जाए तो गंभीर मरीजों की पहचान में देरी हो सकती है। इसलिए भारत को इन दोनों अतियों से बचते हुए तीसरा रास्ता अपनाना होगा,वैज्ञानिक सतर्कता और सामाजिक संयम का रास्ता।आज एच1 एन1 भारत को एक महत्वपूर्ण संदेश दे रहा है। महामारी की तैयारी केवल तब नहीं की जाती जब कोई नया वायरस दुनिया के सामने आ जाए। मजबूत प्रयोगशाला नेटवर्क, आनुवंशिक निगरानी,पारदर्शी आंकड़े, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी, पर्याप्त अस्पताल क्षमता, समय पर दवाएं और जनता तक सही जानकारी पहुंचाने की व्यवस्था हमेशा तैयार रहनी चाहिए। यही वह आधारभूत ढांचा है जो किसी भी भविष्य की महामारी के सामने भारत को अधिक सुरक्षित बना सकता है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वर्तमानएच1एन1 स्थिति को न तो हल्के में लेने की जरूरत है और न ही इसे नई महामारी मानकर भयभीत होने की। सही दृष्टिकोण है,मामलों की निगरानी, गंभीर मरीजों की समय पर पहचान, अस्पतालों की तैयारी, वैज्ञानिक जानकारी पर भरोसा और स्व-दवा से बचाव।कोविड-19 ने दुनिया को सिखाया कि एक स्थानीय संक्रमण कितनी तेजी से वैश्विक संकट बन सकता है; एच1एन1 हमें यह सिखा रहा है कि मजबूत स्वास्थ्य निगरानी उस संकट को समय रहते पहचानने की पहली दीवार है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

कैंसर के खिलाफ नई उम्मीद-जब मरीज का अपना ट्यूमर बनेगा इलाज का रास्ता

चिकित्सा विज्ञान के इतिहास में कुछ उपलब्धियां ऐसी होती हैं, जो केवल किसी बीमारी के इलाज की दिशा नहीं बदलतीं, बल्कि पूरी दुनिया को यह विश्वास दिलाती हैं कि असंभव दिखाई देने वाली चुनौतियों का समाधान भी विज्ञान खोज सकता है। कैंसर के खिलाफ विकसित की जा रही व्यक्तिगत वैक्सीन इसी श्रेणी की उपलब्धि है। हाई रिस्क मेलानोमा जैसे गंभीर त्वचा कैंसर के मरीजों के लिए सामने आई यह नई उम्मीद चिकित्सा जगत में किसी साधारण प्रगति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। अमेरिकी वैज्ञानिकों और दवा कंपनियों द्वारा विकसित की जा रही यह एमआरएनए आधारित व्यक्तिगत कैंसर वैक्सीन इसलिए खास है क्योंकि इसका लक्ष्य किसी एक बीमारी के लिए एक जैसी दवा बनाना नहीं, बल्कि मरीज के अपने ट्यूमर की आनुवंशिक विशेषताओं को समझकर उसके अनुरूप प्रतिरोधक क्षमता को तैयार करना है। यानी भविष्य में कैंसर का उपचार हर मरीज के लिए एक ही तरीके से नहीं, बल्कि मरीज के कैंसर की अपनी पहचान के आधार पर तय हो सकता है।

यही वह सोच है जो कैंसर उपचार की पारंपरिक व्यवस्था से आगे निकलती दिखाई देती है। लंबे समय से चिकित्सा विज्ञान कैंसर के इलाज के लिए सर्जरी, रेडिएशन, कीमोथेरेपी और इम्यूनोथैरेपी जैसी विधियों का इस्तेमाल करता आया है। इनसे करोड़ों मरीजों को लाभ मिला है, लेकिन कैंसर की सबसे बड़ी चुनौती यह रही है कि बीमारी दोबारा लौट सकती है या शरीर के दूसरे हिस्सों में फैल सकती है। नई व्यक्तिगत वैक्सीन इसी चुनौती को निशाना बनाने की कोशिश है। मेलानोमा त्वचा कैंसर का एक गंभीर प्रकार है। यह त्वचा में रंग पैदा करने वाली कोशिकाओं से विकसित होता है और कई मामलों में शरीर के दूसरे हिस्सों तक फैलने की क्षमता रखता है। इसलिए इसका समय पर पता लगना और उपचार के बाद बीमारी की वापसी को रोकना अत्यंत महत्वपूर्ण है। नई वैक्सीन की अवधारणा यहीं से शुरू होती है।वैज्ञानिक मरीज के ट्यूमर का आनुवंशिक विश्लेषण करते हैं और उन असामान्य प्रोटीन संकेतों की पहचान करने की कोशिश करते हैं, जो कैंसर कोशिकाओं को स्वस्थ कोशिकाओं से अलग करते हैं। इन्हें नियोएंटीजन कहा जाता है। इसके बाद इन्हीं विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए वैक्सीन तैयार की जाती है। एमआरएनए तकनीक शरीर के प्रतिरोधक तंत्र को यह समझने में सहायता करती है कि उसे किन संकेतों पर ध्यान देना है। उद्देश्य यह है कि शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली कैंसर कोशिकाओं को पहचान सके और उन्हें खत्म करने के लिए सक्रिय हो सके। इस अर्थ में यह वैक्सीन केवल बाहरी दवा के रूप में काम करने की कोशिश नहीं करती, बल्कि शरीर की अपनी सुरक्षा व्यवस्था को अधिक सटीक बनाने का प्रयास करती है।

कोविड वैक्सीन की तकनीक से कैंसर के खिलाफ नई लड़ाई

एमआरएनए तकनीक का नाम दुनिया ने कोविड महामारी के दौरान व्यापक रूप से सुना। कोविड के खिलाफ एमआरएनए आधारित टीकों ने इस तकनीक की संभावनाओं को दुनिया के सामने रखा। अब उसी वैज्ञानिक अवधारणा का इस्तेमाल कैंसर जैसी जटिल बीमारी के खिलाफ करने की कोशिश चिकित्सा विज्ञान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हालांकि कैंसर और संक्रामक रोगों के बीच बड़ा अंतर है। कैंसर शरीर की अपनी कोशिकाओं से उत्पन्न होता है, इसलिए प्रतिरोधक तंत्र के लिए उसे पहचानना अधिक कठिन हो सकता है। कैंसर कोशिकाएं स्वयं को स्वस्थ कोशिकाओं जैसा दिखाने और शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया से बचने के रास्ते भी खोज सकती हैं। ऐसे में मरीज के ट्यूमर की विशिष्ट पहचान के आधार पर वैक्सीन तैयार करने की अवधारणा बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। यह विज्ञान अभी विकास और नियामकीय समीक्षा की प्रक्रिया में है, इसलिए इसे कैंसर का अंतिम इलाज घोषित करना जल्दबाजी होगी। लेकिन इसके परीक्षणों से सामने आ रही सकारात्मक दिशा निश्चित रूप से आशाजनक है। चिकित्सा विज्ञान में किसी नई तकनीक का वास्तविक महत्व तभी साबित होता है जब बड़े और नियंत्रित परीक्षणों के परिणाम इसकी सुरक्षा और प्रभावशीलता को लगातार समर्थन दें।

इलाज से आगे बढ़कर रोकथाम की दिशा में कदम

कैंसर के मामले में सबसे बड़ी चिंता केवल बीमारी का उपचार नहीं, बल्कि उपचार के बाद उसकी वापसी भी है। मरीज सर्जरी और अन्य उपचारों के बाद स्वस्थ जीवन की ओर लौटता है, लेकिन कैंसर के दोबारा आने का डर उसके साथ बना रहता है। व्यक्तिगत कैंसर वैक्सीन की सबसे बड़ी संभावनाओं में से एक इसी चिंता को कम करने की कोशिश है। यदि शरीर की प्रतिरोधक प्रणाली कैंसर कोशिकाओं की विशिष्ट पहचान को याद रख सके और भविष्य में उसी प्रकार की कोशिकाओं को पहचानकर प्रतिक्रिया दे सके, तो कैंसर की वापसी के जोखिम को कम करने में सहायता मिल सकती है। यह विचार कैंसर उपचार को एक नए दर्शन की ओर ले जाता है। अब सवाल केवल यह नहीं रह जाता कि मौजूद कैंसर को कैसे हटाया जाए, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि शरीर को भविष्य में उस बीमारी के खिलाफ अधिक सक्षम कैसे बनाया जाए। व्यक्तिगत कैंसर वैक्सीन जितनी रोमांचक है, उसके सामने चुनौतियां भी उतनी ही बड़ी हैं। हर मरीज का ट्यूमर अलग हो सकता है। उसके आनुवंशिक परिवर्तन अलग हो सकते हैं और कैंसर की जैविक प्रकृति भी अलग हो सकती है। ऐसे में प्रत्येक मरीज के लिए वैक्सीन तैयार करने की प्रक्रिया सामान्य टीकों की तुलना में कहीं अधिक जटिल हो सकती है। इसके साथ लागत, उत्पादन की गति, गुणवत्ता नियंत्रण, चिकित्सकीय ढांचे और नियामकीय मंजूरी जैसे सवाल भी जुड़े हैं। यदि यह तकनीक व्यापक रूप से उपलब्ध होती है तो दुनिया के अलग-अलग देशों में इसकी पहुंच सुनिश्चित करना भी बड़ी चुनौती होगी। भारत जैसे विशाल देश के लिए यह विषय विशेष महत्व रखता है। भारत दवा और वैक्सीन निर्माण के क्षेत्र में अपनी मजबूत क्षमता के लिए जाना जाता है। यदि व्यक्तिगत कैंसर वैक्सीन सफल होती है और नियामकीय मंजूरी प्राप्त करती है, तो आने वाले वर्षों में भारतीय वैज्ञानिकों, अस्पतालों और दवा उद्योग के लिए भी इस क्षेत्र में बड़ी संभावनाएं पैदा हो सकती हैं। अमेरिका की उपलब्धि, लेकिन लाभ पूरी मानवता का होना चाहिए। विज्ञान की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि उसकी सफलता की कोई सीमा नहीं होती। किसी देश की प्रयोगशाला में हुई खोज यदि मानव जीवन बचाने में सक्षम होती है तो उसका महत्व उस देश की सीमाओं से बहुत आगे चला जाता है। अमेरिका ने चिकित्सा अनुसंधान, जैव प्रौद्योगिकी और दवा विकास के क्षेत्र में लंबे समय से दुनिया को नेतृत्व दिया है। नई व्यक्तिगत कैंसर वैक्सीन का विकास भी उसी वैज्ञानिक क्षमता का उदाहरण है। इसीलिए यह कहना अनुचित नहीं होगा कि अमेरिका को केवल अपनी शक्ति और संसाधनों के कारण नहीं, बल्कि विज्ञान में जोखिम उठाने और नई संभावनाओं पर निवेश करने की क्षमता के कारण भी विशेष स्थान मिला है। अमेरिका फर्स्ट की राजनीतिक धारणा अपनी जगह हो सकती है, लेकिन विज्ञान की दुनिया में असली सफलता तब है जब किसी देश की उपलब्धि पूरी दुनिया के काम आए। कैंसर वैक्सीन की यह संभावित उपलब्धि इसी भावना की मिसाल बन सकती है। कैंसर से जूझ रहे मरीजों और उनके परिवारों के लिए किसी नई वैज्ञानिक खोज की खबर केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं होती। उनके लिए यह उम्मीद का संदेश होती है। लेकिन उम्मीद के साथ वैज्ञानिक सावधानी भी आवश्यक है। किसी भी नई वैक्सीन के व्यापक इस्तेमाल से पहले उसकी सुरक्षा, प्रभावशीलता, दीर्घकालीन परिणाम और लागत का गहन मूल्यांकन जरूरी है।

यदि व्यक्तिगत एमआरएनए कैंसर वैक्सीन बड़े पैमाने पर सफल होती है तो यह केवल मेलानोमा के उपचार में बदलाव नहीं लाएगी, बल्कि भविष्य में दूसरे प्रकार के कैंसर के लिए भी व्यक्तिगत उपचार की राह खोल सकती है। तब संभव है कि किसी मरीज के कैंसर का इलाज उसके शरीर और ट्यूमर की विशिष्ट पहचान के आधार पर तैयार किया जाए।

यह उपलब्धि कम ताकतवर नहीं है। यह उस भविष्य की दस्तक है जिसमें कैंसर के खिलाफ लड़ाई केवल दवाओं से नहीं, बल्कि शरीर की अपनी प्रतिरोधक शक्ति को अधिक समझदार और अधिक सटीक बनाकर लड़ी जाएगी।

आज यह तकनीक प्रयोगशालाओं, क्लीनिकल ट्रायल और नियामकीय प्रक्रियाओं के बीच खड़ी है। कल यही तकनीक अस्पतालों में मरीजों के लिए नई उम्मीद बन सकती है। विज्ञान ने रास्ता दिखा दिया है। अब चुनौती इस रास्ते को सुरक्षित, सस्ता और दुनिया के हर जरूरतमंद मरीज तक पहुंचाने की है।

कैंसर के खिलाफ यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है, लेकिन व्यक्तिगत वैक्सीन ने निश्चित रूप से यह संदेश दिया है कि मानवता के पास इस कठिन बीमारी को चुनौती देने के लिए विज्ञान की शक्ति मौजूद है। अमेरिका में जन्मी यह वैज्ञानिक उपलब्धि यदि पूरी दुनिया के मरीजों तक पहुंचती है, तो यही उसकी सबसे बड़ी सफलता होगी।

-कांतिलाल मांडोत

डोभाल की कूटनीति और भारत-चीन संबंधों की नई करवट

-ललित गर्ग

भारत और चीन के संबंधों में पिछले कुछ वर्षों की तल्खी के बाद अब संवाद, संयम और व्यावहारिक सहयोग का एक नया दौर दिखाई दे रहा है। इसे किसी अचानक आए परिवर्तन के रूप में नहीं, बल्कि सुरक्षा, कूटनीति और राष्ट्रीय हितों को साथ लेकर चलने वाली एक दीर्घकालिक प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। इस बदलते परिदृश्य में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनकर सामने आई है। 25 अगस्त को बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ हुई 25वें दौर की विशेष प्रतिनिधि वार्ता ने इस प्रक्रिया को ठोस आधार दिया है। दोनों पक्षों ने सीमा पर शांति बनाए रखने, सीमा निर्धारण की दिशा में शीघ्र एवं सार्थक प्रगति करने तथा सैन्य-द्विपक्षीय संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने पर सहमति बनाई है। डोभाल की बीजिंग यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह केवल सीमा विवाद पर बातचीत नहीं थी। यह उस व्यापक प्रश्न पर विमर्श था कि क्या भारत और चीन प्रतिस्पर्धा के बावजूद सह-अस्तित्व, स्थिरता और पारस्परिक हितों का रास्ता तलाश सकते हैं। दोनों देशों ने दो अतिरिक्त सैन्य संपर्क-बिंदु और पूर्वी तथा मध्य क्षेत्रों में दो अतिरिक्त सैन्य दूरभाष संपर्क स्थापित करने पर सहमति जताई है। सीमा व्यापार, कैलाश-मानसरोवर यात्रा और सीमा-पार सहयोग को भी आगे ब ?ने का निर्णय हुआ है। अजीत डोभाल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे सुरक्षा और कूटनीति को परस्पर विरोधी नहीं मानते। उनका दृष्टिकोण स्पष्ट है-मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था ही प्रभावी कूटनीति की आधारभूमि बन सकती है। चीन के संदर्भ में भी भारत का संदेश यही रहा है कि सीमा पर शांति और स्थिरता के बिना द्विपक्षीय संबंधों का पूर्ण सामान्यीकरण संभव नहीं है। 25वें दौर की वार्ता में यही भारतीय दृष्टिकोण प्रमुखता से सामने आया। डोभाल का व्यक्तित्व केवल वार्ताकार का नहीं, बल्कि सुरक्षा रणनीतिकार का है। वे लंबे समय तक खुफिया तंत्र में रहे, विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में काम किया और बाद में खुफिया ब्यूरो के प्रमुख बने। भारत सरकार के अनुसार, उन्होंने पूर्वोत्तर, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और पाकिस्तान से जुड़े सुरक्षा मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं। उनकी कार्यशैली में एक उल्लेखनीय संतुलन दिखाई देता है-जहां आवश्यक हो वहां कठोरता और जहां अवसर हो वहां संवाद। उड़ी के बाद की सर्जिकल कार्रवाई, बालाकोट की कार्रवाई, डोकलाम संकट के दौरान कूटनीतिक प्रयास और आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनकी भूमिका इसी व्यापक दृष्टिकोण के उदाहरण माने जाते हैं। 2026 में उन्हें लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनके योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया। भारत-चीन संबंधों का सबसे कठिन दौर वर्ष 2020 में गलवान घाटी की हिंसक झड़प के बाद आया। चार वर्षों तक सीमा पर सैन्य तनाव बना रहा। अक्टूबर 2024 में दोनों देशों के बीच सैनिकों की पूर्ण वापसी और संबंधित विवादों के समाधान के बाद संबंधों को धीरे-धीरे पटरी पर लाने की प्रक्रिया शुरू हुई। उसी वर्ष कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात में दोनों नेताओं ने सीमा पर शांति तथा मतभेदों को संबंधों की समग्र दिशा को प्रभावित न करने देने पर जोर दिया था। यही वह बिंदु था जहां डोभाल की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई। दिसंबर 2024 में विशेष प्रतिनिधि स्तर की बातचीत से शुरू हुई प्रक्रिया अब 25वें दौर तक पहुंची है। इस बार आठ बिंदुओं पर बनी सहमति संकेत देती है कि बातचीत केवल औपचारिकता नहीं रह गई है। सीमा निर्धारण और सीमा प्रबंधन के लिए विशेषज्ञ तथा कार्य समूहों को सक्रिय करना, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गलतफहमी रोकने के लिए मौजूदा सैन्य एवं कूटनीतिक माध्यमों का उपयोग और नए संपर्क तंत्र बनाना व्यावहारिक विश्वास निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। भारत-चीन संबंध केवल सैनिक चौकियों और राजनयिक बैठकों तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क भी रहा है। कैलाश-मानसरोवर यात्रा की पुनर्बहाली और विस्तार, सीमा व्यापार मार्गों को फिर खोलना तथा लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। 2026 में कैलाश-मानसरोवर यात्रा लिपुलेख और नाथू ला, दोनों मार्गों से संचालित हुई है। 25वें दौर की वार्ता में तीन निर्धारित सीमा व्यापार केंद्रों को फिर खोलने की प्रगति का स्वागत किया गया तथा व्यापार और तीर्थयात्रा को और मजबूत करने पर सहमति बनी। यह छोटा कदम नहीं है। सीमा पर सैनिकों की संख्या घटाना एक सुरक्षा उपाय है, लेकिन सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के लिए व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क बढ़ाना दीर्घकालिक शांति की सामाजिक नींव तैयार करता है। शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा एक अवसर भी है, परीक्षा भी है। इसी पृष्ठभूमि में 12-13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर पूरी दुनिया की नजर है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा की संभावना जताई जा रही है। यदि यह यात्रा होती है तो यह सात वर्षों में उनकी पहली भारत यात्रा होगी। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार उनके साथ लगभग चार सौ अधिकारियों का बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी आ सकता है। हालांकि 27 अगस्त तक चीन की ओर से उनकी यात्रा की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए शी की संभावित यात्रा को केवल एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी नहीं माना जाना चाहिए। यह भारत-चीन संबंधों की वास्तविक दिशा को परखने का अवसर हो सकती है। वर्ष 2019 का चेन्नई संवाद अपेक्षाकृत सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ था, लेकिन उसके एक वर्ष बाद गलवान ने संबंधों को गहरे संकट में डाल दिया। अब यदि शी नई दिल्ली आते हैं तो दोनों देशों के पास उस टूटे हुए विश्वास को सावधानी से जोड़ने का अवसर होगा। लेकिन भारत को उत्साह में अपनी मूल सुरक्षा चिंताओं को पीछे नहीं छोड़ना चाहिए। अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावे, सीमा निर्धारण का लंबित प्रश्न और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पारदर्शिता जैसी चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। इसलिए भारत की नीति मित्रता की आकांक्षा, लेकिन राष्ट्रीय हितों पर कोई समझौता नहीं होनी चाहिए। डोभाल की विशेषता यही है कि वे संवाद को कमजोरी नहीं बनने देते और शक्ति को टकराव का पर्याय भी नहीं बनाते। उनकी कूटनीति में संदेश स्पष्ट है-भारत शांति चाहता है, लेकिन अपनी सुरक्षा कीमत पर नहीं, सहयोग चाहता है, लेकिन समानता के आधार परय संबंध सुधारना चाहता है, लेकिन सीमा की वास्तविकताओं को भुलाकर नहीं। आज भारत-चीन संबंध जिस मोड़ पर खड़े हैं, वहां डोभाल की भूमिका संकटमोचक से आगे बढ़कर विश्वास-निर्माता और सुरक्षा-आधारित कूटनीति के सूत्रधार की बनती दिखाई देती है। 25वें दौर की वार्ता में हुई आठ सूत्रीय सहमति इसका प्रमाण है कि कठिनतम मतभेदों के बीच भी संवाद के रास्ते खुले रखे जा सकते हैं। शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा इस प्रक्रिया को शीर्ष नेतृत्व की राजनीतिक दिशा दे सकती है। किंतु असली सफलता किसी एक शिखर बैठक की तस्वीर में नहीं, बल्कि सीमा पर स्थायी शांति, पारस्परिक विश्वास, व्यापारिक संपर्क और विवादों के न्यायसंगत समाधान में होगी। भारत को चीन से संबंध सुधारने हैं, लेकिन अपनी सामरिक स्वायत्तता और सुरक्षा-सजगता के साथ। डोभाल की कूटनीति का सार भी यही है-संवाद के दरवाजे खुले रहें, पर राष्ट्रीय हितों की चौखट कभी कमजोर न हो। यही दृष्टिकोण भारत-चीन संबंधों को टकराव से प्रतिस्पर्धी सह-अस्तित्व और अंतत: स्थायी शांति की ओर ले जाने की सबसे व्यावहारिक राह बन सकता है।

प्याज महंगाई पर लगाम दिल्ली पहुंची 453 टन प्याज

नई दिल्ली। एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के शहरों में प्याज की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने और आपूर्ति बढ़ाने के उद्देश्य से, शुक्रवार को महाराष्ट्र के नासिक से पहली कांदा एक्सप्रेस राजधानी पहुंची। यह ट्रेन अपने साथ 21 वैगनों में 453.65 टन प्याज लेकर आई है, जिससे उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने जानकारी दी कि दिल्ली-एनसीआर में यह प्याज 35 प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बेचा जाएगा। इसका कुछ हिस्सा चंडीगढ़, लुधियाना और जम्मू जैसे नजदीकी शहरों में भी भेजा जाएगा।केंद्र सरकार के पास मूल्य स्थिरीकरण कोष के तहत लगभग 1.21 लाख टन प्याज का बफर स्टॉक मौजूद है। चेन्नई के लिए अगली कांदा एक्सप्रेस शुक्रवार को ही रवाना होगी, जिसके बाद मदुरै, एर्नाकुलम और गुवाहाटी जैसे अन्य गंतव्यों के लिए भी रैक भेजे जाएंगे। मंत्रालय को उम्मीद है कि इस बफर स्टॉक की रिलीज से एक सप्ताह के भीतर दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमतों में गिरावट आएगी। उल्लेखनीय है कि बृहस्पतिवार को दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमतें 62 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई थीं, जबकि अखिल भारतीय औसत 46.58 रुपये प्रति किलोग्राम रहा।

वोडाफोन आइडिया को एजीआर राहत से मिली मजबूती

नई दिल्ली। एजेंसी। वोडाफोन आइडिया (वीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) के पुनर्मूल्यांकन से कंपनी की वित्तीय स्थिति काफी मजबूत हुई है और भविष्य के भुगतानों पर स्पष्टता मिली है। उन्होंने वित्त वर्ष 2026-27 को कंपनी के लिए काम को अमल में लाने और पूर्ण करने का साल बताया। केंद्र सरकार ने कर्ज में डूबी वीआई की एजीआर देनदारी करीब 27 प्रतिशत घटाकर 64,046 करोड़ रुपए कर दी है, जिससे कंपनी को 34,552 करोड़ रुपए का एकमुश्त कर-पश्चात लाभ हुआ है। बिड़ला ने कहा कि एक स्पष्ट दीर्घकालिक पुनर्भुगतान कार्यक्रम तय होने से अनिश्चितता दूर हुई है। कंपनी को मार्च 2032 से 2035 तक सालाना न्यूनतम 100 करोड़ रुपए, और मार्च 2036 से 2041 तक सालाना 10,608 करोड़ रुपए का भुगतान करना होगा। बिड़ला ने बताया कि कंपनी ने पहले ही 9,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय के ऑर्डर दे दिए हैं। वोडाफोन और आइडिया के विलय के बाद, वीआई ने जून 2026 की तिमाही में पहली बार शुद्ध ग्राहक जोड़े, यद्यपि सालाना आधार पर ग्राहकों की संख्या में मामूली गिरावट रही। उन्होंने यह भी बताया कि अगस्त 2026 तक कंपनी ने करीब 6,400 करोड़ रुपए का वित्तपोषण जुटाया है, जिसमें आदित्य बिड़ला समूह का 4,730 करोड़ रुपए का निवेश शामिल है।

मीठा हुआ कड़वा! चीनी की महंगाई से बिस्किट, चॉकलेट और मिठाई होंगी महंगी

नई दिल्ली। एजेंसी। मीठे के शौकीनों के लिए बुरी खबर है। चीनी की आसमान छूती कीमतों के कारण अब बिस्किट, चॉकलेट, मिठाई और कोल्ड ड्रिंक्स जैसे उत्पाद महंगे होने की आशंका है। एक वैश्विक ब्रोकरेज फर्म के एक विश्लेषण के मुताबिक, इस महंगाई का सीधा असर ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज जैसी प्रमुख कंपनियों पर पड़ेगा, जिससे उनका मुनाफा प्रभावित होगा। ब्रोकरेज फर्म के आकलन में ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज पर सबसे अ?धिक मार पड़ने का अनुमान है, क्योंकि कंपनी के उत्पादों में चीनी और पाम ऑयल की लागत काफी ज्यादा है। छोटे और कम कीमत वाले पैकेजों के कारण कंपनी के लिए बढ़ी हुई लागत ग्राहकों पर डालना चुनौती होगा, जिससे मुनाफे पर सीधा असर पड़ेगा। नेस्ले इंडिया और वरुण बेवरेजेज भी प्रभावित होंगी। इस संकट के पीछे कई कारण हैं। भारत में त्योहारी सीजन की बढ़ी मांग और खराब मॉनसून से गन्ने की फसल को हुए नुकसान के चलते चीनी का उत्पादन घटा। पिछले एक महीने में दाम करीब 10त्न बढ़ चुके हैं। वैश्विक स्तर पर भी ब्राजील में खराब मौसम और एथेनॉल उत्पादन, भारत, थाईलैंड व यूरोप में कम उपज से संकट गहराया है। सरकार ने कंपनियों को अतिरिक्त स्टॉक बेचने का निर्देश दिया है, लेकिन कंपनियां इसे घाटे का सौदा मान रही हैं।

रुपया 94 तक मजबूत होने की कगार पर?

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रुपये ने शुक्रवार को ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं दिखाया, लेकिन बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में रुपये में बड़ी मजबूती दिख सकती है। उनके मुताबिक रुपया डॉलर के मुकाबले 94 के स्तर तक मजबूत हो सकता है। यह अनुमान रिजर्व बैंक की कुशल रणनीति और देश में भारी डॉलर आवक पर आधारित है। फिलहाल डॉलर के मुकाबले रुपया 95 से 96 के दायरे में रह सकता है। हालांकि, उनका मानना है कि अगर डॉलर 95 रुपये से नीचे बंद होता है, तो आगे यह 94 रुपये की तरफ जा सकता है, जिससे डॉलर सस्ता और रुपया और मजबूत होगा। इस मजबूती की मुख्य वजह भारी डॉलर आवक है। रिजर्व बैंक की विशेष स्वैप सुविधा के तहत 21 अगस्त तक लगभग 73 अरब डॉलर का निवेश आ चुका है, जिसमें से 65 अरब डॉलर से अधिक की रकम जमाओं के जरिए आई है। इन जमाओं की समयसीमा 31 अगस्त है, जबकि विदेशी कर्ज सुविधा दिसंबर तक खुली है। बनर्जी का अनुमान है कि इन योजनाओं से कुल 85 से 90 अरब डॉलर की रकम आ सकती है, जो 2013 की समान योजना से करीब ढाई गुना अधिक है। ?विशेषज्ञ बताते हैं कि रिजर्व बैंक ने इस आवक के एक बड़े हिस्से को अपने विदेशी मुद्रा भंडार में समाहित किया है। 5 जून से 14 अगस्त के बीच देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 35 अरब डॉलर बढ़कर 716.9 अरब डॉलर हो गया है। यह ऐसे समय हुआ है जब कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के दौरान आरबीआई ने रुपये को स्थिर रखने के लिए बाजार में डॉलर बेचे थे। आरबीआई ने डॉलर को सीधे बाजार में आने देने के बजाय इसे भंडार में रखकर रुपये को सहारा दिया और भविष्य की जरूरतों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच तैयार किया। बनर्जी का रुख भारतीय रुपये को लेकर सकारात्मक बना हुआ है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददरी हावी रहने से आया है। इसके साथ ही दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 330.92 अंक बढ़कर 77,264.51 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 84.80 अंक उछलकर 24,175.65 पर बंद हुआ। इससे पिछले दो दिनों से जारी गिरावट भी रुक गयी। आज व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.05 फीसदी और 0.20 फीसदी की बढ़त रही। वहीं क्षेत्रवार देखें तो, निफ्टी आईटी सबसे आगे बढ़ने वाला क्षेत्र रहा। इसमें 3.51 फीसदी उछाल आया। इसके अलावा, निफ्टी मेटल, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मीडिया और निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयरों में भी तेजी रहीं। वहीं इसके विपरीत, निफ्टी केमिकल्स, निफ्टी सीमेंट, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी

फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी ऑटो के शेयरों में गिरावट आई। निफ्टी इंडेक्स में टीसीएस, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक और विप्रो के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही और ये दिन के सबसे अधिक उछाल वाले शेयर रहे। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, श्रीराम फाइनेंस, आईटीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स ने 77,128.05 पर खुलने के बाद तेजी पकड़ी। वहीं निफ्टी ने आज 24,122.60 पर अपनी शुरुआत करते हुए गति पकड़ी । दूसरी ओर एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। जापान का निक्केई 225 करीब 0.82 फीसदी ऊपर कारोबार कर रहा था, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.14 फीसदी नीचे कारोबार कर रहा था। एनवीडिया के बेहतर बिक्री अनुमान के बाद बाजार में दिखा शुरुआती उत्साह भी कुछ कम हुआ है। वहीं नतीजों के बाद मार्वेल टेक्नोलॉजी के शेयर करीब 7 फीसदी गिर गए। वहीं अमेरिकी बाजारों से हालांकि अच्छे संकेत मिले हैं। गुरुवार को डाओ जोंस 0.20 फीसदी और एसएंडपी 500 करीब 0.72 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। टेक शेयरों वाले नैस्डैक कंपोजिट में सबसे ज्यादा तेजी रही और यह 1.57 फीसदी चढ़कर बंद हुआ।

कच्चे तेल की कीमतों में फिर गिरावट

नई दिल्ली। एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में शुक्रवार सुबह एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड का नवंबर वायदा 0.36 फीसदी टूटकर 88.20 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड का अक्टूबर वायदा भी 0.25 फीसदी की गिरावट के साथ 83.32 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अभी पूरी तरह

खत्म नहीं हुआ है, जो आम तौर पर तेल की कीमतों में उछाल लाता है।दिनभर के कारोबार में ब्रेंट क्रूड 88.10 से 88.73 डॉलर के दायरे में रहा, जबकि डब्ल्यूटीआई 83.03 से 83.76 डॉलर के बीच कारोबार करता दिखा। हालांकि, इस बार बाजार की प्रतिक्रिया अलग रही। आम तौर पर पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने पर वैश्विक तेल आपूर्ति में रुकावट की आशंका से कीमतें बढ़ती हैं, लेकिन इस बार बाजार में ऐसी कोई चिंता नहीं दिख रही है। यही कारण है कि ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे आ गया है। पूरे हफ्ते की बात करें तो कच्चे तेल में अच्छी-खासी कमजोरी देखी गई है। इस सप्ताह ब्रेंट क्रूड में लगभग 5.3 फीसदी और डब्ल्यूटीआई में करीब 4.3 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। यदि शुक्रवार को भी यह कमजोरी बनी रहती है, तो यह लगातार दो हफ्तों की तेजी के बाद कच्चे तेल की पहली साप्ताहिक गिरावट होगी। विश्लेषकों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका और तेल की पर्याप्त आपूर्ति बाजार पर दबाव बनाए हुए है।

सोने का भाव 1,57,911 और चांदी 2,40,181 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली। एजेंसी। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर सोना या चांदी खरीदने का मन बना रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। शुक्रवार को घरेलू वायदा बाजार सहित अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में नरमी देखने को मिली। इस गिरावट से खरीदारों को थोड़ी राहत मिली है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर वाला वायदा भाव 637 रुपये गिरकर 1,58,359 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। कारोबार के दौरान सोने का भाव 1,57,911 रुपये तक नीचे गया, जबकि इसका ऊपरी स्तर 1,58,996 रुपये रहा। इसी तरह, चांदी में भी गिरावट दर्ज की गई। एमसीएक्स पर 4 सितंबर वाली चांदी 470 रुपये यानी 0.20 फीसदी गिरकर 2,40,181 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। इसका निचला स्तर 2,39,049 रुपये और ऊपरी स्तर 2,40,651 रुपये रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार का हाल- घरेलू बाजार की तरह अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं पर दबाव दिखा। कॉमेक्स पर सोना 0.62 फीसदी गिरकर 4,635.20 डॉलर प्रति औंस पर और चांदी 0.79 फीसदी गिरकर 68.880 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। सोने की गिरावट की बड़ी वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वार्श के जैक्सन होल में होने वाले संबोधन से पहले निवेशकों की सावधानी है। इसके अलावा, सोने-चांदी की कीमतों पर अमेरिकी महंगाई के आंकड़ों का भी असर पड़ा है। अमेरिका में फेड की नजर में अहम माने जाने वाले महंगाई के आंकड़ों में तेजी के बाद बॉन्ड यील्ड और डॉलर को मजबूती मिली, जिसके चलते सोने-चांदी में मुनाफावसूली देखने को मिली। दरअसल, सोना कोई ब्याज नहीं देता है। ऐसे में जब अमेरिका में ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची रहने या आगे बढ़ने की संभावना बढ़ती है, तो निवेशकों के लिए बॉन्ड जैसे विकल्प अधिक आकर्षक हो सकते हैं, जिससे सोने पर दबाव बढ़ता है।

मेष- आज माहौल आपके पक्ष में रहेगा और आपके अच्छे कामों की खुलकर तारीफ हो सकती है। संभव है कि मेहनत के लिए कोई सम्मान या पुरस्कार भी मिले। ऑफिस में आपकी लगन देखकर बॉस खुश रहेंगे। संतान को दी गई जिम्मेदारी वह अच्छी तरह निभाएगी और सेहत में भी सुधार महसूस होगा। हां, आपकी मदद करने की आदत को कुछ लोग गलत समझ सकते हैं। परिवार की छोटी-मोटी उलझनें प्यार और समझदारी से सुलझ जाएंगी।

वृषभ- आज नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन खुशियां लेकर आ सकता है। प्रमोशन या तरक्की की खबर आपका उत्साह बढ़ाएगी और आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। जीवनसाथी के साथ शॉपिंग का आनंद ले सकते हैं। हालांकि किसी भी फैसले में जल्दबाजी से बचें। खासकर शेयर मार्केट या किसी बड़े निवेश में पैसा लगाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना आपके लिए बेहतर रहेगा।

मिथुन- आज का दिन सामान्य रहेगा, लेकिन कई अच्छे मौके आपके सामने आ सकते हैं। नई प्रॉपर्टी खरीदने का विचार मन में जगह बना सकता है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में ध्यान और निरंतरता बनाए रखनी होगी। किसी दोस्त की नाराजगी आपके शब्दों से जुड़ी हो सकती है, इसलिए बोलते समय थोड़ा संयम रखें। जल्दबाजी से बचेंगे तो कई परेशानियों से दूर रहेंगे। परिवार में शादी से जुड़ी अड़चन दूर होने से खुशी मिलेगी।

कर्क- आज सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी के संकेत हैं। आप अपने रहन-सहन को बेहतर बनाने के लिए कुछ खर्च कर सकते हैं और संतान की कोई इच्छा पूरी करने का भी मन बनेगा। लेकिन किसी अनजान व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचें। राजनीति या जीवन से जुड़े बड़े फैसलों में भावनाओं के बजाय समझदारी से कदम उठाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

सिंह- आज सामाजिक स्तर पर आपकी मौजूदगी खास नजर आएगी और लोगों के बीच आपका नाम और सम्मान बढ़ सकता है। पुराने कर्ज से राहत मिलने के संकेत हैं, हालांकि आय के स्रोत मजबूत बनाए रखना जरूरी होगा। सेहत से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण फैसला ले सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई में लापरवाही से नुकसान हो सकता है। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात कारोबार के लिए नए रास्ते खोल सकती है।

कन्या- आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। संतान के करियर या भविष्य को लेकर यात्रा करनी पड़ सकती है। आमदनी अच्छी रहे, इसके बावजूद खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। मां से किया कोई वादा भूलना परेशानी खड़ी कर सकता है। हर किसी पर तुरंत भरोसा करने के बजाय लोगों को समझकर आगे बढ़ें। बैंकिंग और निवेश से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा रह सकता है।

तुला- आज सबसे जरूरी है कि किसी भी काम में जल्दबाजी न करें। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई सौदा सोचने से पहले सभी पहलुओं की अच्छी तरह जांच कर लें। संतान के एडमिशन के सिलसिले में नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। किसी को उधार दिया गया पैसा रिश्तों में तनाव पैदा कर सकता है। मां की सेहत को लेकर थोड़ी अतिरिक्त सावधानी बरतना आपके लिए जरूरी रहेगा।

वृश्चिक- आज सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी जरूरी है। खासकर खान-पान में लापरवाही न करें। घर के रिनोवेशन या मरम्मत का काम शुरू हो सकता है, जिसमें समय और मेहनत दोनों लगेंगे। इसी वजह से दूसरे कामों में थोड़ी सुस्ती महसूस हो सकती है। ऑफिस में मनचाहा काम न मिलने से निराशा हो सकती है, लेकिन जिम्मेदारियों से पीछे हटने के बजाय उन्हें पूरा करना आपके हित में रहेगा।

धनु- आज का दिन शुभ संकेतों से भरा रहेगा। घर में किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती है, जिससे परिवार में खुशी का माहौल बनेगा। खर्च करते समय अपनी वास्तविक जरूरतों को प्राथमिकता दें। लंबे समय से अटका सरकारी काम पूरा होने की उम्मीद है। बेवजह घूमने-फिरने या दोस्तों के साथ जरूरत से ज्यादा समय बिताने से बचें, क्योंकि इससे घर या रिश्तों में अनावश्यक तनाव पैदा हो सकता है।

मकर- आज कारोबार में अच्छे लाभ के योग बन रहे हैं और आपकी योजनाएं आपको आगे ले जा सकती हैं। हालांकि किसी पर भी आंख बंद करके भरोसा करना ठीक नहीं रहेगा। परिवार में आपसी एकता और संवाद बनाए रखना जरूरी होगा। संतान आपकी किसी बात को नजरअंदाज कर सकती है, इसलिए अभी से प्यार और समझदारी से बात करें।

कुंभ- आज अपने घर का सपना पूरा होने की दिशा में कोई बड़ी प्रगति हो सकती है। कामकाज में आपकी मेहनत ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी, इसलिए दूसरों पर जरूरत से ज्यादा निर्भर न रहें। पुरानी स्वास्थ्य समस्या को नजरअंदाज करने के बजाय समय पर डॉक्टर की सलाह लेना बेहतर होगा।

मीन- आज बहस और बेवजह की तकरार से दूरी बनाए रखना ही समझदारी होगी। संतान की पढ़ाई को लेकर उसे बाहर भेजने का विचार बन सकता है। कारोबार में चल रही परेशानियां धीरे-धीरे कम होंगी। जीवनसाथी के लिए कोई छोटा-सा सरप्राइज प्लान करके रिश्ते में खुशियां बढ़ा सकते हैं। आपकी नई कोशिशों को सफलता मिलने के संकेत हैं।

शब्दजाल - 8364

अ	का	र्या	ल	य	द	मं	सि	या	र	क
दा	वि	ल	ग	व	जी	त्रा	द	इ	ता	ली
गि	सू	शे	ल	बा	छ	ल	ता	रा	क	क
री	ज	च	दो	दे	ज	य	ह	न	त	चि
मे	खु	दो	ना	वा	लं	का	म	ग	व	कि
घा	द	ल	प	ल	ख	पू	ना	हि	र	त्सा
ल	लो	म	ड़ी	य	य	र	शौ	र	र	ल
य	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	चा	लो	श	य
ने	बा	म	न्न	ब्रा	न्या	या	ल	य	प	क
तें	भो	ज	ना	ल	य	र्त	य	बें	हा	त
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	वि	द्या	ल	य	थ

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'लय' शब्द लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

मंत्रालय, विद्यालय, कार्यालय, सूचनालय, देवालय, भोजनालय,शौचालय, न्यायालय, मेघालय, चिकित्सालय,

शब्दजाल - 8363 का हल

श	रा	ना	जी	वा	द	ह	ट	झ	क	चि
आ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	आ	स्वा	द
तं	र	ह	अ	भि	वा	द	म	ला	ल	ना
क	म	दा	नु	ल	क	इ	वा	दा	र	नि
वा	रा	र	वा	हा	मि	री	द	स	र	विं
द	ह	प	द	दा	ह	ला	ती	ड़	न	वा
ट	ट	बु	अं	र	म	ट	ह	ला	ह	द
प	जी	वा	मा	क	मा	सौ	न	ट	जू	ट
रि	थो	तें	व	या	र्क्स	दा	ने	दा	र	द
वा	ल	प	ति	रं	वा	ऐ	बें	न	रु	थो
द	इ	पा	ह	ट	द	द	ख	ला	ह	ट

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

29 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.06 बजे से
चंद्र	कुंभ में	तुला	09.17 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	11.31 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.47 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	15.52 बजे से
शुक्र	कन्या में	कुंभ	17.39 बजे से
शनि	मीन में	मीन	19.12 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.42 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.22 बजे से
		मिथुन	00.20 बजे से
		कर्क	02.34 बजे से
		सिंह	04.50 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 241 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण
तिथि प्रतिपदा 09.57 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 03.42 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सुकर्मा 06.36 बजे तदनन्तर धृति 05.22 बजे को समाप्त।
करण कौलव 09.57 बजे तदनन्तर तैतिल 21.51 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 16.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 09° 25'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872816
जूलियन दिन 2461281.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उलावल **तारीख** 15

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7308

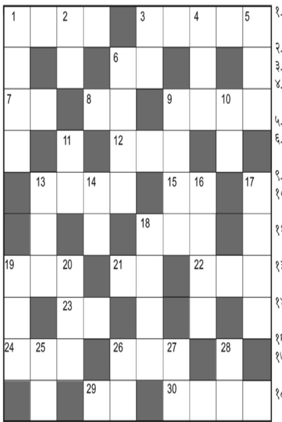

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, राखी, जूही की फिल्म-२,२
२. अतीन भल्ला, संदली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, बॉबी, उर्मीला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६.'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तन' में रजिया सुल्तन की शीर्षक भूमिका किसने की हैं-२
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली फिल्म-२
९. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरूख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-२
३०. सुमीत सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली - 7307

का	ला	प	त्थ	र		को	ह	रा	
र		ड़े		क्ष	त्रि	य		जा	ल
वॉ		स	ड़	क		ला	वा		म्हे
	जा	न			ज		दा	दा	
दि	ल		ख	ट्टा	मी	ठा		मि	ली
व्या		खे	ल		र		स	नी	
	प		ना	ना		डॉ	न		डो
प	रि	च	य		सु		म	वा	ली
	वा		क	सू	र			रि	
पा	र	स		र्या		वि	रा	स	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः उत्साह का पाठ

एक दार्शनिक किसी काम से बाहर जा रहे थे। वह एक टैक्सी में सवार हुए। टैक्सी में बैठने के बाद दार्शनिक ने टैक्सी वाले की उदास शक्ल देखकर पूछा, 'क्या भाई, तुम बीमार हो?' यह सुनकर टैक्सी वाला बोला, 'सर, क्या आप डॉक्टर हैं?' दार्शनिक ने जवाब दिया, 'नहीं, दरअसल तुम्हारा चेहरा तुम्हें थका हुआ और बीमार बता रहा है।' इस पर टैक्सी वाला ठंडी आह भरते हुए बोला, 'हां, आजकल मेरी पीठ में दर्द रहता है।' उम्र पूछे जाने पर वह बोला, 'तीस वर्ष।' इस पर दार्शनिक ने कहा, 'इतनी कम उम्र में पीठ दर्द। यह तो मात्र व्यायाम से बिना दवा के ही ठीक हो सकता है।' इसके बाद वह बोले, 'क्यों भाई, क्या आजकल धंधे में कड़की चल रही है?' टैक्सी वाले ने आश्चर्य से कहा, 'साहब, आपको कैसे पता? क्या आप कोई ज्योतिषी हैं?' दार्शनिक मुस्कराते हुए बोले, 'भैया, मैं ही क्या, कोई भी तुम्हें यही कहेगा। अरे, जब तुम हर वक्त बुझे चेहरे से सवारियों का स्वागत करोगे तो भला कौन तुम्हारी टैक्सी में बैठना चाहेगा? तुम्हारी आमदनी तो कम होगी ही। जीवन में सफलता के लिए उत्साह का होना बहुत जरूरी है।' यह सुनकर टैक्सी वाला जैसे सोते से जागा और बोला, 'आज आपने मुझे मेरी गलती का अहसास करा दिया।' फिर तीन-चार वर्षों के बाद एक दिन एक सज्जन ने उन दार्शनिक की पीठ पर हाथ रखते हुए मुस्करा कर पूछा, 'सर कैसे हैं?' दार्शनिक बोले, 'ठीक हूं बेटा, पर मैंने तुम्हें पहचाना नहीं।' इस पर वह सज्जन बोले, 'सर, मैं वही टैक्सी वाला हूं जिसे आपने उत्साह का पाठ पढ़ाया था। आज आपकी दी हुई शिक्षा के कारण ही मेरी बारह टैक्सियां किराए पर चल रही हैं और मेरा व्यवसाय फल-फूल रहा है। अब मैं भी हर उदास व्यक्ति को उत्साह के साथ मुस्कराते हुए काम करने की सलाह देता हूं।' दार्शनिक ने कहा, 'यह बेहद जरूरी है।' फिर उस सज्जन ने दार्शनिक के पैर छूकर उनसे आशीर्वाद लिया।

सूडोकु नवताल- 7617

★★★✯✩ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल -7616 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 8832

बाएँ से दाएँ

1.सरस्वती-3
3.किनारा,तट-3
5.मूल्य,कीमत-2
6.उस समय-2
8.प्रबंध,व्यवस्था-4
10.नमक-3
11.अधीन,मातहत-3
12.संज्ञा,संबोधन-2
13.मार्ग,रास्ता-2
14.तीर्थ,धार्मिक यात्रा-3
16.धुन,आसक्ति-3
18.जमानत-4
20.रहस्य-2
22.पुत्र,तनय-2
23.मुलायम-3
24.गंवार,अनपढ़-3

ऊपर से नीचे

1.संध्या,सांझ-2
2.असुर,दैत्य-3
3.शोरबा,रसा-3
4.बुरी आदत-2
5.प्रवेश,एडमिट-3
7.वर यात्रा,दूल्हे का जुलूस-3
8.प्रियतम,साजन-4
9.अनाज-2
11.सनसनी,रोमांच-4
14.तृतीय-3
15.सच्चाई,सत्य-2
17.जिसकी नाक कटी हो, वादा फरामोश-3
18.मुंशी,दीवान-3
19.रवैया,तरीका-3
21.आम जनता-2
22.लता,लतिका-2

शब्द पहेली -8831 का हल

	ना	ह	र			आ		सी
गों		म		फ	स	ल		ल
क	म	ला	क	र		म	ही	न
		व		क	म		र	
ब	ना	र	स		द	र	क	ना
	जु		म	य		ख		
अ	क	ल		ती	मा	र	दा	री
स		क	र	म		खा		स
ली		बा			ह	व	न	

Jagrutidaur.com, Bangalore

भाई-बहन के अटूट स्नेह का पर्व रक्षाबंधन हर्षोल्लास से मनाया

बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधी राखी, सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना की

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नगर सहित क्षेत्र में भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन शुक्रवार, 28 अगस्त को हर्षोल्लास एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में पर्व को लेकर उत्साह का माहौल रहा। बहनों ने भाइयों को तिलक लगाकर उनकी कलाई पर राखी बांधी, आरती उतारी और मिष्ठान व फल खिलाकर उनके सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर जीवनभर उनकी रक्षा एवं हर परिस्थिति में साथ निभाने का संकल्प लिया।

रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों के लिए विशेष तैयारियां कीं। पूजन की थाली सजाकर विधि-विधान से राखी बांधी गई। कई परिवारों में बहनों ने भाइयों के घर पहुंचकर पर्व मनाया, वहीं दूर रहने वाली बहनों ने डाक के माध्यम से राखियां भेजकर भाई की कलाई सूनी न रहने देने का प्रयास किया। आधुनिक दौर में ऑनलाइन माध्यम से भी राखी, मिठाई और उपहार भेजने का चलन देखने को मिला। दूर शहरों में रहने वाले भाई-बहनों ने वीडियो कॉल एवं मोबाइल के माध्यम से एक-दूसरे को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

ब्राह्मणों ने यजमानों को बांधा रक्षासूत्र

रक्षाबंधन पर्व पर भाई-बहन के रिश्ते के साथ धार्मिक परंपराओं का भी निर्वहन किया गया। ब्राह्मणों ने अपने-अपने यजमानों को रक्षासूत्र बांधकर उनके सुख, शांति, समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की। मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही और लोगों ने पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

बाजार में रही दिनभर रौनक

रक्षाबंधन पर्व के चलते नगर के बाजार में भी अच्छी-खासी चहल-पहल देखने को मिली। राखी, मिठाई, फल एवं उपहार की दुकानों पर सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ रही। बहनों ने भाइयों के लिए पसंदीदा राखियां और मिठाइयां खरीदीं। पर्व के चलते दुकानदारों में भी खासा उत्साह नजर आया।

वहीं क्षेत्र के आसपास के गांवों में रहने वाली बहनें अपने भाइयों के घर पहुंचकर रक्षाबंधन मनाने के लिए सुबह से ही निकलती नजर आईं। दिनभर दोपहिया वाहनों से महिलाएं एवं युवतियां अपने भाइयों के गांवों की ओर जाते हुए दिखाई दीं। कई परिवारों में वर्षों बाद एक साथ मिले भाई-बहनों ने रक्षाबंधन का पर्व उत्साह और आत्मीयता के साथ मनाया।

कुल मिलाकर रक्षाबंधन पर्व ने नगर एवं ग्रामीण अंचलों में भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और पारिवारिक रिश्तों की मिठास को और मजबूत किया। पूरे क्षेत्र में दिनभर पर्व की खुशियां और उत्साह का माहौल बना रहा।

पवित्रता के बंधन में बांधता है रक्षाबंधन का पर्व-ब्रह्माकुमारी कल्याणी

ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र में हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के लांजी सेवाकेंद्र में रक्षाबंधन का पर्व श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शासकीय अस्पताल के पीछे ऐरीगेशन ऑफिस रोड स्थित सेवाकेंद्र में आयोजित कार्यक्रम में भाई-बहनों ने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक महत्व को समझते हुए पवित्रता और सद्विचारों का संकल्प लिया। सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी कल्याणी बहनजी ने उपस्थित भाइयों को परमात्म रक्षासूत्र बांधते हुए जीवन को सदा पवित्रता के बंधन में बांधने तथा बुराइयों से दूर रहने का संकल्प कराया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल एक-दूसरे की रक्षा का पर्व नहीं, बल्कि मन, वचन और कर्म को पवित्र बनाने तथा जीवन में सकारात्मकता अपनाने का संदेश भी देता है। इस अवसर पर विधायक राजकुमार कर्राहे, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रेखा कालबेले, पूर्व विधायक रमेश भटेरे के निवास बोलेगांव, पूर्व विधायक सुश्री हिना कावरे के निवास सोनपुरी किरनापुर पहुंचकर उन्हें रक्षासूत्र बांधा। इसी तरह पुलिस थाना लांजी पहुंचकर उपनिरीक्षक विधि पांडे सहित पुलिस स्टाफ को भी परमात्म रक्षासूत्र बांधा गया। सभी को सदैव शुभ एवं सकारात्मक विचार रखने और समाज में सद्भावना का वातावरण बनाए रखने का संकल्प कराया गया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी कल्याणी बहनजी के साथ सुनीता महोबिया, रीता चोरवाड़े, सरिता चोरवाड़े, नत्थूलाल घरते, यादोराव मोरघड़े सहित सेवाकेंद्र से जुड़े भाई-बहन उपस्थित रहे।

पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रहा दंपती गिरफ्तार

नई दिल्ली। एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की उत्तरी रेंज ने आईएसआई समर्थित पाकिस्तान के जासूसी नेटवर्क का पता लगाया है। पुलिस ने दिल्ली के एक दंपती को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि एमडी साहिल और उसकी पत्नी समीरा पर 2024 से सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों के लिए काम करने का आरोप है। दोनों दिल्ली के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक, दंपती पाकिस्तानी हैंडलर्स को लॉजिस्टिक मदद देता था। वे भारतीय सिम कार्ड खरीदकर दुबई के रास्ते पाकिस्तान भेजते थे, ताकि पाकिस्तानी खुफिया एजेंट उनका इस्तेमाल कर सकें। जांच की शुरुआत तब हुई, जब स्पेशल सेल को दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय आईएसआई समर्थित पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों के नेटवर्क की जानकारी मिली। पुलिस के अनुसार, इस मॉड्यूल ने दिल्ली में स्थानीय लोगों को लॉजिस्टिक मदद और भारतीय सिम कार्ड जुटाने के लिए भर्ती किया था।

भारतीय सेना अमेरिकी जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल खरीदेगी

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय सेना अमेरिका से जैवलिन एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम खरीद रही है। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने शुक्रवार को बताया कि, इसे खरीदने के लिए भारतीय सेना की ओर से लेटर ऑफ ऑफर एंड एक्सेप्टेंस पर साइन कर दिए गए हैं। जैवलिन एक एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम है। इसे सैनिक कंधे से लॉन्च कर सकते हैं और यह बख्तरबंद वाहनों जैसे लक्ष्यों को निशाना बनाने के लिए बनाया गया है। एक बार दागने के बाद मिसाइल खुद ही थर्मल टेंपरेचर से टारगेट को ढूंढ लेती है और उसे हिट करती है। भारत कितने जैवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम खरीद रहा है और इस सौदे की कुल कीमत कितनी है, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

आदर्श युवा शक्ति समिति ने आदिवासी गांवों में बांटी उपयोगी सामग्री, शिक्षा व स्वच्छता का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। लांजी। सामाजिक सेवा और जनजागरूकता की दिशा में आदर्श युवा शक्ति समिति ग्राम दुलापुर द्वारा सराहनीय पहल की गई। समिति के युवाओं ने बुधवार, 26 अगस्त को लांजी क्षेत्र के अतिपिछड़े आदिवासी ग्राम संदुका एवं सायर में सेवा एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर स्कूली बच्चों तथा ग्रामीणों को उपयोगी सामग्री वितरित की।

कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों को कपड़े एवं हेयर बेल्ट, जबकि ग्रामीणों को कपड़े, साबुन, जूते एवं चप्पल वितरित किए गए। सामग्री पाकर बच्चों और ग्रामीणों में उत्साह देखने को मिला। समिति के सदस्यों ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए व्यक्तिगत स्वच्छता, साफ-सफाई, साबुन से हाथ धोने और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के महत्व की जानकारी दी। युवाओं ने स्कूली बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय जाने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा शिक्षा को अपने उज्ज्वल भविष्य का आधार बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना समाज के विकास के लिए आवश्यक है। समिति के सदस्यों ने कहा कि समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्ग तक पहुंचकर उनकी आवश्यकताओं में सहयोग करना ही सामाजिक सेवा का वास्तविक उद्देश्य है। युवाओं ने भविष्य में भी ऐसे सेवा, सहयोग और जनजागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया।

ये सदस्य रहे उपस्थित

कार्यक्रम में आदर्श युवा शक्ति मंच के संजय धारणे, टूमन घोरमारे, अतुल हनाते, शंकरलाल बरगैया, सुमित टांडेकर, संजय हनोते, धर्मेंद्र धारणे, भूपेश साकुलकर, उत्तम धारणे, अजय घोरमारे, रवि नारनौरे, नानुक ऊके, हर्षित धारणे, भूपेंद्र सोनवाने, चमरूलाल श्यामकुवर, गणेश धारणे, मुकेश साकुलकर, सदन झगराहे, इरफान खान, अजय साकुलकर, चंद्रशेखर दुरुगकर, कैलाश नेवारे, ओ.पी. नेवारे, योगेश पिपरेवार, सेवकराम नारनौरे, नंदलाल बरगैया, शत्रुघ्न नेवारे, माना समाज महिला समिति दुलापुर, दीनदयाल सिरामे, रोहित घोरमारे, जीतेन्द्र बम्बूरे, परशुराम धारणे, रितेश वाकड़े, चेतन घोरमारे, मोहन कूचलाहे, विजय भोंडेकर, अनाराम कलपुरे, चंद्रकुमार नागवंशी, शंकर चौधरी, रविकुमार खोब्रागड़े, रविंद्र धारणे, ताराचंद कुचलाहे, ढालेन्द्र कुमार घोरमारे, दुर्गेश मचगैया, संतोष घोरमारे, अशोक सोनवाने, टीकाराम नेवारे, लीवेश घोरमारे, अंकित नागवंशी, साहूलाल नागेश्वर, संजय बरगैया, चमन वाकड़े, चैतेन्द्र बम्बूरे, देवाजी वाकड़े, भागवत धारणे, डुलेश्वर हरदे एवं घनश्याम सोनवाने सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने समिति की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ने के साथ ग्रामीणों में स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता आती है। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की।

आज हुए लोकसभा चुनाव..चौंथी बार फिर बना सकती हैं एनडीए सरकार

नई दिल्ली। एजेंसी। अगर आज देश में लोकसभा चुनाव होते हैं, तब केंद्र में किसकी सरकार बनेगी? प्रधानमंत्री पद के लिए जनता की पहली पसंद कौन है? इन महत्वपूर्ण सवालों का जवाब एक ताजा सर्वे में सामने आया है, जिसके मुताबिक फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) केंद्र में सरकार बना सकता है। सर्वेक्षण के अनुसार, लोकसभा चुनाव होने पर एनडीए को 326 सीटें मिलने का अनुमान है, जो बहुमत के आंकड़े से कहीं ज्यादा है। वहीं, इंडिया ब्लॉक को 185 सीटें और अन्य दलों के खाते में 32 सीटें जा सकती हैं। वोट शेयर के हिसाब से एनडीए को 45 फीसदी, इंडिया ब्लॉक को 39 फीसदी और अन्य को 16 फीसदी वोट मिलने का अनुमान है। सिर्फ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को 261 सीटें, जबकि कांग्रेस को 106 सीटें मिलने का अनुमान जाहिर किया गया है। वहीं जेन-जी के बीच हुए इस सर्वे में प्रधानमंत्री पद के लिए जनता की पहली पसंद अभी भी नरेंद्र मोदी बने हुए हैं, उन्हें 49 प्रतिशत लोगों ने सबसे अच्छा विकल्प बताया। राहुल गांधी को 27 प्रतिशत और तमिलनाडु के नेता सी.जोसेफ विजय को 9 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला। प्रधानमंत्री मोदी के कामकाज को लेकर भी सकारात्मक राय सामने आई है, जहां 51 प्रतिशत लोगों ने उनके प्रदर्शन को अच्छा बताया। एनडीए सरकार के समग्र प्रदर्शन पर संतुष्टि अगस्त 2026 में 50 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि 29 प्रतिशत लोग असंतुष्ट दिखे। देश के विभिन्न राज्यों में भी सियासी समीकरणों का आकलन हुआ है। उत्तर प्रदेश में इंडिया ब्लॉक को 41 और एनडीए को 38 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि महाराष्ट्र में एनडीए को 31 और इंडिया ब्लॉक को 17 सीटें मिल सकती हैं। पश्चिम बंगाल में एनडीए को 35 सीटों के साथ बढ़त मिलने की संभावना है। महत्वपूर्ण नीतिगत मुद्दों पर भी जनता की राय स्पष्ट है। एक देश, एक चुनाव के विचार को 70 प्रतिशत लोगों का भारी समर्थन मिला है, जबकि 65 प्रतिशत लोग दलबदल विरोधी कानून को और मजबूत करने के पक्ष में हैं। राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड को लेकर 47 प्रतिशत लोगों ने केंद्र और राज्य दोनों सरकारों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की बात कही है। यह सर्वेक्षण देश के सभी राज्यों और लोकसभा क्षेत्रों में 1 जुलाई 2026 से 25 अगस्त 2026 के बीच 25,184 वयस्कों की राय और पिछले 24 हफ्तों में 91,795 लोगों से ली गई राय के विश्लेषण पर आधारित है। कुल 1,16,644 लोगों की राय का निचोड़ लेकर यह रिपोर्ट तैयार की गई है, जिसमें 3 से 5 प्रतिशत तक के मार्जिन ऑफ एरर की संभावना है।

2030 तक 45 अरब की स्पेस इकोनॉमी, इन कंपनियों पर निवेशकों की नजर

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र तेजी से सरकारी दायरे से निकलकर निजी कंपनियों और स्टार्टअप्स के लिए बड़ा कारोबारी अवसर बन रहा है। सरकारी अनुमानों और जेफरीज की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की स्पेस इकोनॉमी 2030 तक बढ ?र करीब 40-45 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। 2023 में इसका आकार करीब 8.4 अरब डॉलर आंका गया था। यानी अगले कुछ वर्षों में भारतीय स्पेस मार्केट के कई गुना विस्तार की संभावना है। भारत की मौजूदा ग्लोबल स्पेस इकोनॉमी में हिस्सेदारी करीब 2-3 प्रतिशत है। सरकार का लक्ष्य इसे 2030 तक करीब 8त्न तक ले जाने का है। इस बदलाव में निजी कंपनियों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। भारतीय स्पेस सेक्टर में सबसे बड़ा बदलाव स्टार्टअप इकोसिस्टम के विस्तार के रूप में दिखाई देता है। 2014 में देश में स्पेस से जुड़ा सिर्फ एक स्टार्टअप था, जबकि 2026 तक इनकी संख्या 400 से ज्यादा हो चुकी है। इन कंपनियों का काम केवल रॉकेट बनाने तक सीमित नहीं है। सैटेलाइट निर्माण, अर्थ ऑब्जर्वेशन, स्पेस सर्विलांस, प्रोपल्शन, ग्राउंड स्टेशन और सैटेलाइट डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में भी भारतीय कंपनियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

सरकार की नीतियों ने खोला रास्ता

भारत ने 2020 में स्पेस सेक्टर को निजी कंपनियों के लिए खोलने की दिशा में बड़ा कदम उठाया था। इसके बाद इंडियन स्पेस पॉलिसी 2023 ने निजी कंपनियों के लिए एक व्यापक नीतिगत ढांचा तैयार किया। निजी कंपनियों को मंजूरी और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए इन-स्पेस को सिंगल-विंडो एजेंसी की भूमिका दी गई। इससे कंपनियों के लिए अंतरिक्ष गतिविधियों को शुरू करना और सरकारी इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच बनाना आसान हुआ है। सरकार ने स्टार्टअप्स को पूंजी उपलब्ध कराने के लिए 1,000 करोड़ के वेंचर कैपिटल फंड, टेक्नोलॉजी अडॉप्शन फंड और सीड फंड जैसी पहल भी शुरू की हैं।

एफडीआई नियमों में भी ढील

स्पेस सेक्टर में विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए एफडीआई नियमों को भी आसान किया गया है। सैटेलाइट मैन्युफैक्चरिंग और ऑपरेशन में ऑटोमैटिक रूट से 74 प्रतिशत तक एफडीआई की अनुमति है। लॉन्च व्हीकल और स्पेसपोर्ट से जुड़े क्षेत्रों में 49 प्रतिशत तक ऑटोमैटिक एफडीआई की व्यवस्था है। वहीं सैटेलाइट, ग्राउंड और यूजर सेगमेंट के कंपोनेंट्स तथा सब-सिस्टम की मैन्युफैक्चरिंग में 100 प्रतिशत तक एफडीआई की अनुमति है।

सीएम फडणवीस की मदद से महाराष्ट्र के 37 तीर्थयात्री तिब्बत से काठमांडू रवाना

मुंबई। एजेंसी। कैलाश मानसरोवर यात्रा पूरी करने के बाद नेपाल में आई अचानक बाढ़ के कारण तिब्बत में फंसे महाराष्ट्र के 37 तीर्थयात्री मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हस्तक्षेप के बाद काठमांडू के लिए रवाना हुए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, ठाणे, पुणे, रायगढ़, अलीबाग और डोंबिवली के श्रद्धालु सुबह करीब छह बजे सागा, तिब्बत से नायलम चेक-पोस्ट के रास्ते सुरक्षित रूप से काठमांडू की ओर बढ़ रहे हैं। उनकी काठमांडू से वापसी की उड़ान 29 अगस्त को दोपहर दो बजे निर्धारित है, इसलिए समय पर राजधानी पहुंचना उनके लिए महत्वपूर्ण है। अलीबाग स्थित जय गिरनारी ट्रस्ट के प्रमोद केने के साथ यह समूह बाढ़ के कारण सागा में फंस गया था। तीर्थयात्रियों नितिन शिर्के और राकेश जितेकर ने महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण के माध्यम से सीएम फडणवीस को अपनी स्थिति से अवगत कराया था। जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री ने तत्काल अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया, जिसके बाद राज्य सरकार ने विदेश मंत्रालय (एमईए) के साथ समन्वय कर उनकी सुरक्षित आवाजाही तय की। तीर्थयात्रियों ने संकट की घड़ी में त्वरित मदद के लिए मुख्यमंत्री फडणवीस, महाराष्ट्र सरकार और विदेश मंत्रालय का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि तिब्बत से शुरू हुई भीषण बाढ़ ने बुधवार को मध्य नेपाल को अपनी चपेट में ले लिया था, जिससे कई कस्बे, गांव और पुल बह गए थे।

भारत अमेरिकी जेवलिन मिसाइल खरीदेगा, सर्जियो बोले- रक्षा संबंधों में नया अध्यायं

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत ने अपनी सेना की युद्ध क्षमता बढ़ाने के लिए अमेरिका से जेवलिन टैंक रोधी निर्देशित मिसाइल प्रणाली खरीदने का समझौता किया है। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने समझौते को दोनों देशों के बीच लगातार बेहतर, अधिक ठोस और अधिक महत्वपूर्ण होती रक्षा साझेदारी का प्रतीक बताया है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि भारत कितनी जेवलिन मिसाइलें खरीद रहा है और इसकी कुल लागत क्या होगी। भारत ने अमेरिकी विदेशी सैन्य बिक्री प्रक्रिया के तहत जेवलिन मिसाइल प्रणाली खरीदने के लिए सुरुचि पत्र (एलओए) पर हस्ताक्षर किए हैं। अमेरिका ने महत्वपूर्ण उपलब्धि का स्वागत कर दोनों सेनाओं के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों का द्योतक बताया है। इस समझौते से भविष्य में दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग के नए रास्ते खुल सकते है। राजदूत गोर ने विशेष रूप से जेवलिन मिसाइलों के संयुक्त उत्पादन (को-प्रोडक्शन) की संभावनाओं पर जोर दिया, जिससे दोनों देशों के रक्षा औद्योगिक आधार मजबूत हो रहे है। जेवलिन सिस्टम आधुनिक, मध्यम दूरी की और फायर-एंड-फॉरगेट एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल प्रणाली है। मिसाइल को बख्तरबंद वाहनों और मजबूत किलेबंदी वाले ठिकानों सहित विभिन्न लक्ष्यों के खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए डिज़ाइन किया है।

लैंडिंग के वक्त विमान का टायर फटा

बिलासपुर। एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान विमान का टायर फट गया। शुक्रवार दोपहर अलायंस एयर की फ्लाइट जब दिल्ली से बिलासपुर पहुंची तभी यह हादसा हुआ। विमान की सुरक्षित लैंडिंग करा ली गई। विमान में सवार सभी 35 यात्री सुरक्षित हैं। इसी फ्लाइट को बिलासपुर से प्रयागराज जाना था, लेकिन एयरपोर्ट प्रबंधन ने उसे कैंसिल कर दिया है। हालांकि, इसकी अधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। जानकारी के मुताबिक, रनवे पर लैंडिंग के बाद विमान दौड़ रहा था, तभी टायर फटने की आवाज सुनकर यात्री दहशत में आ गए। हालांकि, पायलट ने स्थिति को संभालते हुए विमान को सुरक्षित रोक लिया। एयरपोर्ट पर मौजूद स्टाफ तुरंत एक्टिव हुआ और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

रानी दुर्गावती की समाधि को 'मकबरा' बताने पर विवाद

कर्मचारी के संदेश से विश्वविद्यालय में मचा हड़कंप

जबलपुर। एजेंसी। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में वीरांगना रानी दुर्गावती की समाधि से जुड़े एक कथित उल्लेख को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विश्वविद्यालय कर्मचारी संजय यादव ने एक व्हाट्सएप ग्रुप में संदेश प्रसारित कर दावा किया कि विश्वविद्यालय की ओर से रानी दुर्गावती की समाधि को 'मकबरा' के रूप में प्रचारित या उल्लेखित किया गया है। संदेश सामने आने के बाद विश्वविद्यालय से जुड़े शैक्षणिक और सामाजिक हलकों में इसको लेकर चर्चा शुरू हो गई है। मामले में अब विश्वविद्यालय के रिकॉर्ड और संबंधित दस्तावेजों की जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग उठ रही है।

कर्मचारी के संदेश के सार्वजनिक होने के बाद विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली और इस्तेमाल की गई शब्दावली को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि रानी दुर्गावती के नाम पर स्थापित विश्वविद्यालय से जुड़े आधिकारिक दस्तावेजों और प्रकाशनों में ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक

संदर्भों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि कथित उल्लेख विश्वविद्यालय के किस दस्तावेज, वेबसाइट, विवरणिका या प्रकाशन में किया गया है।

अब यह जांच का विषय है कि यदि किसी आधिकारिक रिकॉर्ड में समाधि के लिए 'मकबरा' शब्द का इस्तेमाल हुआ है, तो वह किस स्तर पर दर्ज हुआ और उसका आधार क्या था। कर्मचारी संजय यादव का पक्ष जानने के लिए फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। ऐसे में उनका पक्ष सामने नहीं आ सका।

जांच के बाद ही साफ होगी वास्तविक स्थिति.

पूरे मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से दस्तावेजों का परीक्षण कर स्थिति स्पष्ट करना जरूरी माना जा रहा है। संबंधित रिकॉर्ड की जांच से ही यह पता चल सकेगा कि कथित शब्दावली वास्तव में विश्वविद्यालय के किसी आधिकारिक दस्तावेज में दर्ज है या मामला किसी अन्य संदर्भ से जुड़ा है। जांच के बाद तथ्य सामने आने पर विवाद की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

रक्षाबंधन पर भोपाल सेट्रंल जेल में नजर आया उत्सवी माहौल

भोपाल। एजेंसी। राजधानी की सेट्रंल जेल का नजारा शुक्रवार 28 अगस्त को पूरी तरह से बदला-बदला नजर आया। भाई-बहन के पवित्र प्रेम के प्रतीक रक्षाबंधन त्यौहार के चलते जेल में बंद अपने भाईयो को बड़ीं संख्या में बहने परिवार सहित राखी बांधने पंहुची थी। इस दौरान यहॉ रंगबिरगे कपड़ो में बच्चे महिलाये, युवतियो सहित कई परिवार मिठाई के डिब्बे हाथो में लिये नजर आये। जेल सुपरिडेंटेट मानवेंद्र सिंह परिहार ने जानकारी देते हुए बताया की मध्य प्रदेश शासन और जेल मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर रक्षाबंधन को लेकर विशेष प्रबंध किये गये। सुबह से जेल में रक्षाबंधन का पर्व मनाना शुरु कर दिया गया था। जेल में राखी का त्यौहार प्रशासनिक नियमों व कैलेंडर में तय तिथि के अनुसार ही मनाया जाता है। मौसम को देखते हुए यहॉ वॉटर प्रूफ पंडाल लगाया गया था। जेल प्रशासन ने त्यौहार को देखते हुए जेल की कैंटीन में बिक्री के लिए मिठाई सहित त्यौहार में काम आने वाली अन्य सामग्री की व्यवस्था की थी। क्योंकि जेल में किसी भी तरह का बाहरी सामान ले जाने की अनुमति नहीं है, भीतर केवल जेल कैंटिन में मिलने वाली सामग्री ही ले जाने का नियम है। यहॉ पहुंची बहनो ने कैंटीन से राखी,हल्दी,कुमकुम मिठाई खरीदी और जेल में बंद अपने भाई को बांधते हुए आरती उतारकर लंबी उम्र की प्रार्थना की। अधिकारियो ने बताया की रक्षा बंधन को लेकर सुरक्षा के इंतेंजाम किये गये थे। साथ ही पैरा मेडीकल टीम के साथ लाइट पानी की भी व्यवस्था की गई है। राखी के त्यौहार को लेकर राजधानी भोपाल में स्थित सैट्रंल जेल में प्रदेश के कई शहरो के परिवार भी पहुंचे थे। शाम पॉच बजे तय समय शाम तक सैकड़ो बहनो नें जेल पहुंचकर अपने भाइयों को रखी

बांधी। जेल में बंद महिला बंदियो के लिये शाम 4 से 5 बजे तक के समय की व्यवस्था की गई थी, इस दौरान उनके परिवार वालो ने मुलकात की। इस मौके पर कई बंदी भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि जेल में रहते हुए भी परिवार के साथ इस त्योहार को मनाना उनके लिए बेहद खास है।

जलभराव से राहत, नाला-नालियों की सघन सफाई

जबलपुर। एजेंसी। शहर में सुगम जल निकासी और स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए नगर निगम का स्वास्थ्य विभाग पूरी मुस्तैदी के साथ मैदानी स्तर पर जुटा हुआ है। वर्षा ऋतु के दौरान नागरिकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए निगम अमले द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में बड़े स्तर पर नाला-नालियों की सफाई और जल निकासी का कार्य निरंतर कराया जा रहा है, जिससे आमजनों को बड़ी राहत मिल रही है। निगमायुक्त रामप्रकाष अहिरवार ने बताया कि निगम के स्वास्थ्य अमले ने त्वरित कार्रवाई करते हुए धनवंतरी नगर स्थित साईं कॉलोनी, सिविल लाइन की गोविंद भवन कॉलोनी, गढ़ा बाजार मार्ग स्थित सुभाष नगर सहित शहर के कई प्रमुख और निचले क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए नाला-नालियों की व्यवस्था को सुगम बनाया है। वर्षा जल की निर्बाध निकासी सुनिश्चित होने से स्थानीय नागरिकों को राहत मिली है इसके लिए क्षेत्रीय नागरिकों ने निगम प्रषासन की सक्रियता की सराहना की है।

कचरा फेंकने वालों पर चालानी कार्रवाई, स्वच्छता बनाए रखने की अपील

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि शहर की स्वच्छता और सुगम जल निकासी व्यवस्था को बनाए रखने के लिए नगर निगम प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ धरातल पर कार्य कर रहा है। इसके साथ ही नालियों में कचरा या अवरोधक सामग्री डालकर जल प्रवाह बाधित करने वाले लापरवाह व्यक्तियों के विरुद्ध प्रतिदिन चालानी कार्रवाई भी की जा रही है। निगमायुक्त ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि वे नालियों में कचरा न फेंकें और कचरा प्रबंधन में निगम का सहयोग करें, ताकि शहर को स्वच्छ, सुंदर और जलभराव से मुक्त रखा जा सके।

श्रावण पूर्णिमा एवं रक्षाबंधन पर जागृत एवं दर्शनीय तीर्थ स्थल दादाजी धाम मंदिर में भक्तिमय आयोजन

भोपाल। एजेंसी। श्रावण मास के अंतिम दिन श्रावण पूर्णिमा एवं रक्षाबंधन का पावन पर्व जागृत एवं दर्शनीय तीर्थ स्थल दादाजी धाम मंदिर, रायसेन रोड, पटेल नगर, भोपाल में श्रद्धा, विश्वास और भक्ति के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान शिव सहित मंदिर में विराजमान सभी देवी-देवताओं की विधिवत पूजा-अर्चना की तथा रक्षा-सूत्र अर्पित किए। पूर्णिमा के विशेष धार्मिक अवसर पर भक्तों द्वारा विधि-विधानपूर्वक हवन भी किया गया। हवन में श्रद्धालुओं ने आहुति अर्पित करते हुए भगवान से परिवार की सुख-शांति, आरोग्य, समृद्धि तथा समस्त समाज एवं विश्व के कल्याण की प्रार्थना की। वैदिक मंत्रोच्चार और अग्निदेव को समर्पित आहुतियों से मंदिर परिसर का वातावरण आध्यात्मिक एवं भक्तिमय हो गया। श्रावण मास भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष महत्व रखता है। पूरे सावन में श्रद्धालुओं ने प्रतिदिन भगवान शिव की पूजा-अर्चना में सहभागिता की। मंदिर के अध्यक्ष श्री शिवरतन नामदेव एवं ट्रस्टियों ने बताया कि श्रावण मास के दौरान प्रतिदिन भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया गया। बड़ी संख्या में भक्त इस धार्मिक साधना से जुड़े और भगवान भोलेनाथ के श्रीचरणों में अपनी श्रद्धा समर्पित की। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान शिव एवं अन्य देवी-देवताओं को रक्षा-सूत्र बांधकर भावपूर्ण प्रार्थना की हे प्रभु! हमारे सभी कष्टों को दूर करें, जीवन में सुख-शांति प्रदान करें और हमारी सभी शुभ मनोकामनाएं पूर्ण करें। भक्तों ने अपने परिवार, समाज और समस्त मानवता की रक्षा एवं मंगल के लिए ईश्वर से आशीर्वाद मांगा।

श्री श्री 1008 श्री दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री शिवरतन नामदेव एवं ट्रस्टियों ने कहा कि

श्रावण मास में प्रतिदिन की गई शिव आराधना,रुद्राभिषेक और पूर्णिमा के अवसर पर संपन्न हवन भक्तों की अटूट श्रद्धा का प्रतीक है। यह संपूर्ण धार्मिक साधना श्री श्री 1008 श्री दादाजी गुरुदेव की कृपा एवं आशीर्वाद से संपन्न हुई। दादाजी गुरुदेव की कृपा से भक्तों को भगवान शिव की आराधना, सेवा और आध्यात्मिक साधना से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ। श्रावण पूर्णिमा के इस पावन समापन अवसर पर भक्तों ने पूरे सावन में की गई पूजा-अर्चना को भगवान शिव के श्रीचरणों में समर्पित किया। रक्षा-सूत्र अर्पित करते हुए सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि प्रत्येक परिवार पर भगवान की कृपा बनी रहे, दुख एवं संकट दूर हों और जीवन में धर्म, सद्भाव, सुख तथा शांति का प्रकाश बना रहे। 卐? नम: शिवाय卐 और 卐हर-हर महादेव卐 के जयघोष से जागृत एवं दर्शनीय तीर्थ स्थल दादाजी धाम मंदिर, रायसेन रोड, पटेल नगर, भोपाल का वातावरण भक्तिमय हो उठा।

मंदिर परिवार की ओर से सभी श्रद्धालुओं को श्रावण पूर्णिमा एवं रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

आयुक्त सिंघल ने राष्ट्रीय मंच पर बताए इंदौर के स्वच्छता अनुभव

इंदौर। एजेंसी। इंदौर में स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़कर विकसित की गई व्यवस्थाओं के अनुभव अब राष्ट्रीय स्तर की स्वच्छ शहरों की रणनीति में चर्चा का हिस्सा बने हैं। नई दिल्ली में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से आयोजित 'पाथवेज फॉर क्लीनर सिटीज' परामर्श कार्यशाला में नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने इंदौर की स्वच्छता यात्रा, वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन और नागरिक सहभागिता से जुड़े अनुभव साझा किए।

आयुक्त सिंघल ने बताया कि स्वच्छ और टिकाऊ शहरी व्यवस्था के लिए केवल सफाई व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। इसके साथ वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन, मजबूत संस्थागत व्यवस्था और नागरिकों की निरंतर भागीदारी जरूरी है। उन्होंने इंदौर में इन पहलुओं को लेकर किए गए प्रयासों और उनसे मिले अनुभवों पर विचार रखे।

सफल उपायों को दूसरे शहरों तक पहुंचाने पर चर्चा

कार्यशाला की अध्यक्षता केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव सतेंद्र सिंह ने की। इसमें देशभर के नगर निगमों, राज्य मिशन निदेशालयों, विशेषज्ञ संस्थाओं और स्वच्छता क्षेत्र से जुड़े संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

कार्यशाला में 'मॉडल क्लीन सिटी' की प्रमुख विशेषताओं पर चर्चा करते हुए दृश्य स्वच्छता, वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन, सुरक्षित स्वच्छता और नागरिक सहभागिता में मापनीय एवं टिकाऊ सुधार लाने के उपायों पर विचार हुआ। विभिन्न शहरों में सफल और दोहराए जा सकने वाले उपायों को स्थानीय जरूरतों के अनुसार विस्तार देने पर भी जोर दिया गया।

इसके अलावा संस्थागत क्षमता, मानव संसाधन, वित्तीय संसाधन, क्षमता निर्माण और प्रगति की निगरानी के लिए प्रभावी तंत्र विकसित करने पर विचार-विमर्श किया गया।

कार्यशाला में जल शक्ति मंत्रालय, राज्य मिशन निदेशालयों, विभिन्न नगर निगमों के आयुक्तों के साथ बीएमजीएफ, यूएनडीपी, इंडिया सैनिटेशन कोएलिशन, वेस्ट वॉरियर्स और यूएनईपी सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे। स्वच्छता क्षेत्र से जुड़े स्टार्टअप और संगठनों ने भी अपने अनुभव और सुझाव साझा किए।

ट्रैफिक ब्लॉक के चलते श्री माता वैष्णो देवी कटरा-जबलपुर ट्रेन का फरीदाबाद स्टेशन पर ठहराव नहीं रहेगा

जबलपुर। एजेंसी। यात्रियों की सुरक्षा, परिचालन क्षमता में वृद्धि तथा रेल अवसंरचना के आधुनिकीकरण के उद्देश्य से उत्तर रेलवे द्वारा हजरत निजामुद्दीन-पलवल रेलखंड के फरीदाबाद रेलवे स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के लिए 01 सितम्बर से 15 अक्टूबर 2026 तक 45 दिनों का ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक लिया जाएगा। उक्त ब्लॉक के कारण फरीदाबाद रेलवे स्टेशन से होकर गुजरने वाली कुछ ट्रेनों के ठहराव में अस्थायी परिवर्तन किया गया है। इसी क्रम में पश्चिम मध्य रेल से संचालित गाड़ी संख्या 11450 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-जबलपुर एक्सप्रेस का फरीदाबाद रेलवे स्टेशन पर निर्धारित ठहराव भी प्रभावित रहेगा।

गाड़ी संख्या 11450 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-जबलपुर एक्सप्रेस का फरीदाबाद स्टेशन पर ठहराव 31 अगस्त 2026 से 14 अक्टूबर 2026 के मध्य निर्धारित 7 ट्रिप के दौरान नहीं रहेगा। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि उक्त अवधि में यात्रा की योजना बनाते समय इस अस्थायी परिवर्तन का ध्यान रखें। यात्री अपनी यात्रा से पूर्व ट्रेन के ठहराव एवं संचालन से संबंधित नवीनतम जानकारी एनटीईएस अथवा रेलवे के अन्य अधिकृत माध्यमों से अवश्य प्राप्त कर लें। यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षित यात्रा हेतु रेल प्रशासन का सहयोग करें।

गुणवत्ताहीन कार्य पर ब्लैकलिस्टिंग और नोटिस के निर्देश

कई जिलों में घटिया निर्माण कार्य, चेतावनी- 15 दिन में ठीक करो...

भोपाल। एजेंसी। शहडोल जिले में घटिया सड़क निर्माण पर नेसर्स राम कंस्ट्रक्शन को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है वहीं सागर जिले में गुणवत्ततीन भवन निर्माण को लेकर टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स को नोटिस जारी किया गया है। रीवा में गुणवत्ताहीन सड़क निर्मझा पर ठेकेदार मनोज मिश्रा को नोटिस जारी किया गया है। इन निर्माण कार्यों से जुड़े उपयंत्री, अनुविभागीय अधिकारियों को भी नोटिस जारी कर काम सुधारने के निर्देश दिए गए है। प्रदेश में कुल 26 सड़क और भवन निर्माण में कमियों मिलने पर सुधार करने के निर्देश दिए गए है।

शहडोल जिले में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत सरना से करकट सड़क के निर्माण कार्य की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार मेसर्स राम कंस्ट्रक्शन, जयसिंह नगर के विरुद्ध ब्लैकलिस्टिंग की कार्रवाई प्रारंभ करने के निर्देश मुख्य अभियंता, रीवा को दिए गए। गेरुई से जेमुनिहा सड़क निर्माण की स्थिति भी संतोषजनक नहीं मिली। संबंधित ठेकेदार मेसर्स मनोज मिश्रा को नोटिस जारी करते हुए 15 दिन के भीतर कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। सागर जिले में बसाहरी पीएमजीएसवाई रोड से निवाड़ी रोड के निर्माण कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाए जाने पर संबंधित उपयंत्री और अनुविभागीय अधिकारी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

ठेकेदार मेसर्स हीरा कंस्ट्रक्शन, विदिशा को 15 दिन में कार्य पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया।

मध्यप्रदेश भवन विकास निगम अंतर्गत सागर जिले में निमार्णाधीन शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, गढ़ोला जागीर, खुरई के भवन की स्थिति संतोषजनक नहीं मिलने पर संबंधित कंसल्टेंट टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स लिमिटेड को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए प्रतिवेदनों के गए। निरीक्षण आधार पर 26 अन्य कार्यों में आवश्यक आशिक सुधार समय-सीमा में कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

निरीक्षण दलों से प्राप्त प्रतिवेदनों की विस्तृत समीक्षा प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम भरत यादव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की गई। समीक्षा में प्रमुख अभियंता (सड़क एवं पुल) आर.एल. वर्मा, सड़क विकास निगम के तकनीकी सलाहकार आर. के. मेहरा, मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के प्रमुख अभियंता अजय श्रीवास्तव सहित सभी मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री एवं निरीक्षणकर्ता अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए।

प्रबंध संचालक श्री यादव ने कहा कि औचक निरीक्षण में सामने आई कमियों और निरीक्षण दलों की अनुशंसाओं के आधार पर सुधार कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराए जाएं।

7 जिलों के 35 कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के निर्देश पर मध्यप्रदेश में लोक निर्माण विभाग, विल्डिंग डेवपलमेंट कारपोरेशन और मध्यप्रदेश रोड डेवपलमेंट कारपोरेशन के जरिए निजी ठेकेदारों से कराए जाने वाले कामों का औचक निरीक्षण शुरु किया गया है। इस बार भी रैंडम आधार पर मुख्य अभियंताओं के सात दलों ने रायसेन, नरसिंहपुर, शिवपुरी, खंडवा, शहडोल, शाजापुर एवं सागर जिले में रैंडम आधार पर कुल 35 निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

शक्कर-प्याज के बढ़ते दाम एवं ई-20 पेट्रोल के खिलाफ कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

डॉ जाकिर हुसैन ब्लॉक ने रद्दी चौकी में किया प्रदर्शन

जबलपुर। एजेंसी। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर शक्कर एवं प्याज के लगातार बढ़ते दामों तथा ई-20 पेट्रोल के विरोध में जबलपुर पूर्व विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत डॉ. जाकिर हुसैन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा रद्दी चौकी चौराहे पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आसिफ इकबाल ने किया।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए बढ़ती महंगाई पर आक्रोश व्यक्त किया। वक्ताओं ने कहा कि शक्कर और प्याज जैसी रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ने से आम आदमी की रसोई का बजट बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। वहीं ई-20 पेट्रोल को लेकर भी वाहन चालकों एवं उपभोक्ताओं की चिंताओं को सरकार को गंभीरता से लेना चाहिए।

ब्लॉक अध्यक्ष आसिफ इकबाल ने कहा कि सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। एक ओर आम जनता पहले से ही महंगाई की मार झेल रही है, वहीं आवश्यक खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने परिवारों का आर्थिक संतुलन बिगाड़ दिया है। कांग्रेस पार्टी जनहित के इन मुद्दों पर लगातार आवाज उठाती रहेगी और जनता के अधिकारों के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी।

उन्होंने कहा कि सरकार को शक्कर एवं प्याज के दामों में तत्काल राहत देने के ठोस कदम उठाने चाहिए तथा ई-20 पेट्रोल से जुड़े उपभोक्ताओं के हितों और वाहनों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर स्पष्ट नीति सामने रखनी चाहिए।

विरोध प्रदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के चमन पासी, राजू तोमर, पुष्कल शर्मा, सुबोध पहारिया, पार्षद कलीम खान, ताहिर अली, इश्तियाक अंसारी, राजू लईक, मजहर उस्मानी, तबस्सुम अंसारी, अंजुम आरा, कीर्ति सिंह, पीपी पटेल, रिजवान अली कोटी, असलम खान, शेख फारुख, तौफ़ीक़ चंकी परवेज अख्तर, सफीक अंसारी, हासिम खान, एजाज अंसारी, यावर चौधरी, मुख्तार अली, विकास श्रीवास्तव, निहाल मंसूरी, मोहसिन खान, जहूर खान, जफर खान, एड इरफान मंसूरी, जाहिद अख्तर, मजहर खिदमत हॉस्पिटल,इरफान अली, अबरार अंसारी, महबूब खान, शकील, सरफराज खान, सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कॉलोनी सेल की सक्रियता से वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान, रहवासियों को मिली राहत

भोपाल। एजेंसी। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन की कॉलोनी सेल द्वारा बिल्डरों, गृह निर्माण समितियों और कॉलोनियों के रहवासियों की वर्षों पुरानी समस्याओं का प्रभावी निराकरण कराया जा रहा है। कलेक्टर श्री मिश्रा पिछले पांच माह से प्रत्येक 15 दिन में कॉलोनी सेल की बैठक लेकर संबंधित विभागों और बिल्डरों की जवाबदेही तय कर रहे हैं। नियमित समीक्षा और विभागीय समन्वय से पजेशन, पेयजल, विद्युत, सीमांकन, सीवेज, सफाई, लिफ्ट और सोसायटी निर्वाचन से जुड़े मामलों में रहवासियों को राहत मिली है। कोरल कासा में सात वर्ष बाद नर्मदा जल- कोरल कासा में वर्ष 2018 से लंबित नर्मदा जल आपूर्ति की समस्या का समाधान कराया गया। करीब 18.42 लाख रुपये की लागत से कनेक्शन एवं आवश्यक अधोसंरचना तैयार की गई। इसमें रहवासियों ने 10 लाख रुपये तथा शेष राशि बीएम रियल्टी ने वहन की। इसके बाद कॉलोनी में नर्मदा जल आपूर्ति शुरू हुई। पिंक सिटी और जीएमवी अनंता में 12 वर्ष बाद पजेशन- पिंक सिटी के दो परिवारों को करीब 12 वर्ष बाद उसी दिन आवास का पजेशन दिलाया गया। जीएमवी अनंता फेज-1 में गोविंद दास वैष्णव के डुप्लेक्स क्रमांक-123 का पजेशन भी करीब 12 वर्ष से लंबित था। स्थल निरीक्षण के बाद जल, विद्युत और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराकर 12 अगस्त को वास्तविक पजेशन दिलाया गया। अन्य मामलों में भी कार्रवाई- गायत्री गृह निर्माण सोसायटी में लंबे समय से लंबित सीमांकन कराया गया और पजेशन की प्रक्रिया शुरू की गई। भविष्य मेट्रो सिटी में सीवेज, सफाई, लिफ्ट और पानी की टंकी से जुड़े अधूरे कार्य पूरे कराए गए। जैन नगर कॉलोनी में पानी की टंकी में लीकेज की शिकायत पर वैकल्पिक जलापूर्ति शुरू कराई गई। रेरा के एक प्रकरण में आवेदिका श्रीमती अंकिता सिन्हा को कुल 13 लाख 60 हजार 250 रुपये की लंबित राशि चेक के माध्यम से दिलाई गई। वहीं रोहित, मंदाकिनी, सर्वजन, भेल अनुसूचित जनजाति और सर्वोदय गृह निर्माण सोसायटियों में निर्वाचन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विकास कार्य अधूरे रखने वाले बिल्डरों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अवैध कॉलोनियों और अधूरे विकास कार्यों के मामलों में नोटिस जारी कर कार्य पूर्ण करने और अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। कॉलोनी सेल की जनसुनवाई के माध्यम से नगर निगम, राजस्व, सहकारिता विभाग, गृह निर्माण समितियों और बिल्डरों के समन्वय से समस्याओं का समाधान कराया जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ भारत-ए की कप्तानी करेंगी यस्तिका और अनुष्का

मुम्बई । एजेंसी।

यस्तिका भाटिया ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय और चार दिवसीय सीरीज में भारतीय ए टीम की कप्तानी करेंगी। वहीं टी 20 टीम की कमान अनुष्का शर्मा को सौंपी गयी है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया-ए के आगामी भारत दौरे के लिए टीम भारत-ए टीम की घोषणा के दौरान ही यस्तिका और अनुष्का को कप्तान बनाने की भी घोषणा की। इस महत्वपूर्ण दौरे पर भारत-ए की कमान दो युवा और प्रतिभाशाली चयन समित के इस फैसले से साफ है कि वह टीम में युवा नेतृत्व तैयर कर रहा है जो आने वाले समय में टीम की जिम्मेदारी उठा सके। इसी के तहत ही चयन समिति ने सयाली सतघरे को टी-20 प्रारूप के लिए उपकप्तान बनाया है। वहीं एकदिवसीय और चार दिवसीय मुकाबले में अनुष्का शर्मा को उपकप्तान की भूमिका निभाएंगी। यह व्यवस्था खिलाड़ियों को विभिन्न प्रारूपों में नेतृत्व कौशल विकसित करने का अवसर प्रदान करेगी, जिससे भविष्य के लिए एक मजबूत और बहुमुखी नेतृत्व समूह तैयार हो सके। ऑस्ट्रेलिया एक क यह भारत दौरा 12 सितंबर से शुरू होगा और इसमें भारतीय महिला क्रिकेट के लिए कई रोमांचक मुकाबले शामिल हैं। कुल मिलाकर, दौरे में तीन टी-20 मुकाबले, तीन एकदिवसीय मैच और एक चार दिवसीय मैच शामिल है, जो खिलाड़ियों के विभिन्न कौशलों और शारीरिक फिटनेस की परीक्षा लेंगे। इस दौरे के टी-20 मैच न्यू चंडीगढ़ में खेले जाएंगे, जो युवा खिलाड़ियों के लिए एक नया अनुभव होगा। वहीं एकदिवसीय मुकाबलों की मेजबानी मोहाली का प्रसिद्ध पीसीए स्टेडियम करेगा, जो अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी के लिए जाना जाता है। एकमात्र चार दिवसीय मुकाबला हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में खेला जाएगा। टी-20 सीरीज 12 सितंबर को शुरु होगी। जिसके बाद 15 और 17 सितंबर को अगले दो मैच न्यू चंडीगढ़ में ही खेले जाएंगे। 20, 23 और 25 सितंबर को एकदिवसीय सीरीज के रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगेअंत में, दौरे का समापन 29 सितंबर से 2 अक्टूबर तक धर्मशाला में होने वाले चार दिवसीय मैच के साथ होगा

टीम इस प्रकार हैं

टी-20 के लिए भारत ए टीम: अनुष्का शर्मा (कप्तान), सयाली सतघरे, वृंदा दिनेश, सुजाता डे, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, शिप्रा गिरी, श्वेता सहरावत, उमा छेत्री, तनुजा कंवर, मीनू मणि, वैष्णवी शर्मा, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, सिमरन दिल बहादुर।

एकदिवसीय टीम: यस्तिका भाटिया (कप्तान), अनुष्का शर्मा, वृंदा दिनेश, प्रिया पूनिया, तनिषा सिंह, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, उमा छेत्री, मीनू मणि, अमनदीप कौर, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, अक्षिता भगत।

चारदिवसीय मैच की टीम: यस्तिका भाटिया (कप्तान), अनुष्का शर्मा, शुभा सतीश, प्रिया पूनिया, तनिषा सिंह, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, ममता माडिवाला, सुश्री दिब्यदर्शिनी, शुचि उपाध्याय, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, अक्षिता भगत।

मांजरेकर ने कोलंबो टेस्ट ड्रॉ रहने पर कोच और कप्तान पर तंज कसा

कोलंबो। अपने बेबाक बयानों के कारण विवादों में रहने वाले पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने संजय मांजरेकर ने कोलंबो टेस्ट ड्रॉ होने पर तंज कसते हुए कहा कि श्रीलंकाई बल्लेबाज सोनल दिनुशा के लिए तालियां बजानी चाहिये। उन्होंने श्रीलंकाई टीम को फालोऑन के लिए मजबूर करने के बाद भी जीत हासिल नहीं कर पाने पर निराशा जताते हुए टीम की रणनीति पर ही सवाल उठाये हैं। इस प्रकार उनके निशाने पर कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर हैं। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 509 रन बनाकर अपनी पारी घोषित की थी, जो एक मजबूत स्कोर था। इसके जवाब में श्रीलंका अपनी पहली पारी में केवल 290 रन ही बना पायी थी जिससे भारतीय टीम को 200 रनों से अधिक की बढ़त मिली थी पर वह उसका लाभ नहीं उठा पायी। गौरतलब है कि फॉलोऑन देना वाली टीम की जीत तय मानी जाती है पर इस बार ऐसा नहीं हो पाया। इसका कारण है कि फालोऑन खेलने वाली टीम दबाव में रहती है। हालांकि, कोलंबो टेस्ट में यह धारणा गलत साबित हुई। मैच ड्रॉ होने के बाद मांजरेकर ने कह, 卐मैच नहीं जीत पाने के लिए कोई भी भारतीय टीम पर सवाल नहीं उठा सकता कयोंकि सोनल ने बल्लेबाजी ही ऐसी की थी, उनके लिए तालियां बनती हैं।卐 मांजरेकर का यह ट्वीट भारतीय टीम की उस रणनीति पर सवाल उठाता है, जिसके तहत वे एक बड़ी बढ़त और फॉलोऑन के बावजूद जीत हासिल नहीं कर पाए।श्रीलंकाई युवा बल्लेबाज सोनल ने इस मैच में एक छोर संभालते हुए भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। सोनल ने अपनी टीम के लिए पहली पारी में 103 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को 290 रनों तक पहुंचाया। वहीं दूसरी पारी में फॉलोऑन खेलते हुए नाबाद शतक लगाकर टीम को हार से बचाया। सोनल ने 264 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 133 रन बनाए। उनकी इस जुझारू पारी ने श्रीलंका को 429 रनों तक पहुंचने में मदद की और टीम को हार से बचा लिया।

महिला टी20 एशिया कप में भारत की हरमनप्रीत सहित इन क्रिकेटरों ने बनाये हैं सबसे अधिक रन

मुम्बई। महिला टी20 एशिया कप में भारतीय टीम अपने अपने अभियान की शुरुआत 30 अगस्त को थाइलैंड के खिलाफ मुकाबले से करेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में बड़ी जीत दर्ज करना रहेगा। इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने वाली शीर्ष पांच खिलाड़ियों में हरमनप्रीत कौर नंबर एक पर है। हरमप्रीत की कप्तानी और बल्लेबाजी भारतीय टीम के लिए अच्छी रही है। हरमनप्रीत ने अब तक खेले 25 टी20 एशिया कप मुकाबलों में 106 के प्रभावी स्ट्राइक रेट से कुल 571 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने तीन शानदार अर्धशतक लगाये हैं, उनका सर्वाधिक स्कोर 66 रन रहा है।

श्रीलंका की ऑलराउंडर चमारी अटापट्टू रनों के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 21 मैचों में 118 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट और 31 के औसत से 565 रन बनाए हैं। अटापट्टू के नाम टी20 एशिया कप में एक शतक और दो अर्धशतक दर्ज हैं, जो उनकी बल्लेबाजी क्षमता को दिखाता है।

वहीं भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना सबसे अधिक रनों के मामले में का तीसरे स्थान पर हैं। मंधाना ने 24 मुकाबलों में 114 के स्ट्राइक रेट से कुल 479 रन बनाये हैं। उनकी बल्लेबाजी में निरंतरता दिखती है, जिसके दम पर उन्होंने टूर्नामेंट में तीन अर्धशतक लगाए हैं। उनका उच्चतम स्कोर 60 रन है, जो उनकी आक्रामक शैली दिखाता है।

वहीं भारतीय टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज रनों के मामले में चौथे पायदान पर हैं। उन्होंने अपने छोटे टी20 एशिया कप करियर (12 मुकाबले) में ही 61 की शानदार औसत और 96 के स्ट्राइक रेट से 430 रन बनाये हैं। मिताली ने तीन अर्धशतकों के साथ इसमें प्रभावित किया था।

पाकिस्तान की अनुभवी बल्लेबाज बिस्माह मारूफ भी इस सूची में शामिल हैं। 23 टी20 एशिया कप मैचों में बिस्माह ने 92 के स्ट्राइक रेट से 423 रन बनाए हैं। जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर 62 रन रहा। अब देखन है कि कया उभरती हुई क्रिकेटर इनके रिकार्ड तोड़ पाती हैं या नहीं ?।

ला लीगा में बार्सिलोना ने अपना दूसरा मैच भी जीता, बिलबाओ को 2-0 से हराया

मैड्रिड। स्पेनिश क्लब एफसी बार्सिलोना ने इस बार ला लीगा फुटबॉल सत्र की अच्छी शुरुआत करते हुए अपना दूसरा मुकाबला भी जीत लिया है। बार्सिलोना ने अपने दूसरे मुकाबले में एथलेटिक बिलबाओ को 2-0 से हराय। इस जीत में राफिन्हा और फर्मिन लोपेज की अहम भूमिका रही है। इन दोनो ने ही एक-एक गोलकर अपनी टीम को जीत दिलायी। इससे टीम को 3 महत्वपूर्ण तीन अंक मिले। राफिन्हा ने मैच के 37वें मिनट में पेड्री के एक बेहतरीन मूव पर टीम के लिए पहला गोल किया। बार्सिलोना की टीम पूरे समय खेल पर हावी रही। वहीं एथलेटिक बिलबाओ का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह एक भी गोल नहीं कर पायी। बार्सिलोनो के लामिन यमल ने बिलबाओ पर एक के बाद एक हमले किये हालांकि वह उन्हें गोल में बदल नहीं पाये। बिलबाओ के गोलकीपर उनाई साइमन ने कई गोल रोके पर 82वें मिनट में बार्सिलोना के फर्मिन लोपेज के गोल को वह नहीं रोक पाये। इससे बार्सिलोना की बढ़त 2-0 हो गई और उनकी जीत पक्की हो गयी। एक अन्य मुकाबले में सेल्टा विगो को ओसासुना के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर अच्छी शुरुआत के बाद भी हार का सामन करना पड़ा। सेल्टा को इयागो एस्पस ने शुरुआती गोल करके बढ़त दिलाई पर दूसरे हाफ में मैच पलट गया। डिफेंडर मार्कोस अलोंसो को खतरनाक फाउल के लिए वीएआर जांच के बाद लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। इसके बाद किके बारजा ने सेल्टा के खिलाफ गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद बाद सेल्टा के पेनल्टी बॉक्स में हैंडबॉल हुई जिसके बाद ओसासुना को पेनल्टी मिली, जिसे एंटे बुदिमिर ने गोल में बदलकर अपनी टीम को 2-1 से जीत दिलाई।

टेबल टेनिस खिलाड़ी सिंड्रेला और पायस टॉप्स योजना में शामिल

नई दिल्ली। टेबल टेनिस की उभरती हुई खिलाड़ी सिंड्रेला दास और पायस जैन को आगामी एशियाई खेलों को देखते हुए टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के लिए शामिल किया गया है। इस योजना में उन खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है जिनसे पदक की उम्मीद रहती है। खेल मंत्रालय ने ये योजना एशियाई खेल 2026, राष्ट्रमंडल खेल 2030 और ओलंपिक 2036 जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए युवा प्रतिभाओं को तैयार करने के लिए चलायी है। गौरतल है कि कोलकाता की 17 वर्षीय सिंड्रेला दास ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर टॉप्स के लिए अपनी दावेदारी पक्की की थी। । इस साल की शुरुआत में थाईलैंड में आयोजित एशियाई यूथ चैंपियनशिप में, उन्होंने गर्ल्स डबल्स इवेंट में रजत पदक और गर्ल्स सिंगल्स प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। उनका 2023 का सीज़न भी अत्यंत सफल रहा था, जहाँ उन्होंने अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 सिंगल्स कैटेगरी में राष्ट्रीय रैंकिंग एज-ग्रुप खिताब अपने नाम किए। इन जीतों ने उन्हें सीनियर नेशनल सर्किट में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में, टॉप्स ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 और ओलंपिक खेल 2036 के लिए बेंच स्ट्रेंथ बढ़ाने के उद्देश्य से 14-17 वर्ष की आयु के युवा टेबल टेनिस खिलाड़ियों के लिए एक विशेष समूह का गठन किया था। सिंड्रेला इस समूह का एक अभिन्न हिस्सा थीं और अब अपने हालिया शानदार प्रदर्शन के आधार पर उन्हें सीधे टॉप्स डेवलपमेंट स्कीम में शामिल किया गया है। वह इस योजना में साथी भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी पायस जैन और अंकुर भट्टाचार्जी के साथ शामिल हुई हैं। पायस और अंकुर मिलकर भविष्य में भारत की पुरुष युगल जोड़ी भी बनाएंगे। सिंड्रेला को एशियाई खेल 2026 के लिए भारत की 10 सदस्यीय टीम में भी चुना गया है। महिला टीम में श्रीजा अकुला, दिया चितले, यशस्वी घोरपड़े, सुतीर्था मुखर्जी और सिंड्रेला दास शामिल हैं, जो देश के लिए पदक लाने के प्रयास करेंगी। वहीं पुरुष टीम में साथियान ज्ञानसेकरन, मानुष शाह, मानव ठक्कर, हरमीत देसाई और पायस जैन शामिल हैं, जो अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन पाक गेंदबाज हावी रहे

लॉर्ड्स। मोहम्मद अब्बास और मोहम्मद अली की शानदार गेंदबाजी से पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा। इससे मेजबान इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज दिन का खेल खत्म होने तक 9 विकेट पर 248 रन ही बना पाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय गस एटकिंसन 34 रन और जोश टंग 1 रन पर खेल रहे थे। पाकिस्तानी गेंदबाजों ने पहले दिन सधी हुई गेंदबाजी कर मेजबान टीम को कोई अवसर नहीं दिया। मोहम्मद अब्बास ने कुल 4 महत्वपूर्ण विकेट लिए। इसके अलावा मोहम्मद अली ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट लिए और विरोधी टीम पर लगातार दबाव बनाए रखा। खुर्रम शहजाद को भी एक विकेट मिला। पाक टीम अपनी रणनीति में सफल रहा और इंग्लैंड को एक बड़े स्कोर की ओर बढ़ने से रोक दिया। इंग्लैंड की ओर से केवल जॉर्डन कॉक्स और जेमी स्मिथ ही कुछहदक तक बल्लेबाजी कर पाये। स्मिथ ने 80 गेंदों में 61 रन बनाए, जबकि जॉर्डन कॉक्स ने 105 गेंदों में 55 रन बनाये। इन दोनों के अलावा, बेन डकेट और डेन लॉरेंस ने 17-17 रन, हैरी ब्रूक ने 15 रन और जोफ्रा आर्चर ने 14 रन बनाए। हालांकि, कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। शुरुआती सत्र में ही पाक गेंदबाजों ने इंग्लैंड के 4 विकेट लिए थे। मेजबान टीम को बैकफुट पर धकेल दिया था। लंच ब्रेक के बाद कॉक्स और स्मिथ ने मिलकर कुछ हद तक पारी को संभाला और टीम को थोड़ी राहत दिलाई, एक समय ऐसा लगा कि इंग्लैंड वापसी कर सकता है।

महिला हॉकी विश्व कप फाइनल में आज होगा नीदरलैंड्स-अर्जेंटीना में खिताबी मुकाबला

एम्स्टर्डम। एफआईएच महिला हॉकी विश्वकप का फाइनल मुकाबला शनिवार को खेला जाएगा। नीदरलैंड्स और अर्जेंटीना की टीमों में मुकाबला होगा। यह मुकाबला रोमांचक होना तय है क्योंकि दोनों ही टीमें काफी अच्छी हैं। मौजूदा चैंपियन नीदरलैंड्स अपना लगातार आठवां विश्व कप फाइनल जबकि अर्जेंटीना सातवीं बार खिताब जीतने उतरेगी।

मेजबान नीदरलैंड्स को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। उसने पहले सेमीफाइनल में सह-मेजबान बेल्जियम को कड़े मुकाबले में 1-0 से हराया था। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में अर्जेंटीना की लास लियोनास ने ऑस्ट्रेलिया को भी 1-0 के स्कोर से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। गुरुवार रात खेला गया यह मैच भी बेहद कड़ा और संतुलित रहा, जिसमें दोनों टीमों को गोल के ज्यादा मौके नहीं मिले।

फाइनल से पहले हुए अन्य स्थानों के लिए हुए मैचों में भी रोमांच देखने को मिला। स्पेन ने चीन को शूटआउट में हराकर सातवां स्थान हासिल किया, जबकि इंग्लैंड ने अमेरिका को 3-1 से हराकर नौवें स्थान पर कब्जा किया। जापान ने स्कॉटलैंड को 2-1 से हराकर टूर्नामेंट में 11वां स्थान प्राप्त किया। अब सभी की नजरें शनिवार को होने वाले खिताबी मुकाबले पर टिकी हैं।

डिविलियर्स ने सचिन से विराट को बेहतर बताने वाले बयान पर सफाई दी

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने हाल ही में अपने एक बयान में विराट कोहली को महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से बेहतर बताया था जिसे कारण वह आलोचना का भी शिकार हुए थे। अब अपने उसी बयान को लेकर डिविलियर्स ने सफाई दी है। डिविलियर्स का कहना है कि उनकी बात को गलत तरीके से पेश किया गया है। वह केवल अपनी राय बता रहे थे। उनका इससे मतलब नहीं है कि किसका टेस्ट रिकॉर्ड बेहतर है। डिविलियर्स के अनुसार उन्होंने खेल के कुछ हालातों को लेकर कोहली की तुलना तेंदुलकर से किये जाने के दौरान उन्हें बेहतर बताया था हालांकि वह जानते हैं कि रिकार्ड के मामले में सचिन नंबर एक पर हैं।

डिविलियर्स ने कहा, विराट और सचिन के बारे में मेरी टिप्पणी को लेकर थोड़ी गलतफहमी हो गई थी। यह मेरी निजी राय है। मैं किसी को हटा नहीं रहा हूं। मैं बस अपनी नजरिए से बात कह रहा हूं। सचिन ने भारत के लिए चीजों को आगे बढ़ाया और सभी युवा खिलाड़ियों को दिखाया कि दुनिया भर में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए क्या जरूरी है। मैंने कहा था कि विराट ने शॉर्ट बॉल पर अच्छा खेलकर दिखाया कि भारतीय बल्लेबाजी का एक अलग अंदाज भी हो सकता है। उन्होंने इसका सामना करने का तरीका तलाश निकाला है। गौरतलब है कि लगभग 16,000 टेस्ट रन और 51 टेस्ट शतक के साथ रिकॉर्ड के मामले में तेंदुलकर, कोहली से बहुत आगे हैं। वहीं विराट के नाम 9,230 टेस्ट रन हैं। दूसरी ओर डिविलियर्स का कहना था कि आंकड़े पूरी तस्वीर नहीं दिखाते। सिर्फ सफल होने की इच्छाशक्ति के आधार पर डी विलियर्स ने कोहली को

भारतीय अंडर-17 फुटबॉल टीम एशियाई कप क्वालीफायर में जीत के इरादे से उतरेगी

11 नवंबर को सिंगापुर से होगा पहला मुकाबला

क्वालालंपुर। भारतीय फुटबॉल टीम को एएफसी अंडर-17 पुरुष एशियाई कप क्वालीफायर के लिए निकले ड्रॉ में ग्रुप ई में रखा गया है। भारतीय टीम का लक्ष्य इसमें जीत हासिल कर अगले साल 12 से 29 मई 2027 तक उज्बेकिस्तान में आयोजित होने वाले मुख्य टूर्नामेंट में जगह बनाना रहेगा। भारतीय टीम के साथ ग्रुप ई में मेजबान मलेशिया, फिलिस्तीन, सिंगापुर और गुआम जैसी टीमों से होगा, जिससे यह क्वालीफायर चरण भारतीय टीम के लिए आसान नहीं रहेगा।

ग्रुप ई के सभी क्वालीफायर मुकाबले 11 से 20 नवंबर तक मलेशिया में एकल राउंड रॉबिन प्रारूप में खेले जाएंगे, जिसमें प्रत्येक टीम को अपने समूह के सभी विरोधियों के खिलाफ एक बार खेलना होगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 11 नवंबर को सिंगापुर के खिलाफ करेगी, जिसके बाद 14 नवंबर को उसका सामना गुआम से होगा। 17 नवंबर को उसे फिलिस्तीन के साथ मुकाबला तय है, और अंत में 20 नवंबर को मेजबान मलेशिया के खिलाफ एक निर्णायक मैच से भारतीय टीम अपने क्वालीफायर चरण का समापन करेगी। इन मैचों में शानदार प्रदर्शन के आधार पर ही भारतीय टीम मुख्य टूर्नामेंट में जगह बना सकती है। ।

इन क्वालीफायर में एशिया भर की कुल 35 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें पांच-पांच टीमों के सात अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है। प्रतियोगिता का प्रारूप अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है, क्योंकि प्रत्येक ग्रुप से केवल शीर्ष पर रहने वाली टीम ही एएफसी अंडर-17 एशियाई कप 2027 के लिए सीधे क्वालीफाई करेगी। इसका अर्थ है कि भारतीय टीम को अपने ग्रुप में पहला स्थान हासिल करने के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के साथ ही बेहतर योजना से उतरना होगा।। यह टीम के लिए सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अपनी क्षमता को साबित करने का एक बड़ा अवसर है।

गौरतलब है कि भारतीय टीम ने इससे पहले 2026 में सऊदी अरब में हुए पिछले एएफसी अंडर-17 एशियाई कप के लिए भी क्वालीफाई किया था, हालांकि तब टीम ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाई थी। अब भारतीय टीम का लक्ष्य न केवल लगातार दूसरी बार इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी जगह बनाना है, बल्कि इतिहास में 11वीं बार एएफसी अंडर-17 एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करना रहेगा। यह अभियान टीम के लिए एशियाई स्तर पर अपनी क्षमता को परखने और भविष्य के अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए युवा खिलाड़ियों को तैयार करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। यह क्वालीफायर केवल एशियाई कप में प्रवेश का मार्ग ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर पहुंचने की एक बड़ी उम्मीद भी जगाते हैं।

टेस्ट क्रिकेट को ही लक्ष्य मानकर चलें उभरते क्रिकेटर-श्रीनाथ

इंदौर। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ ने यहां एक कार्यक्रम में उभरते क्रिकेटरों से कहा है कि टेस्ट क्रिकेट सबसे महत्वपूर्ण है और उसी को लक्ष्य लेकर चलना चाहिये। श्रीनाथ ने कहा कि खेल में गहरायी तक जाने के लिए टेस्ट क्रिकेट सबसे महत्वपूर्ण है। श्रीनाथ ने क्रिकेट के विभिन्न प्रारूपों पर बात करते हुए ये बात कही। उन्होंने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जैसे टी20 प्रारूप, काफी अच्छे हैं ओर और खेल की लोकप्रियता बढ़ाने में सहायक हैं पर खेल की वास्तविक गहराई और इसका मूल आधार पांच दिवसीय टेस्ट क्रिकेट ही है। श्रीनाथ ने कहा कि इसी कारण देखा जाये तो सभी प्रारुप इसी में से निकले हैं। इसी में खिलाड़ियों के संयम और तकनीकी कौशल की असली परीक्षा होती है और खेल के मूलभूत सिद्धांतों को ये मजबूत करता है। श्रीनाथ ने कह कि टेस्ट क्रिकेट में ही , शारीरिक सहनशक्ति और मानसिक दृढ़ता की वास्तविक पहचान होती है। इसी कारण टेस्ट जैसे कठौर प्रारुप खेलने वाले किसी भी खिलाड़ी के लिए टी20 प्रारुप में ढलना और अच्छा प्रदर्शन करना अन्य खिलाड़ियों की अपेक्षा आसान हो सकता है। इसके विपरीत, जो खिलाड़ी मुख्य रूप से टी20 प्रारूप में ही खेलते हैं, उनके लिए टेस्ट क्रिकेट की लंबी अवधि, विभिन्न हालातों और बार-बार बदलते दबाव को झेलना और उसमें सफल होना कहीं अधिक कठिन होता है। टेस्ट क्रिकेट में सफल होने के लिए आवश्यक सघन एकाग्रता और बहुमुखी कौशल का विकास केवल इसी प्रारूप में संभव है। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने युवा क्रिकेटरों को विशेष सलाह देते हुए कहा कि उन्हें अपने करियर के शुरुआती चरणों से ही लंबे प्रारुप पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि आधुनिक क्रिकेट की मांगों को देखते हुए युवाओं को टी20 क्रिकेट खेलने से भी पीछे नहीं हटना चाहिए। उनका मानना है कि सही संतुलन ही सफलता की कुंजी है। श्रीनाथ आजकल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मैच रैफरी हैं। उनका मानना है कि युवा खिलाड़ियों को सही दिशा और मार्गदर्शन प्रदान करना राज्य क्रिकेट संघों, अभिभावकों और प्रशिक्षकों की एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, जिससे वे तीनों प्रारूपों में अपनी क्षमता का पूर्ण विकास कर सकें।

महिला टी20 एशिया कप में 25 में से 21 मैचों में जीत है भारतीय महिला टीम

दुबई। यहां आज से महिला एशिय कप क्रिकेट टूर्नामेंट शुरु हुआ। इसमें हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में उतरी भारतीय टीम को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इस बार टूर्नामेंट टी20 प्रारुप में खेला जाना है। भारतीय टीम का एशिया कप में पिछला प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। आज तक भारतीय टीम ने टी20 एशिया कप में 25 मुकाबले खेले हैं। इसमें से उसे 21 मैचों में जीत मिली जबकि महज 4 मुकाबलों में ही टीम हारी है। भारतीय टीम ने आज तक तीन बार टी20 एशिया कप के खिताब जीता है। उसने साल 2012, 2016 और 2022 में से ट्रॉफी जीती थी। किया था। ऐसे में इस बार भी भारतीय टीम जीत की बड़ी दावेदार है। टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के ऊपर टीम को शानदार शुरुआत देने की जिम्मेदारी होगी। शेफाली और मंधाना दोनों की ही हालिया फॉर्म शानदार रही है। मंधाना इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रही हैं। वहीं, जेमिमा रोड्रिग्स की गैरमौजूदगी में कप्तान हरमनप्रीत कौर मध्यक्रम की जिम्मेदारी संभालेंगी। ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा भारतीय टीम के लिए इस टूर्नामेंट में ट्रंप कार्ड साबित हो सकती हैं। दीप्ति बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दे सकती हैं, जबकि ऋचा तूफानी बल्लेबाजी के लल पर किसी भी मैच का रुख पदल सकती हैं। वहीं गेंदबाजी में क्रांति गौड़ और रेणुका ठाकुर तेज गेंदबाजी की कमान संभालती हुई नजर आ सकती हैं। स्पिन की कमान श्री चरणी और राधा यादव पर होगी। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अपना पहला मुकाबल शनिवार 30 अगस्त को थाईलैंड से खेलेगी।

नेपाल बाढ़ त्रासदी...पहाड़ों पर अब भी मंडरा रहा खतरा...नदियों के किनारे बसे इलाकों में अलर्ट...तिब्बत में फिर झील फटने का खतरा, नेपाल में गांव खाली

तबाही से अब तक 587 लोगों की मौत, 1400 से ज्यादा लापता, -मुर्दाघरों में नहीं बची जगह, शवों की पहचान में भी दिक्कत..नेपाल से 21 तमिल तीर्थयात्री दिल्ली पहुंचे, 320 भारतीय अब भी लापता

काठमांडू/नई दिल्ली । नेपाल-तिब्बत सीमा पर आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन के बाद राहत और बचाव अभियान जारी है। नेपाल-तिब्बत सीमा पर एक और ग्लेशियल झील से पानी बढने् के बाद खतरा बना हुआ है। भोटेकोशी, त्रिशूली और नारायणी नदी के किनारे बसे इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया है। कुछ समय के लिए राहत और बचाव अभियान भी प्रभावित हुआ। ताजा उपलब्ध रिपोर्टों के मुताबिक नेपाल में 587 और तिब्बत में 5 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इस तरह मृतकों की संख्या कम से कम 552 हो गई है। दोनों तरफ 1400 से ज्यादा लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। दूसरी तरफ नेपाल से सुरक्षित निकाले गए तमिलनाडु के 21 कैलाश मानसरोवर तीर्थयात्री शुक्रवार को दिल्ली पहुंच गए। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दिल्ली में उनसे मुलाकात कर उनकी आपबीती सुनी और राहत अभियान में सहयोग के लिए नेपाली सेना तथा नेपाल सरकार का आभार जताया। 21 तमिल तीर्थयात्रियों के सुरक्षित भारत लौटने की पुष्टि उपलब्ध रिपोर्टों में भी हुई है।

उधर, नेपाल में बाढ़ के बाद स्थिति बदहाल होती जा रही है। लगातार मरने वालों की संख्या बढ़ते रहने के कारण वहां के मुर्दाघरों में जगह नहीं बची है कि वो और नए शवों को वहां रख सकें। ऐसे में लोगों को परिवारजनों के शव की पहचान करने में भी दिक्कतें आ रही हैं। भोटेकोशी बाढ़ में बह गए लोगों के शव नदी के बहाव की दिशा में काफी दूर मिल रहे हैं, जिससे अधिकारियों के सामने उन्हें रखने और उनकी पहचान करने की चुनौती बढ़ गई है। रसुवा और नुवाकोट से बहकर आए शव नुवाकोट के साथ-साथ चितवन, तनहुं, नवलपरासी और अन्य इलाकों में भी मिले हैं। नुवाकोट, धाडिंग और नवलपरासी के मुर्दाघरों में जगह कम पडने् के कारण कुछ शवों को पड़ोसी जिलों में भेजा गया है। चितवन में जहां बरामद शवों की संख्या हॉस्पिटल की क्षमता से ज्यादा हो गई है। अधिकारी एक अस्थायी सुविधा केंद्र बना रहे हैं। पोखरा के अस्पतालों ने भी बताया है कि कई जिलों से शव आने के बाद उनके मुर्दाघर भर रहे हैं। चितवन में बरामद शवों की बढ़ती संख्या को संभालने में अस्पतालों को हो रही परेशानी के बाद अधिकारी भरतपुर में शव रखने के लिए एक अस्थायी केंद्र तैयार कर रहे हैं।

तमिल तीर्थयात्री सुरक्षित दिल्ली पहुंचे

कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए तमिलनाडु के 21 तीर्थयात्रियों को नेपाल के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र से नेपाली सेना ने सुरक्षित निकाला था। इसके बाद उन्हें काठमांडू से भारत लाया गया। दिल्ली पहुंचने के बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने उनसे मुलाकात की। उन्होंने तीर्थयात्रियों के अनुभव सुने और रेस्क्यू अभियान में नेपाली सेना तथा नेपाल सरकार के प्रयासों की सराहना की। भारत सरकार नेपाल और तिब्बत में फंसे भारतीय नागरिकों का पता लगाने और उन्हें सुरक्षित वापस लाने के लिए नेपाल सरकार, स्थानीय प्रशासन और अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय कर रही है। विदेश मंत्रालय ने इसके लिए 24 घंटे का कंट्रोल रूम भी सक्रिय किया है।

320 भारतीयों से संपर्क नहीं

नेपाल-तिब्बत में आई बाढ़ के बाद बड़ी संख्या में भारतीय नागरिकों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। केंद्र सरकार के मुताबिक करीब 320 भारतीयों के लापता या संपर्क से बाहर होने की जानकारी सामने आई है। इससे पहले 84 भारतीयों को सुरक्षित निकाले जाने की जानकारी दी गई थी। इनमें त्रिशूली-1 जलविद्युत परियोजना में काम करने वाले 63 भारतीय और तमिलनाडु के 21 तीर्थयात्री शामिल हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा के कारण बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक इस आपदा से प्रभावित क्षेत्र में मौजूद थे। कई अन्य देशों के नागरिक भी अब तक लापता बताए जा रहे हैं।

587 मौतें, 1400 से ज्यादा लोग लापता

नेपाल पुलिस के मुताबिक नेपाल में 587 मौतों की पुष्टि हुई है। चीन की ओर से तिब्बत में पांच मौतों की जानकारी दी गई है। दोनों आंकड़ों को मिलाने पर मृतकों की संख्या 587 हो जाती है। लापता लोगों की संख्या अभी लगातार बदल रही है। नेपाल में सैकड़ों लोग अब भी संपर्क से बाहर हैं, जबकि तिब्बत के ग्यिरोंग काउंटी में 558 लोगों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। इनमें करीब 260 विदेशी नागरिक बताए गए हैं।

फिर बढ़ा झील फटने का खतरा

पहली आपदा के बाद अब नेपाल-तिब्बत सीमा के पास एक और झील में पानी बढने् से चिंता बढ़ गई है। झील से पानी ओवरफ्लो होने की आशंका के चलते नदी के किनारे रहने वाले लोगों को सुरक्षित इलाकों में जाने के निर्देश दिए गए हैं। भोटेकोशी, त्रिशूली और नारायणी नदी के किनारे बसे गांवों में प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां निगरानी कर रही हैं। खतरे को देखते हुए चीन ने भी तिब्बत में अलर्ट बढ़ाया है। नए खतरे ने पहले से जारी रेस्क्यू अभियान को और मुश्किल बना दिया है। ऊंचे पहाड़ी इलाके, टूटे पुल, बह चुकी सड?ें और भारी मलबा राहत दलों के सामने बड़ी चुनौती बने हुए हैं।

13 हजार से ज्यादा सुरक्षाकर्मी रेस्क्यू में जुटे

नेपाल सरकार ने राहत और बचाव अभियान के लिए बड़े पैमाने पर सुरक्षा बल तैनात किए हैं। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक 13,295 सुरक्षाकर्मी अभियान में लगाए गए हैं। इनमें नेपाल पुलिस, नेपाली सेना और आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवान शामिल हैं। हेलिकॉप्टरों के जरिए दुर्गम इलाकों में फंसे लोगों को निकाला जा रहा है, जबकि निचले और नदी किनारे के गांवों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। रेस्क्यू अभियान को मोटे तौर पर चार स्तरों पर चलाया जा रहा है—हवाई बचाव, प्रभावित गांवों को खाली कराना, मलबे में खोज अभियान और घायलों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना।

538 शव नेपाल के 8 जिलों से बरामद

नेपाल में बाढ़ और मलबे के बाद शवों की तलाश लगातार जारी है। उपलब्ध स्थानीय आंकड़ों के मुताबिक आठ जिलों से 538 शव बरामद किए गए हैं। इनमें चितवन से सबसे ज्यादा 221 शव, नवलपरासी पूर्व से 134, गोरखा से 46, नुवाकोट से 37, धादिंग से 33, तनहूं से 28, नवलपरासी पश्चिम से 27 और रसुवा से 12 शव बरामद किए गए हैं। मलबे और नदियों के तेज बहाव के कारण कई इलाकों तक पहुंचना अब भी मुश्किल है। ऐसे में मृतकों और लापता लोगों की संख्या आगे बदल सकती है।

121 विदेशी नागरिकों का रेस्क्यू

नेपाल पर्यटन बोर्ड के अपडेट के मुताबिक बाढ़ के बाद अब तक 121 विदेशी नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया है। इनमें 85 भारतीय, 16 चीनी, 9 दक्षिण कोरियाई, 2 अमेरिकी और 2 रूसी नागरिक शामिल बताए गए हैं। कई विदेशी नागरिक कैलाश मानसरोवर यात्रा और अन्य धार्मिक एवं पर्यटन यात्राओं पर नेपाल-तिब्बत क्षेत्र में पहुंचे थे।

मप्र की इंजीनियर स्वाती बागरेचा भी लापता

इस आपदा में मध्य प्रदेश के विदिशा की रहने वाली और कनाडा के टोरंटो में रह रहीं स्वाती बागरेचा के भी लापता होने की जानकारी सामने आई है। परिवार के मुताबिक 26 अगस्त की सुबह करीब 9 बजे के बाद उनसे संपर्क टूट गया। परिजनों का कहना है कि उनका मोबाइल चीन सीमा के आसपास लोकेशन दिखा रहा है और फोन पर रिंग भी जा रही है। परिवार ने संबंधित एजेंसियों से तकनीकी माध्यम से मोबाइल लोकेशन ट्रैक कर उनकी स्थिति का पता लगाने की अपील की है।

रेस्क्यू के साथ अब नई चुनौती

पहली बाढ़ के बाद राहत दल जहां मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं, वहीं नई झील और बढ़ते जलस्तर ने एक और फ्लैश फ्लड का खतरा पैदा कर दिया है। इस वजह से प्रशासन को एक साथ दो मोर्चों पर काम करना पड़ रहा है—एक तरफ लापता लोगों की तलाश और दूसरी तरफ नदी किनारे बसे लोगों को संभावित दूसरी बाढ़ से सुरक्षित निकालना। नेपाल-तिब्बत सीमा की यह आपदा अब केवल स्थानीय प्राकृतिक आपदा नहीं रह गई है। बड़ी संख्या में विदेशी नागरिकों और तीर्थयात्रियों के प्रभावित होने के कारण भारत समेत कई देशों की एजेंसियां अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी और उनकी स्थिति का पता लगाने में जुटी हैं।

बनाया जा रहा है अस्थाई सुविधा केंद्र

भरतपुर मेट्रोपॉलिटन सिटी-10 में विद्युत रोड पर स्थित 'इंडस्ट्रियल एंटरप्राइज डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट' की एक खाली पड़ी इमारत को इस अस्थायी सुविधा केंद्र में बदला जाएगा। गुरुवार को चितवन के मुख्य जिला अधिकारी गणेश अर्याल की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस केंद्र को चालू करने का फैसला लिया गया। गुरुवार सुबह 9:30 बजे तक त्रिशूली और नारायणी नदियों के चितवन वाले हिस्से में फिशलिंग से लेकर गोलाघाट तक 137 शव बरामद किए जा चुके थे। शवों की बरामदगी का काम जारी था। अर्याल ने बताया कि चितवन के अस्पतालों के मुर्दाघरों में एक साथ 30 से 50 शव रखे जा सकते हैं। मौजूदा क्षमता पर पहले से ही दबाव होने के कारण, उम्मीद है कि अस्थायी केंद्र में लगभग 250 शव रखने की जगह मिल जाएगी। यदि ये क्षमता भी कम पड़ जाती है, तो अधिकारियों ने अतिरिक्त विकल्प के तौर पर देवघाट स्थित इलेक्ट्रिक श्मशान घाट का उपयोग करने का फैसला लिया है। भरतपुर मेट्रोपॉलिटन सिटी इस अस्थायी सुविधा केंद्र की मरम्मत और उसे जरूरी सुविधाओं से लैस करेगी। अधिकारियों की योजना कमरों के अंदर तापमान को नियंत्रित करने, एयर कंडीशनर लगाने और शवों के सडने् की प्रक्रिया को धीमा करने के लिए ड्राई आइस का उपयोग करने की है।

शवों के लिए किया जा रहा बर्फ का इंतजाम

चितवन एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज, चितवन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और रत्ननगर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ड्राई आइस का इंतजाम करने के लिए सहमत हो गए हैं। लापता लोगों की तलाश में परिवार चितवन पहुंच रहे हैं। जैसे-जैसे शव मिल रहे हैं, बाढ़ के बाद से लापता लोगों के रिश्तेदार रसुवा, नुवाकोट, गोरखा और अन्य ज़िलों से चितवन पहुंचने लगे हैं। गुरुवार को जब कर्मचारी अस्थायी केंद्र तैयार कर रहे थे, तब रिश्तेदार लापता परिवार के सदस्यों के बारे में जानकारी लेने के लिए वहां पहुंच रहे थे। यमन बानू चिलचिलाती गर्मी में एक टेंट की छाया में बैठी अपनी दो दादी या नानी की खबर का इंतजार कर रही थीं, जो नुवाकोट के त्रिशूली बाजार में रहती थीं और बाढ़ के बाद से उनसे कोई संपर्क नहीं हो पाया था।

ब्रह्माकुमारी बहनों ने मंत्री निशांत को बांधी राखी, नशा मुक्ति का लिया वचन

पटना। भाई-बहर के पवित्र त्यौहार रक्षाबंधन के शुभ मौके पर बिहार के मंत्री निशांत कुमार को ब्रह्माकुमारी आश्रम की बहनों ने उनके निवास पटना में राखी बांधी। इस दौरान उन्होंने मंत्री निशांत से नशा मुक्ति अभियान चलाने और खुद को समाज सेवा में पूरी तरह समर्पित करने का विशेष वचन लिया। ब्रह्माकुमारी बहनों ने मंत्री से मुलाकात कर उन्हें रक्षा सूत्र बांधा और समाज के प्रति उनके योगदान की प्रंशसा की। ब्रह्माकुमारी बहनों ने निशांत कुमार से यह महत्वपूर्ण वादा लिया कि वे नशे के खिलाफ एक मजबूत और व्यापक अभियान चलाएंगे। ब्रह्माकुमारी बहन पार्वती ने बताया कि उन्होंने मंत्री निशांत से अनुरोध किया है कि जिस तरह वे स्वयं अविवाहित रहकर समाज सेवा कर रही हैं, उसी तरह मंत्री भी अविवाहित रहकर समाज की बेहतर और प्रभावी ढंग से सेवा कर सकते हैं। एक अन्य ब्रह्माकुमारी, ने इस दिन को पवित्रता का दिन बताकर कहा कि निशांत ने उनके साथ जुड़कर समाज सेवा के कार्यों में सहयोग करने का आश्वासन दिया है। बहनों ने मंत्री के अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना कर उनसे नशे के खिलाफ अभियान चलाने का वचन लिया। उन्होंने मंत्री को बताया कि ब्रह्माकुमारी आश्रम ने अब तक लगभग 9 लाख लोगों को नशा मुक्त रहने की प्रतिज्ञा दिलाई है। स्वास्थ्य विभाग का प्रभार संभालने के कारण, ब्रह्माकुमारी बहनों ने निशांत से पुनीत अभियान में विशेष सहयोग का अनुरोध किया। मंत्री निशांत कुमार ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे जल्द ही बैठकें आयोजित कर और नशा मुक्ति के कार्य में ब्रह्माकुमारी आश्रम को निरंतर सहयोग देते रहने वाले है।

मंत्रियों ने एक महीने में किए 1,179 पोस्ट, सबसे ज्यादा फॉलोअर्स गृह मंत्री शाह के बढ़े

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट बैठक में मंत्रियों से इंस्टाग्राम पर ज्यादा सक्रिय होने, रील बनाने व युवाओं से संवाद करने को कहा था। इसके बाद 24 अगस्त तक 29 में से 28 यानी 97फीसदी कैबिनेट मंत्रियों की इंस्टाग्राम एक्टिविटी बढ़ी है। जदयू के राजीव रंजन सिंह को छोड़ सभी मंत्री सक्रिय हैं। मोदी कैबिनेट में सबसे ज्यादा फॉलोअर्स गृह मंत्री शाह के बढ़े हैं। पिछले एक महीने में उनके 8.53 लाख फॉलोअर्स बढ़े हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री की सलाह के बाद मंत्रियों ने रील्स पर जोर दिया है। उपभोक्ता मामले, खाद्य व सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने नीतियों व अहम मुद्दों को रील्स के जरिए समझाने पर जोर दिया। मंत्रियों ने पिछले एक महीने में 1,179 पोस्ट किए हैं। यह पहले की तुलना में 48फीसदी ज्यादा हैं। नीट पेपर लीक पर जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध प्रदर्शन के बीच पीएम मोदी ने कई बार सोशल मीडिया पर वीडियो जारी किया था। इन वीडियो में उन्होंने जेन-जी को पेपर लीक के मुद्दे पर संबोधित किया था। एक वीडियो में पीएम ने उन स्टूडेंट्स को माफ करने की भी बात कही थी जिन्होंने प्रदर्शन के दौरान उन्हें गाली दी थी। मोदी सरकार युवाओं से जुड़ने के लिए रोज एक यूनिवर्सिटी में एक केंद्रीय मंत्री भेजने की योजना बना रही है। मंत्री छात्रों से उनकी चिंताओं पर बात करेंगे और देश से जुड़े मुद्दों पर उनका नजरिया समझेंगे। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई थी। सूत्रों के मुताबिक, शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी और युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया को यूनिवर्सिटी और दौरे पर जाने वाले मंत्रियों के साथ तालमेल की जिम्मेदारी दी गई है। मंत्रियों के यूनिवर्सिटी दौरे का पूरा कार्यक्रम अभी सामने नहीं आया है। बैठक में मंत्रियों की सोशल मीडिया पोस्ट की पहुंच पर भी चर्चा हुई। इसमें खासतौर पर युवा लोगों तक संदेश पहुंचाने के लिए ज्यादा मेहनत करने की बात कही गई।

पशुधन बीमा योजना- पशुपालकों को 85 प्रतिशत सरकारी अनुदान के साथ बड़ी राहत

लखनऊ। सहारनपुर में पशुपालकों को बड़ी आर्थिक राहत देकर राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत पशु बीमा अभियान शुरू किया है। इस महत्वपूर्ण योजना के तहत, पशुपालकों को अपने पशुओं के बीमा प्रीमियम का केवल 15 प्रतिशत हिस्सा वहन करना होगा, जबकि शेष 85 प्रतिशत लागत केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर उठाएंगी। यह पहल पशुधन की आकस्मिक मृत्यु, जैसे बीमारी या दुर्घटना, से होने वाले बड़े आर्थिक नुकसान से सुरक्षा प्रदान करेगी।

केंद्र बीमा प्रीमियम का 51 और राज्य सरकार 34 प्रतिशत का भुगतान करेगी, जिससे छोटे और सीमांत पशुपालकों के लिए योजना बेहद आकर्षक और सुलभ है। सहारनपुर जिले में 20 अगस्त से शुरू हुए अभियान का लक्ष्य सितंबर माह तक 1 लाख 20 हजार पशुओं को बीमा सुरक्षा प्रदान करना है। पशुपालकों के लिए उनके पशु केवल आय का साधन नहीं, बल्कि परिवार की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार होता हैं। उनकी अचानक मृत्यु से परिवार पर गंभीर आर्थिक बोझ पड़ सकता है, जिससे यह बीमा योजना एक आवश्यक सुरक्षा कवच देती है।

योजना के तहत स्वदेशी पशुओं के बीमाकरण को प्राथमिकता मिलेगी। बीमा के लिए पशुओं की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार टैगिंग और टीकाकरण अनिवार्य होगा, इससे पहचान और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सकेगी। विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों, भूमिहीन पशुपालकों, बीपीएल परिवारों, अनुसूचित जाति/जनजाति और महिला पशुपालकों को इस योजना का प्राथमिकता से लाभ मिलेगा। विभाग का उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र पशुपालकों को पहल से जोड़ना है। बीमित पशु की मृत्यु होने पर, पशुपालक को तत्काल संबंधित पशु चिकित्साधिकारी, पैरावेट या बीमा कंपनी के प्रतिनिधि को सूचित करना होगा। मृत्यु के बाद शव को अधिकतम 24 घंटे तक निरीक्षण के लिए सुरक्षित रखना अनिवार्य है। आवश्यक जांच और दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद, स्वीकृत दावा राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाएगी, जिससे पशु की मौत के बाद उत्पन्न होने वाले आर्थिक संकट से तत्काल उबरने में मदद मिलेगी। यह योजना पशुपालकों को कम प्रीमियम पर सशक्त वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर रही है, जिससे उनके पशुधन पर निर्भर आजीविका को स्थायित्व मिल सके।

तमिलनाडु सीएम अपनी तय सीट छोड़कर मंत्रियों के बीच जाकर बैठ गए

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में गुरुवार को असामान्य नजारा देखने को मिला। सीएम सी जोसेफ विजय अपनी सीट छोड़कर मंत्रियों के बीच जाकर बैठ गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक विधानसभा के इतिहास में यह पहली बार है कि जब किसी सीएम ने अपनी तय सीट छोड़कर मंत्री के लिए तय सीट पर बैठकर कार्यवाही में हिस्सा लिया। वे सदन के नेता और मंत्री केए सेंगोट्टैयन और मंत्री आधव अर्जुन के बीच जाकर बैठ गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम विजय के लिए विधानसभा में स्पीकर की सीट के पास अलग सीट निर्धारित है। वहीं मंत्री सामने की कतार में बैठते हैं। उनकी सीटें आमतौर पर वरिष्ठता के आधार पर तय होती हैं। विधायक और मंत्री कभी-कभी आपसी बातचीत के लिए अपनी सीट बदल लेते हैं, लेकिन सीएम का अपनी तय सीट छोड़कर मंत्री की सीट पर जाकर बैठना सामान्य नहीं था। ,सीएम विजय के सीट बदलने से पहले विधानसभा में अहम मुद्दों पर चर्चा के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों की गैर मौजूदगी को लेकर सवाल उठा। विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने पूछा कि विभागीय सचिव चर्चा के दौरान सदन में मौजूद क्यों नहीं हैं। उदयनिधि ने करूर भगदड़ का जिक्र करते हुए कहा कि पिछली डीएमके सरकार के दौरान तत्कालीन सीएमए एमके स्टालिन, मुख्य सचिव और संबंधित विभागों के सचिव अहम मुद्दों पर चर्चा के समय सदन में मौजूद रहते थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा सत्र में अधिकारियों की ऐसी मौजूदगी दिखाई नहीं दे रही है। उदयनिधि के सवाल पर मंत्री आधव अर्जुन ने कहा कि विभागीय सचिव विधानसभा के पास बने 'वार रूम' में मौजूद थे। वे सदन में विधायकों की ओर से उठाए जा रहे मुद्दों और उनके भाषणों पर नोट्स तैयार कर रहे थे।

मंत्री नागेंद्र का दो साल में दूसरी बार इस्तीफा

-पहले 2024 में पद से हटे, शिवकुमार दोबारा लाए, अब फिर हटे

बेंगलुरू । कर्नाटक में कांग्रेस नेता बी. नागेंद्र ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। वह दो साल में दूसरी बार मंत्री पद से हट चुके हैं। उन पर वाल्मिकी स्कैम को लेकर दबाव बन रहा था। यह मामला 89 करोड़ रुपए के घोटाले से जुड़ा है। नागेंद्र अगस्त की शुरुआत में ही कैबिनेट में दोबारा शामिल हुए थे, जब डीके शिवकुमार ने मुख्यमंत्री पद संभाला था। इससे पहले 2024 में वह सिद्धारमैया की सरकार में मंत्री थे। मामला कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित 89 करोड़ रुपये की अनियमितताओं से जुड़ा है। मई 2024 में निगम के अकाउंट्स ऑफिसर पी. चंद्रशेखरन ने आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने एक नोट में फंड के अनधिकृत ट्रांसफर का आरोप लगाया था। जांच में निगम के बैंक खातों से बड़ी रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर किए जाने की बात सामने आई थी। नागेंद्र उस समय सिद्धारमैया सरकार में जनजातीय कल्याण मंत्री थे। विवाद के बाद उन्होंने जून 2024 में मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। अब डीके शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने के बाद 3 अगस्त को उन्हें फिर कैबिनेट में शामिल किया गया था।

जेल में बंद भाईयों को राखि बांधने पहुंची बहनाएं

अजमेर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर जहां एक ओर पूरा देश खुशियों में डूबा था, वहीं अजमेर केंद्रीय कारागार में भावनाओं का एक अलग ही सैलाब देखने को मिला। जेल के भारी दरवाजों के पीछे सैकड़ों बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधने पहुंचीं। उनके हाथों में राखियों की थालियां थीं, पर मन में अपनों से मिलने की कसक और जेल की दीवारों के पार एक अनजाना डर। जैसे ही बहनें मुलाकात कक्ष में पहुंचीं, सलाखों के पीछे खड़े भाइयों को देख उनकी आंखें छलक पड़ीं। सालों से अपनों से दूर, अपराध और गुमनामी के अंधेरे में जी रहे भाइयों के चेहरे पर भी पछतावा साफ दिखाई दिया। रेशमी धागे जब कलाई पर बंधे, तब सिर्फ राखी नहीं थी, बल्कि सालों का दबा दर्द, प्रेम और पश्चाताप आंसुओं के रूप में बह निकला। इस भावुक मौके पर बहनों ने भाइयों से एक अनूठा उपहार मांगा। रोली-अक्षत लगाने के बाद बहनों ने रुंधे गले से कहा, हमें कोई तोहफा नहीं चाहिए, बस इतना वादा करो कि जुर्म का रास्ता छोड़कर अंधेरी दुनिया से बाहर आ जाओंगे। इस मार्मिक अपील ने वहां मौजूद हर शख्स को भावुक कर दिया। भाइयों ने अपनी कलाई पर बंधी राखी की कसम खाते हुए, हमेशा के लिए अपराध की राह छोड़ने और एक नया, सम्मानजनक जीवन जीने का वचन दिया।

पश्चिम एशिया तनाव के चलते नहीं मिल रहा नया एलपीजी कनेक्शन, लगी है रोक

सरकार ने कहा-अस्थाई है रोक, आपूर्ति स्थिर रहने के बाद दोबारा शुरु होगी प्रोसेस

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और होर्मुज को लेकर अमेरिका-ईरान के बीच चल रहे विवाद के बीच देशभर में नए घरेलू सिलेंडर का कनेक्शन नहीं दिया जा रहा है। सरकार ने इसपर अस्?थायी रोक लगा दी है। तेल कंपनियां भी नए कनेक?शन जारी नहीं कर रही हैं। सिर्फ मौजूदा कस्?टमर्स को ही गैस बुकिंग के लिए प्राथमिकता दी जा रही है। इसके साथ ही कई और पाबंदियां गैस कनेक?शन को लेकर लागू है। तेल कंपनियों के मुताबिक मार्च 2026 से 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू सिलेंडर के नए कनेक्शन नहीं दिए गए हैं। वहीं अब पेट्रोलियम मंत्रालय ने इसपर जवाब दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोशल मीडिया पर केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा है कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए नए एलपीजी कनेक्शन जारी करना अस्थायी रूप से रोका गया है। इस समय एलपीजी डिस्?ट्रीब?यूटर्स का मुख?य फोकस मौजूदा कस्?टमर्स को समय पर रिफिल उपलब?ध कराने पर है, ताकि पहले से कनेक?शन वाले यूजर्स को गैस की कमी ना हो। सरकार का कहना है कि एलपीजी कनेक?शन को लेकर लगा प्रतिबंध स्?थायी नहीं है। वेस्?ट एशिया की स्थिति सामान्य होने और आपूर्ति स्थिर रहने के बाद नए कनेक्शन की प्रॉसेस दोबारा शुरू हो सकेगी।

वहीं बंद पड़े कनेक?शनों को दोबारा एक्टिव करने का प्रॉसेस शुरू किया जा रहा है। इसके साथ ही यूजर्स के केवॉयसी पूरा कराने पर भी लगातार जोर दिया जा रहा है, साथ ही फर्जी एलपीजी खरीद पर रोक और कमर्शियल गैस खरीद को लेकर भी लिमिट लगाई गई है। सरकार ने निर्देश दिया है कि जिन क्षेत्रों में पीएनजी कनेक?शन पहुंच गया है, वहां के लोगों को पीएनजी कनेक?शन लेना ही होगा। वहीं जिन लोगों के पास पीएनजी और एलपीजी दोनों का कनेक?शन है, उन्?हें एलपीजी का कनेक?शन सरेंडर करना होगा। अगर सरेंडर नहीं किया तो उनका गैस कनेक?शन बंद कर दिया जाएगा।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

चलती बाइक से गिरी महिला- सिर में गंभीर चोट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पोंडी के पास शुक्रवार सुबह चलती मोटरसाइकिल से गिरने के कारण एक 55 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला के सिर में गंभीर चोट आई है। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। यह महिला राधिका बाई पति गोपाल गोंडाने 55 वर्ष ग्राम बोटे बांदरी थाना लालबर्रा निवासी है।जिसकी हालत गंभीर

बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राधिका बाई गोंडाने खेती मजदूरी का कार्य करती हैं। 28 अगस्त की सुबह करीब 10 बजे राधिका बाई अपने बेटे देवन गोंडाने के साथ मोटरसाइकिल से लालबर्रा स्थित भोले बाबा के यहां जा रही थीं।इसी दौरान ग्राम पोंडी के पास अचानक राधिका बाई चलती मोटरसाइकिल से नीचे गिर गईं। हादसे में उनके सिर में गंभीर चोट लगने के कारण वह बेहोश हो गईं। घटना के बाद परिजनों ने उन्हें तत्काल लालबर्रा अस्पताल पहुंचाया।जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिये।फिलहाल राधिका बाई का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।जिसकी हालत गंभीर बताई गई है।

बहन ने भाई की कलाई पर बांधा प्रेम और विश्वास का धागा

जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षाबंधन पर्व, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और बाजारों में रही भारी भीड़

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह, विश्वास और सुरक्षा के पवित्र बंधन का पर्व रक्षाबंधन शुक्रवार को जिला मुख्यालय सहित जिले की सभी तहसीलों और ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास एवं पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों की रक्षा का संकल्प लेते हुए उन्हें उपहार एवं आशीर्वाद प्रदान किए।सुबह से ही जिले भर में भाई-बहन एक-दूसरे के घर पहुंचकर रक्षाबंधन की रस्में निभाते नजर आए। घरों में पूजन की थाली, रोली, चावल, मिठाई और रंग-बिरंगी राखियों के साथ पर्व का उल्लास दिखाई दिया। बताया गया कि बहनों द्वारा भाई की कलाई पर बांधी गई राखी केवल एक धागा नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, सुरक्षा और सम्मान के अटूट रिश्ते का प्रतीक है।

बच्चो में दिखा खासा उत्साह

पर्व के अवसर पर बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी उत्साह में नजर आए। बच्चों की कलाइयों पर कार्टून और खिलौनों की आकृति वाली राखियां दिखाई दीं, वहीं युवाओं और बुजुर्गों ने डिजाइनर, क्लासिकल और फैंसी राखियां बंधवाईं। सुबह से देर शाम तक राखी बांधने और भाई-बहन के एक-दूसरे के घर आने-जाने का सिलसिला जारी रहा। दुकानों और बाजारों में बज रहे रक्षाबंधन के गीत भी पर्व के उल्लास को और बढ़ाते रहे।

मिठाई और गिफ्ट आइटम की दुकानों पर लगी कतारें

भाई-बहन के प्रेम के इस पर्व पर शहर के बाजारों में खासी रौनक दिखाई दी। प्रमुख चौराहों और बाजार क्षेत्रों में सजी राखी, मिठाई और गिफ्ट आइटम की दुकानों पर सुबह से देर रात तक खरीदारों की भीड़ रही। बहनों ने भाइयों के लिए आकर्षक राखियां, रुमाल, मिठाई और अन्य सामग्री की जमकर खरीदारी की, वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार देने के लिए बाजार का रुख किया।रेडीमेड गारमेंट्स, ज्वेलरी, मोबाइल, श्रृंगार सामग्री और गिफ्ट आइटम की दुकानों पर विशेष चहल-पहल रही। महिलाओं, युवतियों और किशोरियों के साथ उनके भाई भी कपड़े, उपहार और मिठाइयों की खरीदारी करते नजर आए। रक्षा बंधन को लेकर गिफ्ट आइटम की भारी मांग रही, जबकि मिठाई की दुकानों पर भी ग्राहकों की लंबी कतारें दिखाई दीं।

बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर उमड़ा यात्रियों का हुजूम

रक्षाबंधन के अवसर पर दूर-दराज क्षेत्रों में रहने वाली बहनें भाइयों से मिलने के लिए उत्सुक नजर आईं। इसके चलते नगर के बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर सुबह से ही यात्रियों की भारी भीड़ दिखाई दी। बसों और ट्रेनों में यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक रही।कई लोग अपने गांव और रिश्तेदारों के घर पहुंचने के लिए यात्रा करते नजर आए।इस तरह भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का पावन पर्व जिले भर में पूरे उत्साह, उमंग और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। दिनभर बहनों द्वारा भाइयों की कलाइयों पर सजाई गई रंग-बिरंगी राखियां भाई-बहन के अटूट स्नेह और मजबूत रिश्ते की कहानी बयां करती रहीं।

मायके मेहमानी मे आई 28 वर्षीय महिला रहस्यमय ढंग से लापता

13 अगस्त को पहुंची थी मायके-15 अगस्त को हुई लापता अज्ञात आरोपी पर बंदी बनाकर छिपाने का मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम निक्कूम में मायके मेहमानी आई 28 वर्षीय महिला रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई। महिला के परिजनों द्वारा लगातार तलाश किए जाने के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिलने पर मलाजखंड पुलिस ने गुम इंसान कायम किया है। यह महिला प्रियंका पति पंचराम वट्टी ग्राम समनापुर थाना मलाजखंड निवासी है। जिसे अज्ञात व्यक्ति द्वारा गुप्त स्थान पर बंदी बनाकर छिपाकर रखने की आशंका में अपराध दर्ज कर जांच एवं तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम निक्कूम निवासी गंगाराम कुशरे खेती किसानी का कार्य करते हैं। उनके परिवार में तीन बच्चे हैं। उनकी मंझली बेटी प्रियंका की शादी आठ वर्ष पूर्व पंचराम वट्टी ग्राम समनापुर निवासी के साथ शादी हुई थी। विवाह के बाद प्रियंका अपने ससुराल ग्राम समनापुर में रह रही थी।बताया गया कि 13 अगस्त को प्रियंका अपने ससुराल से मेहमानी के लिए मायके ग्राम निक्कूम आई थी। 15 अगस्त की सुबह करीब 10 बजे उसके पिता गंगाराम अपने नाती ललित वट्टी को स्कूल छोड़ने पल्हेरा चले गए थे। जबकि उनकी पत्नी मोतन बाई खेत चली गई थीं। उस समय प्रियंका घर में अकेली थी।परिजन जब शाम करीब 4 बजे घर वापस लौटे तो प्रियंका घर पर नहीं मिली। पहले परिवार वालों ने आसपास और पड़ोस में उसकी तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली।इसके बाद गंगाराम ने रिश्तेदारों के यहां ग्राम गढ़ी, सरईटोला, मंडई, तरेगांव, उकवा सहित प्रियंका के ससुराल ग्राम समनापुर में भी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका।

लाल साड़ी और पीले ब्लाउज में घर से निकली थी

परिजनों के अनुसार लापता प्रियंका की लंबाई करीब 5 फीट, शरीर हट्टा-कट्टा, चेहरा लंबा और रंग गोरा है। वह घटना के समय लाल रंग की साड़ी और पीले रंग का ब्लाउज पहने हुए थी। परिजनों द्वारा अपने स्तर पर लगातार तलाश किए जाने के बाद भी जब प्रियंका नहीं मिली तो उसके पिता ने मलाजखंड थाने में इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई।मलाजखंड पुलिस ने मामले में गुम इंसान कायम कर महिला की तलाश शुरू की है। साथ ही अज्ञात आरोपी द्वारा प्रियंका को गुप्त स्थान पर बंदी बनाकर एवं छिपाकर रखने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा महिला की तलाश के साथ ही मामले से जुड़े सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है।

प्राची मेश्राम का एमबीबीएस मे चयन

पद्मेश न्यूज। हट्टा। ग्रामीण अंचलों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, बस उन्हें सही मार्गदर्शन और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता होती है। इसे एक बार फिर सच कर दिखायाहै, क्षेत्र की होनहार सुपुत्री कुमारी प्राची मेश्राम ने।उनका मध्य प्रदेश शासन के चिकित्सा

शिक्षा विभाग के द्वारा आयोजित म.प्र स्टेट यू जी काउसलिंग 2026 वे प्रथम चरण के जारी नतीजों में एमबीबीएस पाठ्यक्रम की सीट हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इनको भोपाल स्थित गांधी मेडिकल कॉलेज मे आवंटन प्राप्त हुआ है ।प्राची के पिता श्री राजकुमार मेश्राम जो हट्टा क्षेत्र के पत्रकार है एव माता श्रीमती संगीता मेश्राम अपनी बेटी की इस उपलब्धि से अत्यंत अभिभूत और गोरवान्वित है । प्राची ने अपने इस सफलता का श्रेय अपने माता पिता ,व शिक्षकों को दिया है ।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट